हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, बुधवार 6 अगस्त 2025

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने से बड़ा हादसा हुआ है। गंगोत्री धाम और मुखवा के पास स्थित धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने से खीर गंगा नदी में बाढ़ आ गई। बाढ़ का पानी बहुत तेज़ी से पहाड़ों से निचले इलाकों की तरफ बहकर आया, जिससे होटल, लॉज, कई घर पूरी तरह तबाह हो गए। गांव में तबाही का मंजर दिखा, वहीं बाजार भी सैलाब में बह गया। हादसे में अब तक चार लोगों की मौत हो गई है और 70 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं।

हेलीपैड बहा, हर्षिल में सेना कैंप भी चपेट में आया, कई जवान लापता

4 की मौत | 70 से अधिक लापता

उत्तराखंड के धराली में बादल फटने से खीर गंगा नदी में आई बाढ़ में चार लोगों की मौत, कई लापता, सेना ने संभाला मोर्चा

पीएम मोदी ने ली जानकारी दिया हर संभव मदद का भरोसा

बादल फटने से तबाही: सैलाब में तबाह हो गए होटल, गांव- बाजार

एजेंसी ▶▶| उत्तरकाशी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने के कारण खीर गंगा नदी में आयी विनाशकारी बाढ़ में चार लोगों की मौत हो गई और 130 से अधिक लोगों को बचा लिया गया। अभी भी करीब 70 लोग लापता बताए जा रहे हैं। उत्तराखंड सरकार के अनुसार राज्य आपदा प्रतिवादन बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस तथा सेना सहित अन्य राहत एजेंसियों ने मिलकर घटनास्थल से 130 से अधिक लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। इससे पहले, घटनास्थल के लिए जाते समय उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने संवाददाताओं को बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना में चार लोगों की मृत्यु हुई है। बाढ़ में लापता हुए ▶▶|शेष पेज 7 पर

48 घंटों से रुक-रुक कर बारिश

उत्तराखंड में विभिन्न स्थानों पर पिछले 48 घंटों से रुक-रुक कर लगातार बारिश होने से गंगा, यमुना सहित सभी नदी-नाले उफान पर आ गए और भूस्खलन से सड़के बाधित हो गयीं जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में प्रदेश के 13 में से 11 जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए जलभराव होने तथा बाढ़ का खतरा पैदा होने की चेतावनी जारी की है।

मौके पर पहुंचे 150 सेना के जवान

सेना ने जानकारी दी कि आज दोपहर करीब 1:45 बजे धराली गांव के पास लैंडस्लाइड हुआ, ये जगह स्थित भारतीय सेना कैंप से लगभग 4 किलोमीटर दूर है। घटना की सूचना मिलते ही भारतीय सेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 150 जवानों को मौके पर भेजा, जो सिर्फ 10 मिनट में वहां पहुंच गए और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया। अब तक 15 से 20 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। घायलों को इलाज के लिए हर्षिल स्थित सेना के मेडिकल सेंटर में पहुंचाया गया है। फिलहाल राहत और बचाव का काम लगातार जारी है।

कहां हुआ हादसा

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में जहां बादल फटने की घटना हुई है, वह राजधानी देहरादून से 220 किलोमीटर दूर है। यह इलाका गंगोत्री धाम के बाहर नजदीक है। धराली गांव एनएचएस-34 पर हर्षिल से क़रीब 6-7 किलोमीटर ऊपर गंगोत्री की ओर खीर गंगा नदी के समीप स्थित है। बताया जा रहा है कि इस इलाके में बड़ी संख्या में होम स्टे और होटल भी थे।

पीएम मोदी ने जताई संवेदना

उत्तरकाशी हादसे के बाद पीएम मोदी ने कहा कि, उत्तरकाशी के धराली में हुई इस त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही सभी पीड़ितों की कुशलता की कामना करता हूं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से बात कर मैंने हालात की जानकारी ली है।

केदारनाथ, ऋषिगंगा आपदा की भयावह यादें ताजा कीं

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में मंगलवार दोपहर बादल फटने से मची भीषण तबाही ने 2013 की केदारनाथ और 2021 की ऋषिगंगा आपदा की भयावह यादें ताजा कर दीं। गांव के रहने वाले एक प्रत्यक्षदर्शी सुभाष चंद्र सेमवाल (60) ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसा भयावह दृश्य कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि दोपहर बाद जब वह आराम करने जा रहे थे कि तभी उन्हें तीव्र गति से पानी और पत्थरों के बहने की आवाज सुनाई दी, जिसे सुनकर वह और उनके परिवार के अन्य सदस्य बाहर निकल आए। सेमवाल ने कहा,जब हमने खीरगंगा में भारी मात्रा में पानी बहकर नीचे की ओर आते देखा तो हम सब पहले तो घबरा गए।

खबर संक्षेप

पूर्व आईएएस अधिकारी के परिसरों पर छापे

गुवाहाटी। प्रवर्तन निदेशालय ने असम राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में 105 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के सिलसिले में मंगलवार को सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सेवाली देवी शर्मा और अन्य के खिलाफ छापेमारी की। एससीईआरटी की पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष एवं निदेशक शर्मा एवं उनके कुछ कथित सहयोगियों के कम से कम आठ परिसरों पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत छापे मारे गए। धनशोधन का यह मामला असम के मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ के निर्देश पर पुलिस द्वारा मई 2023 में दर्ज की गई एक प्राथमिकी पर आधारित है।

सोरेन का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

नेमरा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का रामगढ़ जिले में स्थित उनके पैतृक गांव नेमरा में मंगलवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके बड़े बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जैसे ही मुखाग्नि दी, लोगों ने 'गुरुजी अमर रहें' के नारे लगाए। इस दौरान देश के शीर्ष नेताओं से लेकर बड़ी संख्या में आम लोगों ने नम आंखों से 'दिशोम गुरु' को अंतिम विदाई दी।

दवा निगम से पद्मिनी आउट, मित्तल का कद बढ़ा, सीएम सचिवालय में इंट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य शासन ने 10 आईएएस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी कर दिए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में सीजी एमएससी की एमडी पद्मिनी भोई साहू की छुट्टी करते हुए उनके स्थान पर रितेश अग्रवाल को नया एमडी बनाया गया है। दवा निगम लंबे समय से भ्रष्टाचार के चलते विवादों में हैं। मोक्षित कारपोरेशन का एमडी शशांक चोपड़ा जेल में बंद है और ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

हिना और अश्वनी को अतिरिक्त प्रभार

पद्मिनी भोई साहू प्रबंध संचालक, छग मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन, रायपुर को संचालक, कोष एवं लेखा के पद पर पदस्थ करते हुए संचालक, पेंशन एवं पंजीयक, फर्म एवं संस्थाएं का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। हिना अनिमेष नेताम उप सचिव, राजभवन, रायपुर को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त संचालक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के पद पर ▶▶|शेष पेज 7 पर

रवि मित्तल संयुक्त सचिव, सीएम सचिवालय

रवि मित्तल, आयुक्त, जनसंपर्क तथा अतिरिक्त प्रभार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संवाद को संयुक्त सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय ▶▶|शेष पेज 7 पर

सीजीपीएमसी घोटाले में चोपड़ा की 40 करोड़ की संपत्ति ईडी ने की जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्वास्थ्य विभाग और सीजीएमएससी के सबसे बड़े रीएजेंट और उपकरण घोटाले से जुड़े लोगों की 40 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति ईडी ने जब्त कर ली है। अरबों के घोटाले में पीएमएलए दर्ज करने के बाद ईडी ने 30-31 जुलाई को मोक्षित कार्पोरेशन के डायरेक्टर शशांक चोपड़ा, उनके रिश्तेदार तथा मिलीभगत में शामिल अधिकारियों के 20 ठिकानों की तलाशी ली थी। मामले में ईडी की एंट्री के बाद इस बात की ▶▶|शेष पेज 7 पर

- लग्जरी कार डिजिटल गैजेट्स और विभिन्न बैंक खातों में जमा राशि सीज

यह था मामला

मोक्षित कार्पोरेशन के एमडी शशांक चोपड़ा ने सीजीएमएससी से जुड़े अधिकारियों के साथ संगठित गिरोह बनाकर इस अरबों की ठगी को अंजाम दिया था। उसके द्वारा अपने कई उत्पादों को बाजार मूल्य से कई सौ गुना अधिक दाम में स्वास्थ्य विभाग को सप्लाई किया गया था। इसके अलावा उनके द्वारा करोड़ों रुपये के रीएजेंट ▶▶|शेष पेज 7 पर

कई बड़े अफसरों से पूछताछ की संभावना

ईडी की एंट्री के बाद इस मामले में एक बार दवा कार्पोरेशन से जुड़े तत्कालीन और वर्तमान अधिकारियों से पूछताछ किए जाने की संभावनना बढ़ती नजर आ रही है। जानकार सूत्रों का कहना है कि विभागीय स्तर पर हुए इतने बड़े घोटाले से आला अधिकारी अनभिज्ञ कैसे रहे होंगे। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े किसी भी तरह के ▶▶|शेष पेज 7 पर

19 करोड़ का पुल, टेस्टिंग के लिए विशेषज्ञ नहीं ढूंढ पाया विभाग

अब भी खाली हवा में झूल रहा टोला का लक्ष्मण झूला!

अतुल अग्रवाल ▶▶| दुर्ग

19.40 करोड़ की लागत से तैयार सस्पेंशन ब्रिज जिसे लक्ष्मण झूला नाम दिया गया है, वह पिछले करीब 3 महीने से उद्घाटन के इंतजार में है। रायपुर और दुर्ग जिले की सीमा पर बना यह ब्रिज सिर्फ लोड टेस्टिंग की वजह से शुरू नहीं किया जा सका है। खबर है कि जल संसाधन विभाग को लोड टेस्टिंग के लिए एक्सपर्ट नहीं मिल रहे हैं, जिस वजह से ब्रिज बनने का बाद भी शुरू नहीं हो पाया है। लगभग 225 मीटर लंबा यह ब्रिज पाटन के ग्राम परसदा स्थित ठकुराइन ▶▶|शेष पेज 7 पर

- एक समय में 1 हजार से ज्यादा लोगों की आवाजाही की क्षमता वाला ब्रिज 3 महीने से उद्घाटन के इंतजार में

हरिभूमि सरोकार

लोड टेस्टिंग का काम जल्द होगा, तैयारी चल रही

लोड टेस्टिंग का काम जल्द होगा, इसे लेकर तैयारी चल रही है। रुद्रकी आईआईटी के विशेषज्ञों की टीम जल्द आने वाली है। उनकी रिपोर्ट के बाद ब्रिज को शुरू किया जा सकेगा। करीब 19 करोड़ रुपए की लागत से ब्रिज को तैयार किया गया है।

-गोपी शर्मा, अनुभागीय अधिकारी जल संसाधन विभाग पाटन

आईआईटी रुड़की और विशेषज्ञों से किया संपर्क

जानकारी के मुताबिक ब्रिज की क्षमता करीब 1 हजार लोगों की है, लेकिन अब तक इसका लोड टेस्ट नहीं हुआ है। खबर है कि इसकी टेस्टिंग के लिए जल संसाधन विभाग ने आईआईटी रुड़की के इंजीनियरों से संपर्क किया है, लेकिन उनके निरीक्षण का तारीख तय नहीं हो पाई है। विभागीय अधिकारियों की मानें तो थर्ड पार्टी कंसलटेंट से भी मदद लेने की तैयारी है, ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी सामने न आए। बहरहाल लक्ष्मण झूला को फिलहाल बंद रखा गया है। सुरक्षा गार्ड की तैनाती की गई है।

तीन साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री ने किया था भूमिपूजन

जानकारी के मुताबिक करीब तीन साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसका भूमिपूजन किया था। उस समय कहा गया था लक्ष्मण झूला बनने के साथ ही इस क्षेत्र को पर्यटन के रूप में विकसित किया जाएगा। गार्डन, खेलकूद के लिए झूले, बेहतर लाइटिंग से लेकर अन्य इंतजाम होने हैं, लेकिन लक्ष्मण झूला का ही काम पूरा नहीं हो पाया है। बता दें कि पिछले करीब तीन महीने से ब्रिज बनकर तैयार है। पिछले दिनों इसका रंग-रोगन भी किया। वर्तमान में रंग-रोगन खराब होने लगा है। देखरेख के अभाव में कुछ जगहों पर बनी दीवारों पर दरारें भी आने लगी हैं।

बिहार ले जाई जा रही 51 लाख की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात के तहत जशपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने राजस्थान से शराब की तस्करी कर रहे एक ट्रक को ग्राम आगडीह के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर घेराबंदी कर रोका। ट्रक की तलाशी में 734 कार्टून में भरी कुल 6588 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई, जिसका बाजार मूल्य लगभग 51 लाख आंकी गया है। पुलिस ने शराब से लदे ट्रक यूपी 12ए टी 1845 को भी जब्त करते हुए चालक को हिरासत में लिया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध ट्रक अवैध शराब के साथ जशपुर क्षेत्र से गुजरने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम आगडीह के पास नाकेबंदी कर संदिग्ध ट्रकों की चेकिंग शुरू की। इसी दौरान उक्त ट्रक आते हुए देखा गया, जिसे रोककर तलाशी ली गई। जांच में अंग्रेजी शराब से भरे 734 कार्टून मिले। गिरफ्तार ट्रक चालक की पहचान चिमा राम (26 वर्ष), निवासी थाना बायतु, जिला बाड़मेर राजस्थान के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह यह ट्रक चंडीगढ़ पंजाब से रांची झारखंड ले जा रहा था। जहां से एक अन्य व्यक्ति द्वारा ट्रक को बिहार ले जाया जाना था। आरोपी ने यह भी बताया कि उसे इस काम के लिए 45 हज़ार दिए गए थे। उसे यह जानकारी नहीं थी कि ट्रक में क्या सामान लदा है।

बड़े अंतरराज्यीय सिंडिकेट की संलिप्तता

पुलिस को आशंका है कि इस तस्करी के पीछे एक बड़ा अंतरराज्यीय शराब माफिया गिरोह सक्रिय है, जो ड्राइवरों को महज ट्रांसपोर्ट का माध्यम बनाकर मालिक व गंतव्य से पूरी तरह अनजान रखते हैं। इसी मॉडल पर फरवरी 2025 में भी जशपुर पुलिस ने दो ट्रकों से करीब 14025 लीटर (1574 पेटी) अवैध शराब पकड़ी थी, जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ रुपये थी। उस समय भी ड्राइवरों को केवल एक निश्चित स्थान से ट्रक ले जाने की जिम्मेदारी दी गई थी।

तस्करी का विशेष रूट, टोल-नाका से बचाव की रणनीति

तस्करों द्वारा शराब की तस्करी के लिए हिमाचल प्रदेश, लखनऊ, अंबिकापुर, जशपुर होते हुए रांची का मार्ग चुना जाता है ताकि टोल नाके और पुलिस जांच की संख्या कम हो। इस बार भी यही रणनीति अपनाई गई थी, परंतु जशपुर पुलिस की तत्परता और मुखबिर तंत्र ने इस प्रयास को विफल कर दिया।

पुलिस ने दर्ज किया मामला आरोपी जेल भेजा गया

थाना सिटी कोतवाली जशपुर में आरोपी के खिलाफ 34(1)(क), 34(2) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। आरोपी चिमा राम को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है

ऑपरेशन आघात के तहत लगातार हो रही कार्रवाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि ऑपरेशन आघात के तहत लगातार नशे के सौदागरों पर शिकंजा कसा जा रहा है। इस प्रकार की तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। मामले में अंतरराज्यीय सिंडिकेट की जांच जारी है। जल्द ही इनके नेटवर्क को तोड़ा जाएगा।

खबर संक्षेप

शराब घोटाला, जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे चैतन्य बघेल

बिलासपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में हिरासत में लिए जाने का विरोध करते हुए चुनौती दी गई है तो साथ ही जमानत की मांग की गई है। ध्यान रहे कि मनी लांड्रिंग के मामले में ईडी ने चैतन्य को हिरासत में लिया है। इसके खिलाफ चैतन्य बघेल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सूको ने उन्हें हाईकोर्ट जाने की सलाह दी है। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका को सुनने से इनकार कर दिया, वहीं दूसरी याचिका पर सुनवाई 6 अगस्त को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाते हुए कहा कि दोनों ने एक ही याचिका में पीएमएलए के कई सेक्शन को चुनौती देने के साथ-साथ जमानत जैसी व्यक्तिगत राहत की मांग भी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब किसी मामले में कोई प्रभावशाली व्यक्ति शामिल होता है तो वो सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख करता है। यदि हम ही सब केस सुनेंगे तो बाकी अदालतें किसलिए हैं। अगर ऐसा ही होता रहा तो फिर आम आदमी कहां जाएंगे। एक साधारण आदमी और वकील के पास पैरवी के लिए सुप्रीम कोर्ट में कोई स्पेस ही नहीं बचेगा। 14 दिन की रिमांड खत्म होने के बाद चैतन्य को सोमवार को ईडी की विशेष कोर्ट में पेश किया गया था। ध्यान रहे कि छत्तीसगढ़ के शराब, कोयला घोटाला और महादेव सट्टा ऐप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी जांच के दायरे में हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मामले की जांच कर रही है।

प्रसव के बाद पैदल ही फिर अस्पताल के लिए चल पड़ी

गांव तक नहीं पहुंच पाती है एम्बुलेंस प्रसूता ने रास्ते में दिया बच्चे को जन्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर/वाड्रफनगर

सोनहत के पंडो पारा में रहने वाली एक महिला को समय पर एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिल पाई और उसे पैदल चलना पड़ा। पैदल अस्पताल जाते समय रास्ते में ही खुले आसमान के नीचे महिला का प्रसव हो गया। प्रसव के बाद महिला प्रसूता नवजात बच्चे को गोद में लेकर नदी पार करते हुए रघुनाथनगर पहुंची। बताया जा रहा है कि बलरामपुर जिले के रघुनाथनगर अंतर्गत ग्राम पंडो पारा में रहने वाली प्रसूता 28 वर्षीय मानकुंवर पंडो गर्भवती थी। महिला को प्रसव पीड़ा होने पर पीटीआई केश्वर पंडो और परिजन ने महतारी 102 एंबुलेंस को फोन किया। बारिश के कारण आवागमन बंद होने से एंबुलेंस ने गांव तक जाने से मना कर दिया। ऐसे में परिजन खुद ही पैदल प्रसूता को लेकर रघुनाथनगर सीएचसी के लिए निकल गए। रास्ते में महिला को प्रसव पीड़ा बढ़ गई। जिसके बाद महिला के साथ मौजूद दो अन्य महिलाओं के सहयोग से खुले आसमान के नीचे महिला ने बच्चे को जन्म दिया।

समय से पहले नहीं कराया गया भर्ती, लापरवाही से बनी स्थिति

नवजात गोद में लेकर किया नदी पार

सबसे बड़ी बात यह है कि प्रसव के बाद जैसे ही महिला की हालत सामान्य हुई फिर से सभी अस्पताल के लिए रवाना हुए। इस दौरान महिला खुद अपने नवजात को गोद में पकड़े हुए थे। प्रसूता और परिजन ने नवजात बच्चे के साथ रघुनाथनगर से पहले पड़ने वाली पहाड़ी नदी को पार किया। यह नदी काफी खतरनाक है और बारिश के अक्सर नदी में अचानक ही जल स्तर बढ़ जाता है। जिससे खतरा बढ़ जाता है नदी के बहाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पूर्व में बनाया गया रपटा बह गया था। ग्रामीणों ने बताया कि सोनहत पंचायत तक पक्की सड़क बनी है। सोनहत से पंडो बस्ती करीब 4 किलोमीटर दूर है। यहां नालों में पुलिया नहीं बनी है। जिस कारण बारिश में एम्बुलेंस नहीं आ पाती।

स्वस्थ हैं जच्चा- बच्चा

प्रसूता और नवजात को वाड्रफनगर सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। दोनों की हालत सामान्य है। बीएमओ वाड्रफनगर को इस मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जच्चा-बच्चा का बेहतर उपचार करने को कहा गया है।

डॉ. बसंत सिंह, सीएमएचओ

सिविल अस्पताल में कराया भर्ती

प्रसव के बाद महिला व नवजात को लेकर परिजन नदी पार करने के बाद बाइक से रघुनाथनगर सीएचसी पहुंचे। जांच के बाद प्रसूता और नवजात को सिविल हॉस्पिटल वाड्रफनगर में भर्ती कराया गया। फिलहाल दोनों की हालत सामान्य है लेकिन बच्चे का वजन कम होने के कारण बीएमओ डॉ. हेमंत दीक्षित ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर कर दिया है। विशेष संरक्षित जनजाति और पहुँचविहीन क्षेत्र की प्रसूताओं को डिलीवरी डेट से पहले समय रहते अस्पताल में भर्ती करा दिया जाता है। इस मामले में लापरवाही बरती गई।

विवाहिता की संदिग्ध मौत, पीएम रिपोर्ट में मारपीट की हुई पुष्टि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पीएम रिपोर्ट में मृतका के शरीर के चार जगहों पर मारपीट करने की पुष्टि की गई है। इधर डाक्टर ने इलाज के दौरान मौत होने पर पुलिस को बिना सूचना दिए बीमारी से मौत बताते हुए लाश परिजन को सौंप दिया था। उसके बाद महिला की लाश का यूपी में ले जाकर कफन दफन कर दिया गया था। उत्तर प्रदेश निवासी कारी बसीर, पत्नी सलमा व 7 साल की बेटी के साथ तालापारा में रहकर मदरसा व होटल चला रहे थे। उन्होंने अपनी पत्नी को इलाज के लिए यूनिटी हास्पिटल में भर्ती कराया था। 12 जुलाई को इलाज के दौरान उनकी पत्नी सलमा की मौत हो गई। पुलिस को बिना सूचना के उन्होंने पत्नी का शव यूपी ले जाकर कफन दफन कर दिया। मोहल्लेवासियों ने सिविल लाइन थाने में महिला की हत्या करने का आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत की। परिजन की शिकायत पर यूपी की रामपुर पुलिस ने 26 जुलाई को कब्र खोदकर महिला का शव बाहर निकालकर पोस्टटमॉर्टम कराया था।

फिनाइल पिलाया गया

मृतका के भाई रागीब व मौलाना शमशाद रजा ने आरोप लगाया है उनकी बहन के साथ मारपीट करने के बाद फिनाइल पिला दिया गया था। यूपी में पीएम के दौरान वे डाक्टरों के साथ उपस्थित थे। डाक्टरों ने बताया था मुंह को एसिड से जलाया गया है। बहरहाल बिसरा रिपोर्ट से इसका खुलासा हो पाएगा।

यूपी से डायरी आने पर होगी कार्रवाई

मृतका के परिजन पीएम रिपोर्ट लेकर आए थे। उन्होंने बताया है पीएम रिपोर्ट में मारपीट करने की पुष्टि की गई है। यूपी रामपुर पुलिस से संपर्क कर पीएम रिपोर्ट की जानकारी ली गई है। उन्हें संपूर्ण रिपोर्ट भेजने कहा गया है। वहां से डायरी आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निमितेश सिंह परिहार, सीएसपी

छत्तीसगढ़ शासन

CSPDCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

सस्ती नहीं, मुफ्त बिजली की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

31 लाख परिवारों को मिल रहा हाफ बिजली बिल योजना का लाभ

15 लाख BPL परिवारों को 30 यूनिट फ्री + हाफ बिजली बिल योजना का लाभ

डबल सब्सिडी केंद्र के साथ मिल रही राज्य की भी सब्सिडी

हर महीने 200-360 यूनिट तक बिजली उत्पादन

बिजली बिल होगा शून्य बची बिजली से होगी कमाई

उपभोक्ता से बनें ऊर्जादाता

पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना

मासिक बिजली बिल से भी कम ई.एम.आई. में लगाएं रूफ टॉप सोलर प्लांट

सोलर प्लांट क्षमता	केंद्र सरकार की सब्सिडी	राज्य सरकार की सब्सिडी	कुल सहायता राशि	आसान मासिक EMI
1 kW	₹30,000	₹15,000	₹45,000	₹167
2 kW	₹60,000	₹30,000	₹90,000	₹333
3 kW	₹78,000	₹30,000	₹1,08,000	₹800

*बैंक द्वारा 6% ब्याज दर पर आसान किश्तों में 10 वर्षों के लिए ऋण सुविधा (ई.एम.आई.) उपलब्ध

हमारा संकल्प
हाफ बिजली से मुफ्त बिजली

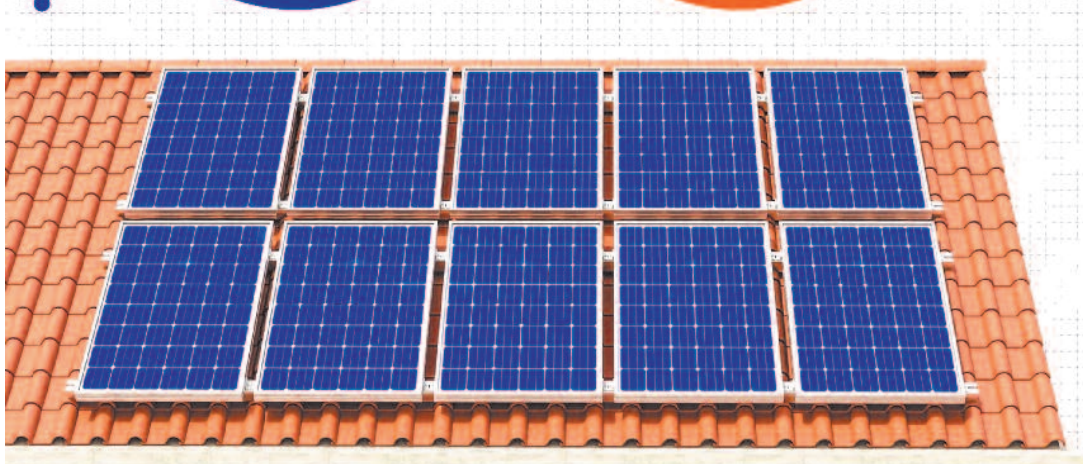

QR कोड स्कैन करें

आवेदन प्रक्रिया व अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए लिंक पर जाएं https://pmsuryaghar.gov.in/

मोर बिजली CSPDCL 1912 TOLL FREE

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

रायपुर
बुधवार, 6 अगस्त 2025
श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी
वर्ष : 24, अंक : 21
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 33.5
न्यून. 26.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे प्राइवेट स्कूल वाले, खुद मर्सिडीज में घूम रहे, पान दुकान वाला भी बिना मान्यता के नर्सरी स्कूल चला रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

खास खबर

- आरटीई के तहत गरीब बच्चों को प्रवेश नहीं देने और बिना मान्यता के स्कूल संचालन पर हाईकोर्ट की सख्ती
- राज्य सरकार और शिक्षा सचिव को 13 अगस्त तक शपथपत्र देने कहा, बच्चों को 5-5 लाख रुपए का मुआवजा

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने राइट टू एजुकेशन (आरटीई) अधिनियम के तहत गरीब बच्चों को प्रवेश नहीं देने और बिना मान्यता के स्कूलों के संचालन को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने शिक्षा विभाग से इस गंभीर लापरवाही पर जवाब मांगा है और पूछा है कि आखिर क्यों ऐसे स्कूल संचालकों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार और शिक्षा सचिव को निर्देशित किया कि वे 13 अगस्त तक शपथपत्र के माध्यम से स्पष्ट करें कि इस पूरे मामले में अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। कोर्ट ने यह भी कहा है कि शिक्षा के अधिकार के तहत 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य ⏭शेष पेज 7 पर

क्या हाईकोर्ट के डर से शिक्षा सचिव छुट्टी पर चले गए

हाईकोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि बड़े स्कूल वालों को बचाने के लिए कमेटी बनाते हैं और दो दिनों में शपथ पत्र दे देते हैं, गरीब बच्चों के लिए ऐसा नहीं किया जाता। मामले में चीफ जस्टिस ने 13 अगस्त को शिक्षा सचिव को नया शपथ पत्र देने के निर्देश ⏭शेष पेज 7 पर

कोर्ट ने की कड़ी टिप्पणियां

हाईकोर्ट ने तल्ख लहजे में टिप्पणी करते हुए कहा, कि "गली-गली में मर्सडीज में घूमने वाले लोग स्कूल खोल रहे हैं, जिनके पास न तो मान्यता है और न ही बुनियादी सुविधाएं। यह शिक्षा के अधिकार कानून की सीधी अवहेलना है।" कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में बच्चों को 5-5 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

हाईकोर्ट ने सरकार को फटकारा

हाईकोर्ट ने सरकार और शिक्षा सचिव को फटकार लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार 13 अगस्त तक शपथपत्र के साथ स्थिति स्पष्ट करे। इसमें उन स्कूलों की सूची प्रस्तुत की जाए जो बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इसके साथ ही यह भी बताया जाए कि अब तक इन स्कूलों के खिलाफ कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं और भविष्य में ऐसी गड़बड़ियों को रोकने के लिए सरकार की नीति और कार्ययोजना क्या होगी।

नर्सरी स्कूलों की मान्यता का प्रावधान नहीं

मंगलवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता विकास तिवारी की तरफ से एडवोकेट संदीप दुबे, मानस वाजपेयी और प्रगति कौशिक ने तर्क पेश किया। हाईकोर्ट ने 30 जून को लोक शिक्षण संचालनालय को व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। 11 जुलाई को शपथपत्र पेश कर बताया गया कि नर्सरी से केजी-2 तक संचालित स्कूलों को मान्यता लेना अनिवार्य नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता की तरफ से आपत्ति दर्ज करते हुए बताया कि, साल 2013 में राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार नर्सरी से केजी-2 तक की कक्षाएं संचालित करने वाले सभी गैर शासकीय स्कूलों को मान्यता प्राप्त करना अनिवार्य है।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय पैनल देखें
TATA PLAY पैनल नं. 1155 | airtel पैनल नं. 366

खबर संक्षेप

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल

चंडीगढ़। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के मामले में 20 साल कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम

रहीम सिंह 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद हरियाणा में रोहतक स्थित सुनारिया जेल से मंगलवार को बाहर आ गया। गुरमीत सिंह पैरोल के दौरान सिरसा स्थित अपने डेरा मुख्यालय में रहेगा।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आकर तेंदुए की मौत

कोलकाता। प.बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक तेंदुए की मौत हो गई है। मदारीहाट इलाके में हुई जब एशियन राजमार्ग पार करते समय एक तेज रफ्तार वाहन ने तेंदुए को टक्कर मार दी। सूचना मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारियों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और तेंदुए का शव बरामद किया। स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं।

नो फ्लाई लिस्ट में 48 हवाई यात्री

नई दिल्ली। सरकार ने राज्यसभा को सूचित किया कि इस वर्ष 30 जुलाई तक कुल 48 हवाई यात्रियों

को नो-फ्लाई लिस्ट में डाला गया है। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। अनुशासनहीन व्यवहार करने वाले यात्रियों पर उड़ान प्रतिबंध की अवधि तय की जाती है।

मोबाइल फोन बेचने के नाम पर करोड़ों की ठगी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-39 थाने में एक व्यक्ति ने एक कंपनी के 10 हजार मोबाइल फोन खरीदने के लिए हुए सौदे में दो लोगों पर उससे करोड़ों रुपए की ठगी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-39 थाने के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को गौरव वेद ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मोबाइल फोन की खरीद-फरोख्त का देश-विदेश में काम करता है।

कुलगाम में आतंकवाद विरोधी अभियान पांचवें दिन भी जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान मंगलवार को पांचवें दिन

भी जारी रहा तथा सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में शामिल आतंकवादियों पर अपना शिकंजा कस दिया है। अधिकारियों ने अखल इलाके में कड़ी घेराबंदी के बाद मंगलवार को कुछ ग्रामीणों को वहां से निकाला, जिन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत थी।

एनडीए की बैठक में 'हर हर महादेव' के नारों के बीच मोदी का सम्मान

पीएम मोदी ने कहा- विपक्ष सोच रहा होगा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग कर गलती की?

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एनडीए संसदीय दल की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान किया गया। 'हर हर महादेव' के नारों के बीच पीएम मोदी का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, विपक्ष सोच रहा होगा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग करके उसने कोई गलती की है?

- ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता पर अभिनंदन
- प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और शाह की प्रशंसा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधनके सांसदों को करीब एक साल बाद संबोधित किया। उन्होंने एक स्वाभाविक और जैविक गठबंधन के रूप में सामूहिक पहचान स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 1998 में राजग की स्थापना के बाद से इसकी यात्रा सफलताओं से भरी हुई है तथा इसमें और भी कई उपलब्धियां हैं। सांसदों को अपने संबोधन में पीएम ने कहा, संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करके विपक्ष ने गलती की। इसमें उनकी ही फजीहत हुई। विपक्ष अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर है। विपक्ष रोज ऐसी चर्चा कराए, हम इस फील्ड में माहिर हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'बिहार में वोटर्स लिस्ट रिविजन के मुद्दे पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। देश की जनता सब देख रही है। पीएम ने अमित शाह की भी तारीफ की और कहा कि वे अब सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले केंद्रीय गृह मंत्री हैं।

मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों के सदस्यों को सत्तारूढ़ गठबंधन के हिस्से के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी-अपनी ताकत से परे जाकर विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। राजग के संसदीय दल की पिछली बैठक दो जुलाई, 2024 को हुई थी। करीब एक साल के अंतराल पर मंगलवार को हुई राजग संसदीय दल की बैठक में मोदी को ⏭शेष पेज 7 पर

राहुल पर साधा निशाना : मोदी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। इससे एक दिन पहले ही पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को उच्चतम न्यायालय द्वारा इस दावे के लिए फटकार लगाई गई थी कि मौजूदा सरकार में चीन भारतीय भूमि पर अतिक्रमण कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी भारत की जमीन और सुरक्षा के बारे में बचकानी और निराधार टिप्पणियां करते हैं।

5 अगस्त को बताया ऐतिहासिक : मोदी ने कहा कि पांच अगस्त एक ऐतिहासिक दिन था, क्योंकि 2019 में इसी दिन पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष अधिकार देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया था। 2020 में इसी दिन अयोध्या में राम मंदिर का भूमि पूजन भी हुआ था। उन्होंने कहा कि राजग सरकार ने संविधान का सही अर्थों में पालन किया है।

मानसून सत्र के बाद एनडीए सांसदों की पहली बैठक

पीएम मोदी संसदीय दल की बैठक में नए सांसदों से भी मिले। बैठक में भाजपा और उसके सभी सहयोगी दलों के सभी सांसदों का शामिल होना अनिवार्य था। सांसदों को एनडीए सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर, '11 साल,11 बड़े फैसले' शीर्षक वाली किताब दी गई। 21 जुलाई से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान एनडीए सांसदों की यह पहली बैठक थी। वहीं, जून 2024 में केंद्र में तीसरी बार वापसी के बाद किसी संसद सत्र के दौरान एनडीए सांसदों की यह दूसरी बैठक थी।

पहलगाम में जान गंवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

राजग ने प्रस्ताव पास किया। इसमें 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तान से संबद्ध आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में जान गंवाने वाले 26 नागरिकों को श्रद्धांजलि दी। प्रस्ताव में मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा गया, राजग संसदीय दल इस कठिन समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदर्शित असाधारण नेतृत्व की सराहना करता है। उनके अटूट संकल्प, दूरदर्शी राजनेता और दृढ़ नेतृत्व ने न केवल राष्ट्र को उद्देश्यपूर्ण दिशा दी है, बल्कि सभी भारतीयों के दिलों में एकता और गौरव की नई भावना भी प्रज्ज्वलित की है। इसमें कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी ने यह सुनिश्चित किया कि विभिन्न दलों के 59 सांसद 32 देशों का दौरा करें और वहां भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करें। यह भारत द्वारा आतंकवाद से पीड़ित होने के बारे में बताने के लिए शुरू किया गया अब तक का सबसे व्यापक वैश्विक अभियान है। प्रस्ताव में कहा गया, यह घटनाक्रम वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय मान्यता को दर्शाता है। इसमें कहा गया कि पिछले 11 वर्षों में राजग सरकार विकसित भारत के निर्माण के लिए अथक प्रयास कर रही है, जो मजबूत, विकसित और शांतिपूर्ण हो, और आने वाले समय में ये प्रयास और भी अधिक जोश के साथ जारी रहेंगे।

नहीं रहे पूर्व राज्यपाल मलिक, दिल्ली में ली अंतिम सांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- आज होगा अंतिम संस्कार

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। मलिक के निजी स्टाफ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उनका अंतिम संस्कार बुधवार अपराह्न चार बजे लोदी रोड स्थित श्मशान घाट में होगा। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का अपराह्न एक बजकर 12 मिनट पर यहां आरएमएल अस्पताल में निधन हो गया। उनके स्टाफ ने बताया कि वह लंबे समय से अस्पताल की आईसीयू में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था।

जम्मू-कश्मीर 5 अगस्त को ही हुआ था विभाजित

जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। संयोग से, उन्होंने केंद्र के इस कदम के छह साल पूरे होने के दिन अंतिम सांस ली।

पांच दशक का राजनीतिक करियर

अनुभवी नेता सत्यपाल मलिक का पांच दशक लंबा राजनीतिक करियर कई राजनीतिक दलों से गुजरा और वह इस दौरान कई उच्च-स्तरीय संवैधानिक पदों पर भी रहे जिसके बाद वह उसी सत्ता प्रतिष्ठान के मुखर आलोचक बन गए जिसकी उन्होंने सेवा की थी। उन्होंने चार राज्यों - बिहार (2017), जम्मू और कश्मीर (2018), गोवा (2019) और मेघालय (2020) के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। लेकिन उनका सबसे प्रभावशाली कार्यकाल अगस्त 2018 में शुरू हुआ, जब उन्हें जम्मू और कश्मीर का राज्यपाल नियुक्त किया गया।

जांच, छापे और अब सवालों से सामना

17 हजार करोड़ की धोखाधड़ी अनिल ने ईडी से मांगा 10 दिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी से उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ करोड़ों रुपए की कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में करीब 10 घंटे तक पूछताछ की। सूत्रों ने बताया कि अंबानी ने प्रमुख वित्तीय निर्णयों से संबंधित कुछ दस्तावेज ईडी को सौंपने के लिए लगभग 10 दिन का समय भी मांगा है। अनिल अंबानी पूर्वाह्न करीब 10 बजकर 50 मिनट पर मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे और रात 9 बजे से कुछ पहले बाहर निकले। सूत्रों ने बताया कि ईडी अनिल अंबानी (66) का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज कर रहा है। उन्होंने बताया कि अंबानी से लगभग एक दर्जन सवाल पूछे गए। ऐसा माना जा रहा है कि अंबानी ने किसी भी गड़बड़ी से इंकार किया।

पहला आरोप 3000 करोड़ का

पहला आरोप 2017 और 2019 के बीच येस बैंक द्वारा अंबानी समूह की कंपनियों को दिए गए लगभग 3,000 करोड़ रुपए के 'अवैध' ऋण के गलत इस्तेमाल से संबंधित है। सूत्रों ने बताया कि ईडी को संदेह है कि ऋण दिए जाने से ठीक पहले येस बैंक के प्रवर्तकों ने अपनी कंपनियों में धन 'प्राप्त' किया था। एजेंसी 'रिश्वत' और ऋण के इस गठजोड़ की जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि ईडी इन कंपनियों को येस बैंक द्वारा ऋण स्वीकृतियों में 'घोर उल्लंघनों' के आरोपों की भी जांच कर रहा है, जिसमें बैंक की ऋण नीति का उल्लंघन करते हुए पिछली तारीख के ऋण अनुमोदन ज्ञापन और बिना किसी उचित जांच/ऋण विश्लेषण के प्रस्तावित निवेश जैसे आरोप शामिल हैं। कथित तौर पर इन ऋणों को संबंधित संस्थाओं द्वारा कई समूह कंपनियों और 'शेल' (मुखौटा) कंपनियों में भेजा गया।

जनता के धन के हेरफेर का आरोप

सूत्रों ने कहा कि ये रिपोर्ट संकेत देती हैं कि यह बैंकों, शेयरधारकों, निवेशकों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को धोखा देकर जनता के धन का हेरफेर करने या गबन करने की एक 'सुनियोजित और सोची-समझी साजिश' थी। सेबी की एक रिपोर्ट के आधार पर ईडी जिस दूसरे आरोप की जांच कर रही है, उसके अनुसार आर इंफ्रा ने सीएलई नामक एक कंपनी के माध्यम से रिलायंस समूह की कंपनियों में अंतर-कॉरपोरेट जमा (आईसीडी) के रूप में गुप्त धनराशि का हेरफेर किया। आरोप है कि आर इंफ्रा ने शेयरधारकों और ऑडिट समिति से अनुमोदन से बचने के लिए सीएलई को अपनी 'संबंधित पार्टी' के रूप में नहीं दर्शाया।

कांवड़ यात्रा की थी तैयारी

कुबेरेश्वर धाम में भगदड़ दो महिलाओं की मौत

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार को भीड़ बढ़ने के बाद हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 12 बजे हुई जब कांवड़ यात्रा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए थे। कुबेरेश्वर धाम प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है।

साल 2023 में भी मची थी भगदड़

कुबेरेश्वर धाम में भगदड़ का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 16 फरवरी साल 2023 में रुद्राक्ष वितरण के दौरान भगदड़ मची थी। तब एक महिला की मौत हो गई थी, जबकि 4 लोग लापता हुए थे। इसके बाद दूसरे दिन 17 फरवरी को एक 3 साल के बच्चे की मौत हो गई थी।

पत्नी और बेटे के हत्यारे को दोहरा आजीवन कारावास

- अंतिम संस्कार में नहीं पहुंचा, हाईकोर्ट ने इसे हत्या का साक्ष्य माना
- अनुपस्थिति का स्पष्टीकरण नहीं दे पाया, सजा के खिलाफ अपील खारिज

बिलासपुर। आर्थिक परेशानी के कारण पत्नी व 8 वर्ष के बेटे की निर्मम हत्या कर घर में ताला लगाकर आरोपी भाग गया। वह दोनों के अंतिम संस्कार में भी उपस्थित नहीं हुआ। इसे हाईकोर्ट ने हत्या का साक्ष्य माना व आरोपी को दोहरे हत्याकांड में सजा सुनाई। हाईकोर्ट ⏭शेष पेज 7 पर

बयानों में महत्वपूर्ण चूक और विरोधाभास

अभियोजन पक्ष के गवाहों के बयानों में महत्वपूर्ण चूक और विरोधाभास हैं। प्रत्यक्षवादी के अनुसार, अपराध स्थल से एक पत्र जब्त किया गया था जिसमें आरोपी ने वित्तीय कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए खुद ⏭शेष पेज 7 पर

अचानक बेहोश होकर गिरा

डीजे पर नाचते वक्त युवक को आया हार्ट अटैक, मौत

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर शहर में एक जयंती जुलूस के दौरान डीजे पर नाच रहे युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय अभिषेक बिराजदार के रूप में हुई है। यह घटना शहर के फौजदार चावड़ी थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार अभिषेक अपने दोस्तों के साथ डीजे पर नाच रहा था। कुछ देर तक तेज आवाज में बज रहे डीजे पर जोश में नाचने के बाद वह एक कोने में जाकर खड़ा हो गया।

तेज आवाज वाले डीजे पर फिर सवाल

इस हादसे के बाद तेज आवाज वाले डीजे पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। पहले से ही डीजे पर समय और ध्वनि सीमा को लेकर पाबंदियां हैं, लेकिन कई समारोहों में इन नियमों की खुलेआम अनदेखी होती है। अब अभिषेक की मौत ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है।

भारत-रूस की दोस्ती से चिढ़े अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर दी धमकी

24 घंटे में भारत पर शुल्क में करेंगे भारी बढ़ोतरी: ट्रंप

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में इस दक्षिण एशियाई देश पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे। ट्रंप ने 'सीएनबीसी स्क्वॉक बॉक्स' को दिए साक्षात्कार में कहा, भारत के बारे में लोग जो कहना पसंद नहीं करते, वह यह है कि वह सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश है। उसका शुल्क किसी भी देश से ज्यादा है। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। उन्होंने कहा, भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है। वह ⏭शेष पेज 7 पर

टैरिफ धमकी पर घर में ही घिरे ट्रंप

अमेरिका की पूर्व राजदूत और साउथ कैरोलाइना की गवर्नर रह चुकीं रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने ट्रंप के इस कदम को आड़े हाथों लिया। उन्होंने राष्ट्रपति को भारत के साथ रिश्ते ना बिगाड़ने की सलाह दी। कहा कि चीन और भारत के साथ एक जैसा बर्ताव नहीं करना चाहिए। भारतीय मूल की नेता निक्की हेली ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, लेकिन चीन, जो हमारा दुश्मन ⏭शेष पेज 7 पर

रूस ने ट्रंप की धमकी पर क्या कहा?

रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, हम कई ऐसे बयान सुनते हैं जो सच कहें तो धमकियां हैं। ऐसी धमकियां देशों को रूस के साथ व्यापार संबंध समाप्त करने के लिए मजबूर करने की कोशिश हैं। हम ऐसे बयानों को वैध नहीं मानते हैं। संप्रभु देशों को अपने ट्रेड पार्टनर्स, व्यापार और आर्थिक सहयोग के लिए पार्टनर्स को चुनने का अधिकार होना चाहिए।

अमेरिका में प्रवेश के लिए देना होगा 15,000 डॉलर का बांड

न्यूयॉर्क। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक प्रायोगिक कार्यक्रम लागू कर रहा है, जिसके तहत पर्यटक या व्यावसायिक वीजा पर अमेरिका आने वाले विदेशी आगंतुकों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का 'बांड' भरना पड़ेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपनी वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी देश में न रुकें। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक 'अस्थायी अंतिम नियम' जारी किया है, जिसके तहत 12 महीने का वीजा बांड प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। व्यवसाय या पर्यटन के वास्ते अमेरिका आने के लिए बी-1/बी-2 वीजा का आवेदन करने वाले विदेशियों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ सकता है।

गृहमंत्री के रूप में 2,258 दिन पूरे, शाह ने बनाया रिकॉर्ड

आडवाणी, सरदार पटेल और गोविंद बल्लभ पंत को छोड़ा पीछे

शाह 23 मई 2019 को बने थे देश के गृह मंत्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के मौजूदा गृह मंत्री अमित शाह ने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी तारीफ की है। अमित शाह का ये रिकॉर्ड इतना खास है कि देश के पूर्व गृह मंत्री रहे लाल कृष्ण आडवाणी, सरदार वल्लभ भाई पटेल और गोविंद बल्लभ पंत भी पीछे छूट गए। दरअसल अमित शाह को देश के गृह मंत्री के तौर पर कार्य करते हुए सबसे ज्यादा दिन काम करने का मौका मिला है। उन्होंने गृहमंत्री के रूप में 2,258 दिन पूरे कर लिए हैं। दरअसल 5 अगस्त मंगलवार को एनडीए गठबंधन की संसदीय दल की बैठक हो रही थी। उसी दौरान पीएम मोदी ने अमित शाह की तारीफ करते हुए इस बात की जानकारी दी। शाह 23 मई 2019 को देश के गृह मंत्री बने थे। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में देश के गृह मंत्री रहे लाल कृष्ण आडवाणी 2,256 दिन अपने पद पर रहे। जबकि देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 1,218 दिन तक इस पद पर कार्य किया।

कई महत्वपूर्ण विधेयकों को कराया था पास

प्रधानमंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल के समय से देश के गृह मंत्री बने शाह ने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। जिसमें 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 की समाप्ति की घोषणा सबसे प्रमुख मानी जाती है। इसके साथ ही इसी कार्यकाल में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पारित हुआ और यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) शुरुआत हुई। देश के पूर्व गृह मंत्री गोविंद बल्लभ पंत 6 साल 56 दिन तक ने कार्यभार संभाला।

यह उपलब्धियां भी उल्लेखनीय हैं शाह की

गृह मंत्री बनने से पहले वो भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने काम किया। साल 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जब राजनाथ सिंह पार्टी देश के गृह मंत्री बने तो अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे। उससे पहले नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान शाह लंबे समय तक राज्य के गृह समेत कई मंत्रालयों के मंत्री रहे।

कई अहम फैसले

संसद के चल रहे मानसून सत्र में गतिरोध के बीच सत्तारूढ़ एनडीए के नेताओं की आज संसद पुस्तकालय भवन (पीएलबी) में अहम बैठक हुई। गृह मंत्री अमित शाह के कार्यकाल का यह महत्वपूर्ण पड़ाव 5 अगस्त को आया, जिस दिन उन्होंने 2019 में संसद में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की घोषणा की थी, जिससे जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हो गया था। इसके साथ ही अमित शाह ने अपने कार्यकाल में कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई। उनके बयान और विपक्ष को करारा जवाब भी उनकी उपलब्धियों में शामिल है।

'संविधान का सही अर्थों में किया पालन'

मंगलवार को प्रधानमंत्री ने एनडीए सांसदों के साथ बैठक में गृह मंत्री अमित शाह की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि वह अब सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले केंद्रीय गृह मंत्री बन गए हैं। पीएम ने भाषण में कहा कि पांच अगस्त एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि इसी दिन पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष अधिकार देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया था। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने संविधान का सही अर्थों में पालन किया है। खास बात है कि मंगलवार को भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सरकार ने जून 2024 में सरकार बनने के बाद से संसद के सत्रों के दौरान इस तरह की यह दूसरी बैठक की है।

खबर संक्षेप

आईआरसीटीसी घोटाला मामले में फैसला टला

नई दिल्ली। देश के चर्चित आईआरसीटीसी घोटाले का फैसला अब 7 अगस्त तक टल गया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आज की सुनवाई में फैसला सुनाने के लिए 07 अगस्त की अगली तारीख मुकर्रर की है। कोर्ट ने 29 मई को इस फैसला सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि इस मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, उनकी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और छोटे बेटे तेजस्वी यादव समेत 5 लोग आरोपी हैं।

वायुसेना-नौसेना ने ब्रह्मोस मिसाइलों का दिया बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइलों ने अहम भूमिका निभाई थी। अब खबर आई है कि भारतीय वायुसेना और नौसेना ने ब्रह्मोस मिसाइलों का एक बड़ा ऑर्डर देने जा रही हैं। ब्रह्मोस मिसाइलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभाई थी और पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचाया था। एक शीर्ष रक्षा विशेषज्ञ ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि रक्षा मंत्रालय की एक उच्च स्तरीय बैठक जल्द होगी, जिसमें बड़ी संख्या में ब्रह्मोस मिसाइलों के अधिग्रहण को मंजूरी दी जाएगी।

गोवा विधानसभा में एसटी को मिलेगा आरक्षण, बिल पास

नई दिल्ली। लोकसभा ने मंगलवार को गोवा विधानसभा में अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को आरक्षण देने वाला बिल पास कर दिया। इस दौरान विपक्ष बिहार में मतदाता सूची संशोधन पर चर्चा की मांग को लेकर विरोध करता रहा। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गोवा राज्य की विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक, 2025 को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। हंगामे के बीच यह बिल ध्वनिमत से पास हो गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बचाव में आईं उनकी बहन प्रियंका

सुप्रीम कोर्ट नहीं तय करेगा, कौन सच्चा भारतीय? सरकार से सवाल पूछना ही नेता विपक्ष की ड्यूटी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपने भाई और नेता विपक्ष राहुल गांधी का बचाव करते हुए दो टूक कहा है कि कौन सच्चा भारतीय है? यह सुप्रीम कोर्ट तय नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सरकार से सवाल पूछना राहुल गांधी की ड्यूटी है क्योंकि वह लोकसभा में नेता विपक्ष हैं। प्रियंका गांधी का यह बयान सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें अदालत ने कहा था कि कोई भी सच्चा भारतीय ऐसी बातें नहीं कर सकता। प्रियंका ने कहा, न्यायाधीशों के प्रति पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूं कि वो यह तय नहीं कर सकते कि सच्चा भारतीय कौन है? सरकार से सवाल पूछना विपक्ष के नेता का कर्तव्य है। मेरा भाई कभी भी सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, वह उनके प्रति उच्च सम्मान रखता है। इसका गलत मतलब निकाला गया है।'

खास बातें

- चीन द्वारा भारत की जमीन हड़पने का किया था दावा
- भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिया था बयान

यह थी सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी?

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना करते हुए कहा था, ''अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे।'हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस मामले में लखनऊ की एक अदालत में गांधी के खिलाफ जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, ''आप विपक्ष के नेता हैं। आप संसद में बातें क्यों नहीं कहते हैं, आप सोशल मीडिया पर क्यों कहते हैं?' पीठ ने पूछा था, ''आपको कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीनियों ने कब्जा कर ली है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है?' पीठ ने पूछा, ''बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।'

पीएम मोदी ने इसे बताया सबसे बड़ी फटकार

वहीं दूसरी तरफ मंगलवार को एनडीए की बैठक में पीएम मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के राहुल गांधी को दिए हुए बयान का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट की इससे बड़ी फटकार हो ही नहीं सकती।

यह है मामला

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिसंबर 2022 में राहुल गांधी ने एक विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि, लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में पूछेंगे, लेकिन चीन ने 2000 वर्ग किमी भारतीय जमीन पर कब्जा कर लिया है, 20 भारतीय सैनिक मार गिराए है और हमारे सैनिकों को अरुणाचल में पीटा जा रहा है, इसके बारे में कोई बात नहीं करेगा। राहुल के इस बयान को लेकर यूपी के रहने वाले उदय शंकर श्रीवास्तव ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और एक निचली अदालत ने राहुल के खिलाफ समन जारी किया था। इस समन को लेकर राहुल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी जिसकी सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह बात कही।

क्या विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते?

गांधी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अगर विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। उन्होंने दलील देते हुए कहा, 'अगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते।' इस पर शीर्ष अदालत ने कहा, 'जब सीमा पार संघर्ष होता है, तो क्या दोनों पक्षों में हताहत होना असामान्य बात है?' सिंघवी ने कहा कि गांधी केवल उचित खुलासे और सूचना के दमन पर चिंता जताने की बात कर रहे थे। यह शिकायत याचिकाकर्ता को परेशान करने के प्रयास के अलावा और कुछ नहीं है।

बिहार में अंतिम चरण में 'एसआईआर' का काम

पश्चिम बंगाल में भी वोटर वेरिफिकेशन का आदेश जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में वोटर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इस बारे में सूचित किया है और राज्य के निर्वाचन अधिकारियों से मतदाता सूची के वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। बता दें कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम अपने अंतिम चरण में है। एसआईआर प्रक्रिया के तहत राज्य में 1 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी गई। इस प्रक्रिया के बाद बिहार में करीब 65 लाख मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटेंगे। इनमें ज्यादातर वे मतदाता हैं, जो अब इस दुनिया में नहीं रहे। बाकी ऐसे वोटर हैं जो स्थायी रूप से किसी दूसरे राज्य में स्थानांतरित हो चुके हैं। कुछ ऐसे मतदाता भी हैं, जिनके नाम एक से ज्यादा निर्वाचन क्षेत्रों में दर्ज था। हालांकि, विपक्ष चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध कर रहा है और इसे बीजेपी के इशारे पर वोटों की चोरी करार दे रहा है।

बंगाल के दो ईआरओ-एईआरओ निलंबित

डेटा सुरक्षा नीति का उल्लंघन करने पर चुनाव आयोग ने बड़ी कार्रवाई की है। चुनाव आयोग ने ईआर डाटाबेस के लॉगिन क्रेडेंशियल साझा करने पर पश्चिम बंगाल के दो ईआरओ (निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) और दो एईआरओ (सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) को निलंबित कर दिया है। आयोग ने दोनों अफसरों को गंभीर चूक करने, अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहने और अनाधिकृत व्यक्तियों के साथ ईआर डाटाबेस के अपने लॉगिन क्रेडेंशियल साझा करने का दोषी माना है।

बिहार : एक भी आपत्ति या सुझाव नहीं

बिहार में विशेष मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) का पहला चरण पूरा हो चुका है। आयोग के सूत्रों का दावा है राजनीतिक दलों की ओर से एक भी आपत्ति दर्ज या सुझाव नहीं मिला है। दूसरी ओर आम वोटरों ने मतदाता सूची को दुरुस्त करने में सक्रियता दिखाई और 1,927 मामले निर्वाचन आयोग के समक्ष दाखिल किए। ये मामले योग्य मतदाताओं को सूची में शामिल करने और अयोग्य मतदाताओं को हटाने से संबंधित हैं। जबकि 10,977 आवेदन फॉर्म-6 के तहत नए वोटर जोड़ने, हटाने और अन्य घोषणा पत्र से जुड़े हैं।

तख्तापलट की साजिश का आरोप

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति को किया गया हाउस अरेस्ट, अमेरिका ने की निंदा

एजेंसी ▶▶ ब्राजीलिया

ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूर्व राष्ट्रपति जैयर बोलसोनारो के लिए हाउस अरेस्ट का आदेश जारी कर दिया है। उन पर गंभीर आरोप लगा है। 'द गार्जियन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक बोलसोनारो पर देश में तख्तापलट की साजिश का आरोप लगा है। अमेरिका ने सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश की निंदा की है। अहम बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश ऐसे वक्त में आया है जब अमेरिका और ब्राजील के बीच ट्रेड वॉर तेज हो गई है। जस्टिस एलेक्जेंडर डी मोरेस ने अपने आदेश के जरिए कहा कि बोलसोनारो ने पिछले महीने सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन किया है, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक एंकल टैग पहनने का भी आदेश दिया गया था। उन्होंने अपने तीन सांसद बेटों के सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए कंटेंट पोस्ट किया था, जो कि नियमों के खिलाफ था। रविवार (3 अगस्त) को बोलसोनारो ने रियो डी जेनेरियो में अपने समर्थकों को संबोधित किया था।

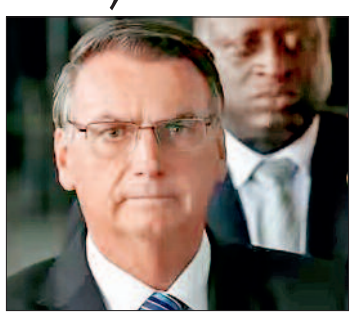

इलेक्ट्रॉनिक एंकल मॉनिटर ने बढ़ाई मुश्किल : सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो को इलेक्ट्रॉनिक एंकल मॉनिटर पहनना होगा। उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। बोलसोनारो के साथ-साथ उनके 33 सहयोगियों पर भी सरकार की नजर बनी हुई है। उन पर लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा है।

कहां नजरबंद रहेंगे बोलसोनारो

हाउस अरेस्ट के आदेश के बाद ब्राजील की फेडरल पुलिस के एक स्टाफर ने बताया कि एजेंट्स बोलसोनारो के ब्रासीलिया स्थित घर पहुंच गए। उन्होंने बोलसोनारो का मोबाइल जब्त कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई है। वे अब ब्रासीलिया में ही नजरबंद रहेंगे। उन्हें कहीं आने-जाने की इजाजत नहीं होगी। अहम बात यह भी है कि इस मामले पर अमेरिका की भी नजर है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अपने एक बयान में न्यायाधीश के फैसले की निंदा की है।

बारिश से हलाकान लोग...

वाराणसी। यूपी स्थित धार्मिक नगरी वाराणसी में मंगलवार को भारी बारिश के बाद जलमग्न सड़क से गुजरते लोग। प्रयागराज, कानपुर सहित पूरे उत्तर प्रदेश में जमकर बारिश हो रही है। लोगों का जीना मुहाल हो गया है।

7 पुलिसकर्मी सस्पेंड, मिली 'लापरवाही' की सजा

लाल किले में हुई मॉक ड्रिल में नहीं पकड़ पाए 'डमी बम'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस की सुरक्षा से जुड़ी दिल्ली से बड़ी खबर आई है। दिल्ली के लाल किले की सुरक्षा में तैनात एक हेड कांस्टेबल समेत 7 पुलिसकर्मियों को लापरवाही बरतने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि लाल किले में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाला कार्यक्रम को लेकर हर रोज पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मॉक ड्रिल करती है। शनिवार को भी एक ड्रिल की गई। इसमें दिल्ली पुलिस स्पेशल स्टाफ की एक टीम सिविल ड्रेस में डमी बम के साथ लाल किला परिसर में दाखिल हुई। लेकिन लाल किले की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी बम का पता नहीं लगा सके जिसके बाद सुरक्षा में तैनात सभी 7 पुलिसवालों को सस्पेंड कर दिया गया।

सुरक्षा में मानी गई बड़ी चूक

स्पेशल सेल की एक टीम शनिवार को सादे कपड़ों में डमी बम के साथ लाल किले परिसर में दाखिल हुई। उस समय, सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी बम का पता नहीं लगा सके, इसलिए उन पर एक्शन हुआ है। लाल किले की सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक का मामला होने से सात पुलिसकर्मी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। साथ ही बाकी जवानों को डीसीपी राजा बांठिया ने सख्त हिदायत दी।

बम मिलने पर स्निफर डॉग्स हिलाएंगे पूंछ

इस बार दिल्ली पुलिस डॉग स्क्वॉड ने स्वतंत्रता दिवस के लिए स्निफर डॉग्स को खास ट्रेनिंग दी है। डॉग स्क्वॉड के प्रभारी सब-इंस्पेक्टर जितेंद्र डोगरा ने बताया कि कुत्तों को अब विस्फोटकों का पता चलने पर चुपचाप प्रतिक्रिया करने, जैसे अपनी पूंछ हिलाना या अपने हैंडलर की ओर देखने के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। क्योंकि कुछ खास तरह के विस्फोटक भौंकने की तेज आवाज से भी एक्टिव हो सकते हैं।

12 वीं बार देश को संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

15 अगस्त को परंपरा के मुताबिक भारत के प्रधानमंत्री दिल्ली के लाल किले पर तिरंगा फहराते हैं। और राष्ट्र को संबोधित करते हैं। यह लगातार 12वां मौका होगा। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही वे पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे प्रधानमंत्री बनेंगे। इस बार पीएम मोदी ने अपने भाषण के लिए लोगों से सुझाव मांगे हैं।

राउत ने किया ऐलान

'उद्धव-राज मिलकर लड़ेंगे आगामी स्थानीय चुनाव'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मंगलवार को घोषणा की कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) जरूर मिलकर महाराष्ट्र में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव लड़ेंगे। कई महीनों की अटकलों के बाद चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे जुलाई में फिर एक मंच पर आए। दोनों नेता महाराष्ट्र सरकार की पहली से पांचवीं कक्षा के छात्रों के लिए तीन-भाषा की नीति और कथित तौर पर हिंदी भाषा थोपे जाने के खिलाफ एक साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके बाद जब सरकार ने अपना फैसला वापस लिया, तब दोनों नेताओं ने एक साझा विजय रैली का भी आयोजन किया था। नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब राउत से पूछा गया कि क्या शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की मनसे मिलकर आगामी स्थानीय चुनाव लड़ेंगी, तो उन्होंने कहा, 'जरूर।' उन्होंने आगे कहा, 'दोनों ठाकरे एक साथ बैठकर इस पर चर्चा करेंगे।'

ये हॉरर फिल्म अकेले देख ली तो कांप उठेगा कलेजा

नई दिल्ली। अगर आप हॉरर फिल्मों के शौकीन हैं तो आपको 18 साल पुरानी यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। यह फिल्म आपको डर की दुनिया ऐसी सैर कराएगी कि आपको हॉरर फिल्मों की दुनिया का नया एक्सपीरियंस मिलेगा। यह फिल्म इतनी डरावनी है कि आप अपने आजू-बाजू देखने से भी डरने लगेंगे। इस फिल्म की हॉररनेस का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं, इसकी कहानी कुछ ऐसी है कि इसमें 30 दिनों तक सूरज नहीं निकलता है और लोग पूरे एक महीने अंधेरे और डर के साए में अपनी जिंदगी की भीख मांग रहे होते हैं। इस फिल्म में रात के इस लंबे अंधेरे में कुछ ऐसे शैतान उतर आते हैं, जिन्हें आदमखोर कहें तो गलत नहीं होगा।

क्या है फिल्म की कहानी?

वहीं, वैंपायर्स के सरदार का रोल डैनी हस्टन ने किया है, जिसकी एक्टिंग देखने के बाद किसी का भी पसीना छूट जाएगा। फिल्म का हर किरदार दर्शकों को डराने का काम करता है। फिल्म की कहानी पर नजर डाले तो यह अलास्का के बैरो नाम शहर की है, जो पूरी तरह बर्फ से ढका है। जैसे ही इस शहर पर रात का अंधेरा छाता है, वैंपायर्स एक्टिव हो जाते हैं और तबाही मचाना शुरू कर देते हैं। इस शहर का अन्य शहर से संपर्क टूट जाता है और यहां बसे लोग एक-एक कर अपनी जान गंवा देते हैं।

कौन सी डरावनी फिल्म है ये? : इस फिल्म की कहानी रात होने के बाद शुरू होती है और 30 दिन सवेरा होने के बाद खत्म। इसलिए इस फिल्म का नाम, '30 डेज ऑफ डार्क नाइट' है। फिल्म के नाम से पता चलता है कि इसकी कहानी रात के काले अंधेरे पर बेस्ड है, जहां सूरज का तीस दिनों तक कोई अता-पता नहीं है। फिल्म कहानी में एक शेरिफ और उसकी पत्नी है, जो इन पिशाचों से मुकाबला करते हैं, जो रात के योद्धा हैं। पिशाचों के खिलाफ इस लड़ाई में इस महिला का पति अपनी जान गंवा बैठता है। फिल्म में जोश हार्टनेट और मेलिसा जॉर्ज ने पति-पत्नी का रोल प्ले किया है।

3 साल तक सिनेमाघरों में छाई रही ये फिल्म

80 साल बाद शोले ने तोड़ा था रिकॉर्ड

नई दिल्ली। बॉलीवुड के जुबली स्टार की बात करें, तो जो नाम जुबान पर सबसे पहले आता है, वो नाम है राजेंद्र कुमार का। उनकी फिल्मों के लिए कहा जाता था कि वो जो भी करते थे, वो सिल्वर जुबली जरूर मनाती थी। सिर्फ हीरो ही नहीं, हिंदी फिल्म के इतिहास में एक एक्ट्रेस भी ऐसी रही हैं, जो जुबली गर्ल के नाम से जानी गईं। उनकी फिल्मों ने जो इतिहास रचा उसे बॉक्स ऑफिस पर तोड़ने में बॉलीवुड को पूरे अस्सी साल तक इंतजार करना पड़ा। इस एक्ट्रेस का नाम था मुमताज शांति, जिन्होंने अपने फिल्मी कॅरियर में एक से बढ़कर एक फिल्म में काम किया।

देश की पहली जुबली गर्ल : ये बात बंटवारे के दौर से भी पहले की है, जब हिंदी फिल्मों में एक एक्ट्रेस हुआ करती थीं मुमताज शांति। उन्हें जुबली गर्ल का नाम दिया गया था। बात चालीस के दशक के आसपास की होगी, जब मुमताज शांति की खूबसूरती और एक्टिंग का कोई मुकाबला नहीं था। मुमताज शांति ने पंजाबी फिल्मों से इंड्स्ट्री में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म थी सोहनी कुमारन। उनकी दूसरी पंजाबी फिल्म थी मंगती, जो 1942 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने डायमंड जुबली मनाई थी। इसके बाद मुमताज शांति का नाम पंजाबी फिल्मों की सुपरस्टार के तौर पर लिया जाने लगा था। पंजाबी फिल्मों में नाम कमाने के बाद मुमताज शांति ने हिंदी फिल्मों का रुख किया।

पहली हिंदी फिल्म बसंत रही जुबली हिट

मुमताज शांति की पहली हिंदी फिल्म थी बसंत. ये फिल्म भी जुबली हिट रही थी। इस फिल्म में मधुबाला भी नजर आईं थीं। ये फिल्म करीब 76 हफ्ते तक थियेटर्स में रही थी। साल 1943 में वो अशोक कुमार के साथ किस्मत फिल्म में नजर आईं। इस फिल्म को देश की पहली ब्लॉकबस्टर मूवी माना जाता है, जिसने उस दौर में एक लाख के बजट में एक करोड़ की कमाई की थी। ये फिल्म लगातार तीन साल सिनेमा हॉल में लगी रही। 80 साल बाद ये रिकॉर्ड फिल्म शोले ने तोड़ा था।

तलाक के बाद मृणाल को कर रहे डेट

मुंबई। एक्टर धनुष का पत्नी ऐश्वर्या रजनीकांत से अप्रैल 2024 में तलाक हो गया था। हालांकि, कुछ महीने पहले दोनों बड़े बेटे यत्र के स्कूल की ग्रेजुएशन सेरिमनी में साथ दिखे थे। धनुष और ऐश्वर्या अपनी-अपनी जिंदगी में बिजी हैं, पर बच्चों के लिए साथ आ जाते हैं। इसी बीच खबरें हैं कि धनुष एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर को डेट कर रहे हैं। दोनों को कई इवेंट्स में साथ में स्पॉट किया गया, जिसके बाद उनकी डेटिंग की अफवाहें शुरू हो गईं। एक्टर धनुष हाल ही मृणाल ठाकुर की बर्थडे पार्टी में शामिल हुए थे, और अब उस पार्टी का अंदर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें धनुष ने मृणाल ठाकुर का हाथ पकड़ा हुआ है और बात कर रहे हैं। इसी वीडियो को देख फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

रहस्य, रोमांच, प्यार और अपराध की दुनिया का लगने वाला है मजेदार मजमा

इस हफ्ते ओटीटी पर ये नई वेब सीरीज और फिल्में होंगी रिलीज

नई दिल्ली। *नया हफ्ता, नई उम्मीदें, नया रोमांच। सिनेमाघरों में इस शुक्रवार, 8 अगस्त को अंदाज 2 रिलीज हो रही है। फिल्म को लेकर बहुत ज्यादा बज नहीं है। लेकिन ओटीटी के पिटारे में इस हफ्ते एक के बाद एक ऐसी नई सीरीज और फिल्में हैं, जो आपके वीकेंड का मजा कई गुना बढ़ा सकती हैं। अगले सात दिनों में ओटीटी पर रहस्य, रोमांच, प्यार और अपराध की दुनिया का मजेदार मजमा लगने वाला है। मौनी रॉय और नवीन कस्तूरिया की जासूसी वेब सीरीज सलाकार जहां अतीत से वर्तमान तक, राष्ट्रीय सुरक्षा के रोमांच को बढ़ाने वाली है, वहीं नेटफ्लिक्स की रिकॉर्ड तोड़ सीरीज 'वेडनेसडे' के सीजन 2 का पार्ट 1 भी रिलीज होने वाला है। 'मिकी 17' में जहां रॉबर्ट पैटिंसन दिल लूटने आ रहे हैं, वहीं मायासभा, मामन और अरबिया कदली जैसी साउथ की फिल्में और सीरीज भी आ रही हैं।*

सलाकार : सलाकार वेब सीरीज की कहानी साल 1978 और साल 2025 के दो टाइमलाइन में चलती है। यह एक जासूसी थ्रिलर सीरीज है, जिसमें एस्पिरेंटस फेम नीन कस्तूरिया ने अधीर का किरदार निभाया है। वह एक सीक्रेट एजेंट है, जिसने शीत युद्ध के दौरान पाकिस्तान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को असफल बनाने में देश की मदद की थी। अधीर अब भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के पद पर है। देश की सुरक्षा पर फिर से खतरा मंडरा रहा है। राजनीति में तनाव बढ़ रहा है। ऐसे में अधीर को अपने अतीत के अनसुलझे खतरों का भी सामना करना होगा। इस सीरीज में मौनी रॉय, मुकेश ऋषि, अश्वथ भट्ट, पूर्णेंदु भट्टाचार्य और सूर्या शर्मा भी हैं। सलाकार वेब सीरीज ओटीटी पर शुक्रवार, 8 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

मायासभा : मायासभा मूल रूप से तेलुगू में बनी पॉलिटिकल-ड्रामा सीरीज है। कहानी 1990 के दशक के आंध्र प्रदेश की अशांत राजनीति की है। यह कॉलेज के

दो आदर्शवादी दोस्तों, ककरला कृष्णमा नायडू (आधि पिनिसेट्टी) और एमएस रामी रेड्डी (चैतन्य राव) की कहानी कहती है। दोनों राजनीति को बदलने का साझा सपना देखते हैं। लेकिन, इस राह में महत्वाकांक्षा की लड़ाई, विश्वासघात और विचारधाराओं का टकराव है। जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते हैं, राजनीतिक दिग्गज बनते हैं, उनकी दोस्ती सत्ता संघर्ष, गुपचुप समझौतों और एक भयंकर प्रतिद्वंद्विता में बदल जाती है। उनकी दुनिया में तब और उथल-पुथल मच जाती है, जब कहानी में एक करिश्माई फिल्म स्टार की एंट्री होती है। वह अब राजनेता बन जाता है। इस सीरीज में दिव्या दत्ता, साई कुमार, नासर, रवींद्र विजय, श्रीकांत अयंगर, शत्रु और ताान्या रविचंद्रन भी हैं। 'मायासभा' वेब सीरीज ओटीटी पर गुरुवार, 7 अगस्त को रिलीज हो रही है।

अरबिया कदली : अरबिया कदली एक तेलुगू सर्वाइवल ड्रामा वेब सीरीज है। यह समंदर किनारे बसने वाले दो गांव और उनके गांव वालों की कहानी है। ये गांव मछुआरों का है। दोनों गांव में हमेशा से एक-दूसरे को लेकर जबरदस्त कंपीटिशन रहा है। मछुआरों के एक ग्रुप गलती से अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में पहुंच जाता है। उन्हें एक विदेशी जमीन पर कैद कर लिया जाता है। बद्धी और उसके साथी मछुआरे खतरनाक समुद्र, कैद और अन्याय से जूझते हैं। इधर, इस कहानी के साथ ही एक और कहानी चलती है, जहां गंगा (आनंदी) साहस और दृढ़ विश्वास के साथ सिस्टम को चुनौती देती है। वह शोषण और उत्पीड़न के खिलाफ मिसाल बनकर उभरती है। सीरीज में सत्य देव और आनंदी लीड रोल में हैं। जबकि साथ में नासर, रघु बाबू, दलीप ताहिल, पूनम बाजवा और हर्ष रोशन भी हैं। अरबिया कदली वेब सीरीज शुक्रवार, 8 अगस्त को रिलीज होगी।

मामन : मामन एक तमिल फैमिली ड्रामा फिल्म है। यह मई के महीने में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। कहानी त्रिची में रहने वाले मामन इनबा (सूरी) के इर्द-गिर्द घूमती है। कहानी में चाचा-भतीजा हैं। मामन को अपनी बहन गिरिजा के बेटे लड्डू से बहुत प्यार है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब लड्डू की शादी डॉक्टर रेखा (ऐश्वर्या लक्ष्मी) से होती है। यह दिल को छू लेने वाली कहानी जल्द ही तनाव और पारिवारिक संघर्ष में बदल जाती है, क्योंकि लड्डू का बेमेल प्यार इनबा और रेखा के रिश्ते में दरार डाल देता है।

pfrda | nps national pension system #ZaruriHai

पेंशन निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में शामिल होने हेतु अनुमोदित सेवानिवृत्ति निधि के सदस्यों को सूचना

पेंशन निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) एक वैधानिक प्राधिकरण है जिसकी स्थापना पीएफआरडीए अधिनियम, 2013 के तहत की गई थी। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) सहित उक्त अधिनियम के तहत विनियमित पेंशन योजनाओं के माध्यम से वृद्धावस्था आय सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

एनपीएस एक परिभाषित अंशदायी पेंशन योजना है और इसे शुरू में 2004 में केंद्र सरकार, केंद्रीय स्वायत्त निकायों, राज्य सरकारों, राज्य स्वायत्त निकायों के कर्मचारियों के लिए शुरू किया गया था। बाद में इस योजना का विस्तार स्वैच्छिक आधार पर कॉर्पोरेट कर्मचारियों और भारतीय नागरिकों तक भी किया गया।

आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधान एनपीएस के तहत विभिन्न कर लाभ प्रदान करते हैं। सेवानिवृत्ति पर, यह संचित पेंशन राशि का 60% तक कर-मुक्त एकमुश्त राशि के रूप में निकालने की अनुमति देता है, जबकि शेष राशि का उपयोग वार्षिकी सेवा प्रदाता(ओं) से वार्षिकी खरीदने के लिए किया जाता है, जिस पर माल और सेवा कर (जीएसटी) से छूट प्राप्त है। एनपीएस ने पिछले कुछ वर्षों में पंजीकृत पेंशन फंडों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुमोदित निवेश दिशानिर्देशों के अनुसार विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में जोखिम और रिटर्न के परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, निधि के निवेश के माध्यम से ग्राहकों को लगातार उच्च रिटर्न दिया है।

एनपीएस के अंतर्गत सभी गतिविधियों को पीएफआरडीए अधिनियम, 2013 और प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित विनियमों के तहत विनियमित किया जाता है। इसके अलावा, एनपीएस के अंतर्गत गतिविधियाँ पूरी तरह से डिजिटल हैं और पारदर्शी तरीके से प्रबंधित की जाती हैं, जिसमें व्यक्तिगत पेंशन कोष की अद्यतन जानकारी ग्राहक को मोबाइल ऐप या ग्राहक के लॉगिन का उपयोग करके दैनिक आधार पर उपलब्ध होती है। ग्राहकों के पास 75 वर्ष की आयु तक कई पेंशन फंड, परिसंपत्ति आवंटन एवं रोजगार, स्थान व रोजगार की स्थिति में पोर्टेबिलिटी चुनने की भी सुविधा है।

इस सूचना के माध्यम से, आयकर अधिनियम, 1961 के तहत पंजीकृत विभिन्न अनुमोदित सेवानिवृत्ति निधि के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वे एनपीएस के तहत लाभ और रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं, जिसके लिए वे एनपीएस में माइग्रेशन सक्षम करने के लिए अपने संबंधित अनुमोदित सेवानिवृत्ति न्यास/नियोक्ता से संपर्क कर सकते हैं। प्राधिकरण, एक सुरक्षित पेंशनभोगी समाज के अपने अधिदेश को पूरा करने हेतु, अपने सदस्यों को एनपीएस में स्थानांतरित करने में सहायता हेतु अनुमोदित सेवानिवृत्ति निधि को आवश्यक सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

अनुमोदित सेवानिवृत्ति निधि या उसके व्यक्तिगत सदस्य, जैसा भी मामला हो, प्राधिकरण की वेबसाइट (www.pfrda.org.in) पर ''**सेवानिवृत्ति निधि**'' टैब के अंतर्गत उल्लिखित विस्तृत प्रक्रिया के अनुसार या नीचे दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके एनपीएस में स्थानांतरण कर सकते हैं। इसके अलावा, इस संबंध में कोई भी प्रश्न saf-information@pfrda.org.in पर या प्राधिकरण के कार्यालय को भेजा जा सकता है।

मुख्य महाप्रबंधक
के लिए एवं की ओर से-
पेंशन निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण

चिंतन

यूएस खुद रूस से कर रहा ट्रेड, अपने हित देखे भारत

भारत को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों व चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। इसका कारण है कि एक तो खुद अमेरिका दोहरा मानदंड अपना रहा है, दूसरा भारत को अपने राष्ट्रीय हित की रक्षा करने का हक है। भारतीय निर्यात पर ट्रंप जितना भी शुल्क लगाए, उसका अमेरिकी जनता को ही खामियाजा भुगतना होगा। फौरी तौर पर हो सकता है कि भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में कमी आए, लेकिन इससे भारत को विचलित होने की जरूरत नहीं है। इसे भारत को एक अवसर के रूप में लेना चाहिए और भारतीय निर्यातकों को वैकल्पिक बाजार की ओर रुख करना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को चेतावनी दी है कि चूंकि भारत रूस से तेल खरीद रहा है, इसलिए इस दक्षिण एशियाई देश पर अगले 24 घंटों में भारी नया टैरिफ आयद किया जाएगा। ट्रंप ने पिछले हफ्ते ही भारत से आयातित उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी व रूस से तेल एवं गैस खरीदने की वजह से भारत पर अलग से जुर्माना लगाने की बात भी कही थी। भारत ने आंकड़ों के जरिये अमेरिका और यूरोप को आईना दिखाया है कि अमेरिका खुद रूस के साथ व्यापार कर रहा है व भारत-रूस व्यापार पर उंगली उठा रहा है। पिछले साल कड़े प्रतिबंधों और टैरिफ के बावजूद, अमेरिका ने रूस के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर का व्यापार किया था। अमेरिका अब भी रूस से अपने परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, इलेक्ट्रिक गाड़ियों की इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और कच्चे रसायन आयात करता है। यूक्रेन ये युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस से इसलिए तेल का आयात शुरू किया था, ताकि वैश्विक आपूर्ति तंत्र बना रहे व कीमतों को नियंत्रित रखा जा सके। तब खुद अमेरिका ने भारत के इस कदम का स्वागत किया था। खुद अमेरिका व यूरोप यूक्रेन की मदद कर रहे हैं, वे वास्तव में युद्ध का अंत चाहते हैं तो यूक्रेन को हथियारों की मदद बंद कर दें। यूरोपीय संघ ने वर्ष 2024 में रूस के साथ 67.5 अरब यूरो मूल्य का वस्तु व्यापार किया। यह भारत के रूस के साथ उस वर्ष अथवा उसके बाद के कुल व्यापार से कहीं अधिक है। 2024 में यूरोप द्वारा रूस से एलएनजी का आयात 1.65 करोड़ टन तक पहुंच गया, जो 2022 में बने 1.521 करोड़ टन के पिछले रिकॉर्ड को भी पार कर गया। अमेरिका व यूरोप के दोहरे रवैये को देखते हुए अमेरिका का भारत को निशाना बनाना अनुचित और तर्कहीन है। किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत भी अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाता है। ट्रंप की इस नई चेतावनी के बाद रूस ने भारत का समर्थन करते हुए जवाब दिया है कि 'किसी भी देश को रूस के साथ व्यापार बंद करने के लिए मजबूर करना अवैध है। संप्रभु देशों को अपने व्यापार और आर्थिक सहयोग के लिए साझेदारों को चुनने का अधिकार है। भारतीय सेना ने भी अमेरिका को वर्ष 1971 की याद दिलाते हुए उसका असली चेहरा दिखाया है कि कैसे अमेरिका व चीन ने भारत से युद्ध में पाकिस्तान की मदद की थी। अभी टैरिफ दर में, आईएमएफ से लोन दिलाने में व ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका ने अपनी पाकपरस्ती दिखाई है। इसलिए भारत को अमेरिका के असली चेहरे को पहचानते हुए अपने राष्ट्रीय हित में कदम उठाना चाहिए और ट्रंप को जैसे को तैसा की तर्ज पर जवाब देना चाहिए। भारत व अमेरिका का संबंध ट्रेड के इर्द-गिर्द ही रहा है, इसमें दोस्ती जैसी कोई बात नहीं है।

श्रद्धांजलि

ओंकारेश्वर पांडे

दिशोम गुरु से गुरुजी का कठिन सफर

> अलग झारखंड का सपना उठाने वाले कई थे, पर उसे सच करने वाला सिर्फ एक नाम था दिशोम गुरु। लोग कहते हैं, "गुरुजी सिर्फ नेता नहीं थे, आंदोलन की आत्मा थे।" उनके समर्थकों के लिए वे एक विचार थे, एक प्रतिरोध की पहचान। भारतीय राजनीति में झारखंड आंदोलन दरअसल आदिवासी पहचान की वह कहानी है, जिसे दिशोम गुरु ने खून-पसीने से लिखा। "गुरुजी का भरोसा सिर्फ लिखित वादों पर था, शब्दों से नहीं।" उन्होंने कसम खाई "जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ी जाएगी।" सवाल है कि क्या यह नारा सिर्फ झारखंड तक सीमित रहेगा या पिता की राह पर चलते हुए हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा को आदिवासी मुक्ति मोर्चा के रूप में स्थापित कर पाएंगे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन चले गए। 10 बार सांसद, 3 बार मुख्यमंत्री, और उससे भी बढ़कर, वो शख्स जिसने तीर-कमान से नहीं, बल्कि संघर्ष और अपनी सियासी चालों से बिहार के आदिवासियों को उनका हक दिलाया। अलग झारखंड का सपना उठाने वाले कई थे, पर उसे सच करने वाला सिर्फ एक नाम था दिशोम गुरु। लोग कहते हैं, "गुरुजी सिर्फ नेता नहीं थे, आंदोलन की आत्मा थे।" उनके समर्थकों के लिए वे एक विचार थे, एक प्रतिरोध की पहचान। भारतीय राजनीति में झारखंड आंदोलन दरअसल आदिवासी पहचान की वह कहानी है, जिसे दिशोम गुरु ने खून-पसीने से लिखा। 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ के नेमरा गांव में जन्मे शिबू सोरेन ने बचपन में साहूकारों की लूट देखी, खनन कंपनियों का लालच देखा। 1969 का अकाल, जब सरकारी गोदामों में अनाज सड़ रहा था और आदिवासी भूख से मर रहे थे, ने उनके भीतर ज्वाला भर दी। उन्होंने कसम खाई "जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ी जाएगी।"

नेमरा (रामगढ़) की गलियों से उठी उनकी आवाज़ ने 1960–70 के दशक में आवाम को झकझोरा। जब धनकटनी आंदोलन शुरू हुआ, तब आदिवासी महिलाएं खेतों से धान काटकर ले जाती थीं, पुरुष तीर-कमान लिए पहरे पर खड़े रहते थे। पर सिस्टम भी था, सरेंडर, गिरफ्तारी, गिरफ्तारी वारंट तक जारी। उनकी शुरुआत छोटी थी, पर असर बड़ा। धान जब्ती आंदोलन से शिबू सुर्खियों में आए। साहूकारों के गोदामों से अनाज निकालना, तीर-कमान लिए आदिवासी पहरेदारों का पहरा, यह केवल विरोध नहीं था, यह सिस्टम को सीधी चुनौती थी। एक दिन शिबू सोरेन पारसनाथ के जंगलों में छिप गए, वहीं से आंदोलन चला "बाहरी" लोगों को निकालो, "झारखंड को शोषण से मुक्त करो" सपनों के इस आंदोलन ने उन्हें 'दिशोम गुरु' की पहचान दी। 1973 में उन्होंने ए.के. रॉय और बिनोद बिहारी महतो के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा बनाई। उस समय उनके नारे गूंजते थे "हमारी जमीन हमारी है, कोई दीकु (बाहरी) नहीं छीन सकता।" इसके साथ ही झारखंड आंदोलन तेज होने लगा। उस समय जेएमएम का बनना कोई आसान बात नहीं थी, राजनीतिक विरोध, विभाजन और मानसिक खींचतान के बीच उन्होंने पार्टी को जीवंत रखा। तब लालू यादव ने 1998 में कहा था, "झारखंड मेरी लाश पर ही बनेगा,"। लेकिन शिबू सोरेन ने सभी विरोधों को पार करते हुए, कांग्रेस, आरजेडी और बीजेपी से गठबंधन बनाया और बातचीत से राज्य का मामला संसद तक पहुंचाया। शिबू सोरेन ने समझ लिया था कि झारखंड का सपना सिर्फ जंगलों में धरना देकर पूरा नहीं होगा, इसके लिए दिल्ली की सत्ता के दरवाजे खोलने होंगे। और यही उन्होंने किया। 1989 में वी.पी. सिंह की सरकार को समर्थन, 1993 में नरसिम्हा राव को अविश्वास मत से बचाना, फिर 1999 में वाजपेयी की एनडीए सरकार से डील, शिबू हर बार सही मोड़ पर सही दांव खेलते रहे। कहते हैं, "गुरुजी का भरोसा सिर्फ लिखित वादों पर था, शब्दों पर नहीं।" और हुआ भी वही। 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर झारखंड बना। जयपाल सिंह मुंडा ने आंदोलन की शुरुआत की थी, लेकिन उसे मंज़िल तक पहुंचाने वाला नाम था शिबू सोरेन। शिबू सोरेन की राजनीति का मूल था आदिवासी पहचान और जल-

जंगल-जमीन की रक्षा। उन्होंने सरहुल जैसे त्योहारों को विरोध का मंच बनाया। खदान मजदूरों को संगठित किया और खनन कंपनियों की नाक में दम किया। उनकी पहल पर पेसा कानून आया, जिसने ग्राम सभाओं को जमीन पर फैसला लेने का अधिकार दिया। 2006 का वन अधिकार कानून भी उनकी जिद का नतीजा था। झारखंड से अरबों का कोयला और लौह अयस्क दिल्ली तक गया, पर गांवों तक सिर्फ गरीबी पहुंची। यही विडंबना है राज्य तो बना, पहचान मिली, पर आर्थिक न्याय अब भी अधूरा है। झारखंड देश के सबसे समृद्ध खनिज राज्यों में है। कोयले, लौह अयस्क और अन्य खनिजों से केंद्र को सालाना 40-45 हजार करोड़ से ज्यादा का हिस्सा मिलता है, जबकि राज्य को खुद के टैक्स से करीब 34 हजार करोड़ की आमदनी होती है।

आसान शब्दों में खनिज निकलता है झारखंड से, फायदा जाता है दिल्ली को। यही सबसे बड़ी लड़ाई रही है। और यह लड़ाई आज भी जारी है। दिशोम गुरु का सफर सियासत और मुकदमों की सफेद-स्याह परछाइयों और विवादों से भरा रहा। 1975 में 'बाहरी-विरोधी अभियान', जिसमें 11 मौतें हुईं, उन पर हत्या का आरोप लगा। 1993 के अविश्वास मत में रिश्वत का आरोप, 1994 में उनके निजी सचिव शशिनाथ झा की हत्या का मामला 2006 में सजा हुई, फिर 2007 में बरी हुए। फिर भी जनता ने उनका साथ नहीं छोड़ा। जेल से निकलकर भी चुनाव जीते। तीन बार मुख्यमंत्री बने। दस बार सांसद रहे। पार्टी के एक नेता कहते हैं "एक आदिवासी जब खड़ा होता है, तो उसे राजनीति में फंसाया भी जाता है। हेमंत सोरेन को भी जेल में डाला गया। पर क्या साबित हुआ? जनता अब इन चालों को अच्छी तरह समझने लगी है।" शिबू सोरेन के उपर मुकदमे, सज़ा और विवादों का बोझ था, पर जनता ने उनका साथ नहीं छोड़ा। उनके योगदान को लोग याद करते हैं, उन्होंने झारखंड का सपना रखा, आदिवासी पहचान को राष्ट्रीय विमर्श में रखा, और सबसे बड़ी बात कारपोरेट पावर को चुनौती दी। आज के दौर में विकास की जो रफ़्तार है, वह आर्थिक अधिकारों के सवाल को और गहरा कर देती है, क्या राज्य की खनिज संपदा उसी जनता को लाभान्वित कर पाएगी जिसने इसे जन्म दिया? गुरुजी चले गए, पर सवाल वहीं हैं। शिबू सोरेन ने कभी बीजेपी का समर्थन किया, फिर आरजेडी से हाथ मेला, कभी कांग्रेस से तालमेल किया—हर कदम पर साबित किया कि राजनीतिक दृढ़ता और पहचान की चुनौतियाँ गठबंधन नीति से होकर गुजरती हैं।

"गुरुजी का भरोसा सिर्फ लिखित वादों पर था, शब्दों से नहीं।" भाषणों की नहीं, जमीन की राजनीति की गई। यह उन्हें अलग बनाता है। शिबू सोरेन ने झारखंड का सपना देखा, उसे संसद में गूँजाया, और आखिरकार राज्य के रूप में राजनीतिक हक की लड़ाई जीत ली। "इतिहास उन्हें सिर्फ नेता नहीं, बगावत और पहचान का प्रतीक लिखेगा..." लेकिन गरीबी, बेरोजगारी, और आर्थिक आत्मनिर्भरता का संघर्ष जारी है। हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री हैं। यह भरोसा सिर्फ बेटे पर नहीं, बल्कि उस इतिहास पर है जो शिबू सोरेन ने लिखा। हेमंत कहते हैं "विकास जरूरी है, पर वह हमारी पहचान को मिटाए नहीं।" आदिवासियों को राजनीतिक हक मिला, पर आर्थिक हक का सवाल अब भी अधूरा है। यही वह लड़ाई है जो आज हेमंत को लड़नी है। क्या हेमंत वह कर पाएंगे जो गुरुजी के दौर में अधूरा रह गया? जमीनी राजनीति की बिसात पर सतर्कता और सफलता से चल रहे हेमंत सोरेन के सामने उनका नारा "जल, जंगल, जमीन" अब भी गूँजता है। सवाल है कि क्या यह नारा सिर्फ झारखंड तक सीमित रहेगा या पिता की राह पर चलते हुए हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा को आदिवासी मुक्ति मोर्चा के रूप में स्थापित कर पाएंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।)

प्लास्टिक संधि

राज कुमार सिन्हा

प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति के लिए विश्व की उम्मीदें

स्विट्जरलैंड के जेनेवा में 5 से 14 अगस्त तक प्लास्टिक संधि के लिए अन्तरराष्ट्रीय वार्ता समिति के प्रतिनिधिमंडल अंतिम बैठक के लिए एकत्रित हुए हैं। जहां प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी रूप से बंधनकारी (आईएलबीआई) समझौता पर अंतिम दौर की बातचीत होगी। इसके पहले मई 2022 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा ने समुद्री पर्यावरण सहित प्लास्टिक प्रदूषण पर एक अंतरराष्ट्रीय, कानूनी रूप से बाध्यकारी उपाय विकसित करने के लिए प्रस्ताव पारित किया था। तब से अब तक पांच दौर की बातचीत पूर्ण हो चुकी है। अंतिम दौर की बातचीत अगस्त में होने जा रही है, जिसमें मुख्यतः प्लास्टिक उत्पादों के पूरे जीवन काल में प्राथमिक पॉलिमर उत्पादन से लेकर निपटान तक को ध्यान में रखें जाने की बात होगी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, प्लास्टिक की मांग सन् 2000 के बाद से लगभग दोगुनी हो गई है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, 2022 में फीडस्टॉक सहित 436.66 मिलियन टन पॉलिमर और प्लास्टिक का व्यापार हुआ, जिसमें अंतिम प्लास्टिक उत्पादों की मात्रा 111 मिलियन टन थी। आज, 99 फीसदी प्लास्टिक जीवाश्म ईंधन से बनता है। जीवाश्म ईंधनों को परिष्कृत करके मोनोमर्स (निर्माण खंड) और फिर पॉलिमर में संसाधित किया जाता है और उत्पादन के विभिन्न चरणों में मध्यवर्ती पदार्थ और रसायन (अध्ययनों से पता चलता है कि 16,000 से अधिक रसायनों का उपयोग किया जाता है) मिलाए जाते हैं। प्लास्टिक को विनियमित करने का अर्थ अनिवार्य रूप से इन पेट्रोरसायनों को विनियमित करना होगा। प्लास्टिक उत्पादन और उपभोग को विनियमित करने के लिए, इन निर्माण खंडों, जिनमें इनका व्यापार भी शामिल है, पर ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है। विश्व भर के 600 से अधिक नागरिक समाज समूहों ने प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक मजबूत संधि की मांग करते हुए एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें प्लास्टिक उत्पादन में महत्वपूर्ण कटौती पर जोर दिया गया है। घोषणापत्र में कहा गया है कि जलवायु, जैव विविधता, मानव स्वास्थ्य, मानवाधिकारों और ग्रह की जीवन को सहारा देने और बनाए रखने की क्षमता पर हानिकारक प्रभाव डालता है। नागरिक समूहों ने वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन में उल्लेखनीय कमी सुनिश्चित करने के लिए संधि की माँग की है। प्लास्टिक के जीवनचक्र में हानिकारक रसायनों के उन्मूलन, प्लास्टिक संबंधी जानकारी में पारदर्शिता, कार्यान्वयन के लिए स्पष्ट और पर्याप्त वित्तीय प्रतिबद्धताएं और तंत्र, प्रभावित समुदायों के लिए न्यायोचित परिवर्तन, झूठे समाधानों द्वारा जारी अपशिष्ट उपनिवेशवाद और पर्यावरणीय नस्लवाद का अंत, पुनः उपयोग और पुनः भरने की प्रणालियों को प्राथमिकता देने और मानव अधिकारों के संरक्षण का भी आह्वान किया है। कहा गया है कि प्लास्टिक और खतरनाक अपशिष्ट के उत्पादन में प्रयुक्त खतरनाक रसायनों पर बासेल, रॉटरडैम और स्टॉकहोम द्वारा नियंत्रण किया जाता है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) द्वारा शासित होता है, और प्रस्तावित आईएलबीआई के प्रावधान डब्ल्यूटीओ समझौतों के विपरीत होंगे। इससे विकासशील देश और वे देश जो पॉलिमर व्यापार पर निर्भर हैं, व्यापार पर अंकुश लगाने से प्रभावित होंगे।इधर पर्यावरण पर 20वें अफ्रीकी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एएमसीईएन-20) ने वैश्विक प्लास्टिक संधि का समर्थन करने की प्रतिबद्धता जताई है, तथा प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतरराष्ट्रीय कानूनी रूप से बाध्यकारी साधन विकसित करने के लिए अंतर-सरकारी वार्ता समिति के साथ महाद्वीप की सहभागिता की आवश्यकता की पुष्टि की है। 18 जुलाई को नैरोबी में संपन्न हुई इस बैठक में स्वीकार किया गया कि अफ्रीका अपनी प्राकृतिक पूंजी की रक्षा के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जिसमें विविध पारिस्थितिकी तंत्र, परिदृश्य, वायु, समृद्ध जैव विविधता से लेकर विशाल खनिज संपदा, मीठे पानी और समुद्री संसाधन शामिल हैं। इस कार्यक्रम में सदस्य देशों से पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 'संपूर्ण सरकार' और 'संपूर्ण समाज' के दृष्टिकोण को अपनाने तथा समुदायों, महिलाओं और युवाओं को शामिल करने और उन्हें सशक्त बनाने का आह्वान किया गया, ताकि पर्यावरणीय संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सके। भारत के नागरिक अपने प्रतिनिधिमंडल से आग्रह करते हैं कि इस होने वाले वार्ता में मानव स्वास्थ्य और अपस्ट्रीम समाधानों पर केंद्रित एक मजबूत वैश्विक प्लास्टिक संधि का समर्थन करें। जबकि प्लास्टिक पैकेजिंग, डिज़ाइन और सामग्री के उपयोग पर जीवनचक्र आकलन के आधार पर स्पष्ट लागू करने योग्य दिशानिर्देशों की तत्काल आवश्यकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुंह के मौन से ज़्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

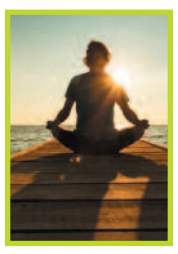

संकलित

दर्शन

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदहारण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

बिन बुलाए किसी के घर न जाए

संकलित

प्रेरणा

माता सती के पिता प्रजापति दक्ष शिव जी को पसंद नहीं करते थे, क्योंकि शिव जी ने ब्रह्मा जी का पांच में से एक सिर काट दिया था। अपने पिता ब्रह्मा जी के साथ हुई इस घटना की वजह से दक्ष शिव जी को अपमानित करने के अलग-अलग अवसर खोजते रहते थे। दक्ष की पुत्री सती ने भगवान शिव से विवाह कर लिया था और दक्ष इस विवाह को रोक नहीं सके। विवाह के कुछ समय बाद दक्ष ने एक यज्ञ का आयोजन किया और इस यज्ञ में सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया, लेकिन शिव और सती को आमंत्रित नहीं किया। माता सती को नारद से मालूम हुआ कि उनके पिता दक्ष यज्ञ करवा रहे हैं। सती इस यज्ञ में जाने के लिए तैयार हो गईं। शिव जी ने देवी सती को समझाया कि बिना बुलाए हमें यज्ञ जैसे आयोजन में नहीं जाना चाहिए, लेकिन शिव जी के समझाने पर भी देवी नहीं मानीं और यज्ञ में चली गईं। जब सती यज्ञ स्थल पर पहुंची तो उन्होंने देखा कि यज्ञ में शिव जी के अतिरिक्त सभी देवी-देवता आए हुए हैं। सती ने पिता दक्ष से शिव जी को न बुलाने का कारण पूछा तो दक्ष ने शिव जी के लिए अपमानजनक बातें कहना शुरू कर दीं। शिव जी का अपमान सती सहन नहीं कर सकीं और उन्होंने हवन कुंड में कूदकर अपनी देह त्याग दी। जब ये बात शिव जी को मालूम हुई तो वे बहुत क्रोधित हो गए। शिव जी के क्रोध से वीरभद्र प्रकट हुए। इसके बाद शिव जी के कहने पर वीरभद्र ने यज्ञ स्थल को उजाड़ दिया और दक्ष का सिर काट दिया।

अंतर्मन

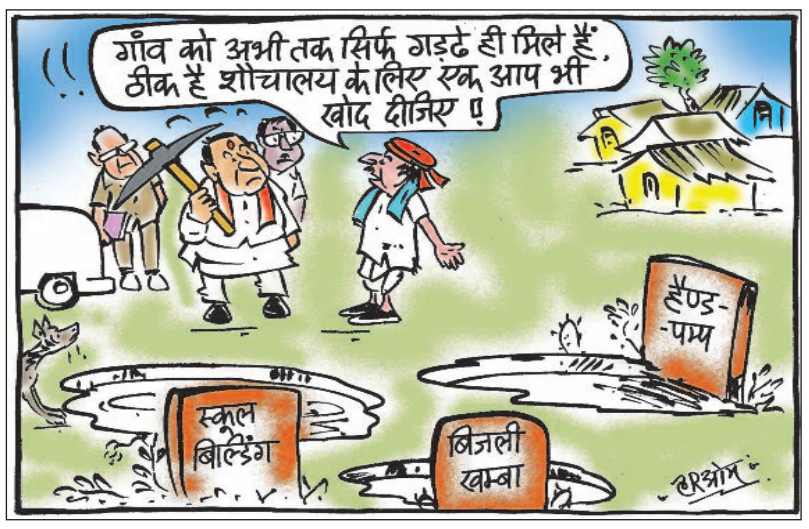

आज की पाती

कश्मीर से खत्म होगा आतंकवाद

आतंकवाद एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। तथ्य को नकारना रेत में सिर छिपाना ही होगा। जिस तरह सरकार ने 2026 तक माओवादियों को अल्टीमेटम दे दिया है, उसके भय से आत्म समर्पण की गति तेज हो गई है। सीमापार सरकार की ताकत जानते है। सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति के कारण घाटी में आतंकवादियों का आना कम हो गया है। कश्मीर में अमन है। जिस व्यक्ति के दिमाग पर कोई शक्ति हावी हो जाती है। सामान्य तर्क उसके सामने बेनामी होते है। पहले कश्मीर घाटी के युवाओं को पत्थरबाजी का जुनून सवार था। अब युवा कम्प्यूटर और इंटरनेट से जुड़ाव होने से मुख्यधारा में जुड़ चुके है। जुनून एक जीवन की पथरीली राहो पर ले जाता है और योग्यता वाला जुनून आदमी बनाने में अहम भूमिका बनाता है। पाकिस्तान की भूमिका डरावनी ही रही है। - *कांतिलाल मांडोत, सूरत*

ट्रेंड

बचाव कार्य

उत्तरकाशी में फ्लैश फ्लड की घटना को लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से बात कर घटना की जानकारी ली। आईटीबीएस की 3 और एनडीआरएफ की 4 टीमों को घटनास्थल के लिए भेज दिया गया है, जो शीघ्र पहुँच कर बचाव कार्य में लगेंगी।
-अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

गठबंधन में नहीं बसपा

बहुजन समाज पार्टी ना तो एनडीए गठबंधन के साथ है और ना ही कांग्रेस के इण्डिया समूह (गठबंधन) के साथ है, ना ही अन्य किसी के साथ है, बल्कि अपनी 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' के अम्बेडकरवादी सिद्धान्त व नीति पर चलने वाली पार्टी है।
-मायावती,पूर्व सीएम, उप्र

धर्म विशेष के लोग

जो भी गैर-कानूनी हो उसके खिलाफ कार्रवाई हो क्योंकि अवैध तो अवैध होता फिर क्यों किसी जाति या धर्म विशेष के लोगों को टारगेट किया जा रहा है। हम इसके खिलाफ कोर्ट जाएंगे।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

मलिक का निधन दुखद

पूर्व राज्यपाल व किसान हितैषी नेता सत्यपाल मलिक के निधन का समाचार बेहद दुखद है। वे बेबाक़ी और निडरता से सत्ता को सच्चाई का आईना दिखाते रहे। शोकाकुल परिवारजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।
- मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

करंट अफेयर

जापान में परमाणु बम पीड़ित फैला रहे लोगों में जागरूकता

हिरोशिमा और नागासाकी पर 80 साल पहले हुए परमाणु बम हमले में जीवित बचे लोगों ने बढ़ते परमाणु खतरों और वैश्विक नेताओं द्वारा परमाणु हथियारों को स्वीकार किए जाने पर चिंता जताई है। अमेरिका ने छह अगस्त, 1945 को हिरोशिमा पर और उसके तीन दिन बाद नागासाकी पर परमाणु बम से हमला किया था, जिससे उस वर्ष के अंत तक 2,00,000 से ज़्यादा लोग मारे गए थे। इस घातक हमले में कुछ लोग जीविच बच गए, लेकिन वे विकिरण संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हो गए। परमाणु बम हमले के लगभग एक लाख लोग अभी जीवित हैं। उनमें से कई लोगों ने खुद को और अपने परिवारों को आज तक जारी भेदभाव से बचाने के लिए अपने अनुभवों को छिपा रखा है जबकि कुछ लोग खुद के साथ हुई भयावह विभीषिका के चलते अपनी आपबीती नहीं बता पाए। कुछ जीवित बचे लोगों ने अपने जीवन काल के अंतिम दिनों में परमाणु बम हमले के खिलाफ इस उम्मीद के साथ बोलना शुरू किया है, कि उनकी आपबीती सुन कर शायद दूसरे लोग परमाणु हथियारों के खात्मे के लिए दबाव बना सकें। परमाणु बम हमले के पीड़ित 83 वर्षीय कुनिहिको आईडा अनेक स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद अपनी सेवानिवृत्ति के वर्षों में लोगों को अपनी पीड़ा बता रहे हैं।

ऑफ बीट

कुछ कपड़े धोने पर सिकुड़ जाते हैं ? कैसे रोका जाए

कपड़े आखिर क्यों सिकुड़ते हैं, यह जानने के लिए हमें पहले यह समझना होगा कि कपड़े बनते कैसे हैं। सूती और लिनन जैसे सामान्य रेशे पौधों से हासिल होते हैं। ये रेशे अपने प्राकृतिक स्वरूप में अनियमित आकार के और झुर्रीदार होते हैं। अगर आप इन रेशों के अंदर गहराई से देखेंगे, तो आपको लाखों छोटे, लंबी-शृंखला वाले सेल्यूलोज अणु नजर आएंगे, जो प्राकृतिक रूप से सर्पिल आकार में मौजूद होते हैं। कपड़ा बनाते समय इन रेशों को यांत्रिक रूप से खींचा और मोड़ा जाता है, ताकि ये सेल्यूलोज शृंखलाएं सीधी हो जाएं और कतार में आ जाएं। इस प्रक्रिया में चिकने, लंबे धागे बनते हैं। रासायनिक स्तर पर, ये शृंखलाएं 'हाइड्रोजन बॉन्ड' से जुड़ी होती हैं, जो रेशों और धागों को मजबूत एवं लचीला बनाते हैं। 'फाइबर मेमोरी' के कारण ही कुछ कपड़ों पर आसानी से सिलवटें पड़ जाती हैं, जबकि कुछ कपड़े धोने के बाद सिकुड़ भी जाते हैं। कपड़े धोने के दौरान, गर्म पानी रेशों के ऊर्जा स्तर को बढ़ाने में मदद करता है-यानी वे तेजी से हिलते हैं, जिससे उन्हें एक-दूसरे से जोड़े रखने वाले 'हाइड्रोजन बॉन्ड' टूट जाते हैं। रेशों को जिस तरह से बुना या पिरोया जाता है, इसकी भी अहम भूमिका होती है। ढीले बुने हुए कपड़ों में धागों के बीच ज्यादा खुली जगह और लूप होते हैं, जो उन्हें न सिर्फ अधिक लचीला और सांस लेने योग्य बनाते हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

सितार वादन में निपुण रहे कृष्ण नारायण रातंजनकर

कला जगत
डा. अर्चना पाठक

कृष्ण नारायण रातंजनकर का जन्म 31दिसंबर सन 1900 ई को हुआ था। आपके पिता नारायण राव संस्कृत और मराठी के विद्वान और प्रतिष्ठित सितार वादक थे। आपने पटियाला घराने के कृष्णभट्ट होनवार से गायन की शिक्षा प्राप्त की। कालांतर में ग्वालियर घराने के अनंत मनोहर जोशी से आगे की शिक्षा प्राप्त की। भातखंडे जी के धीर गंभीर व्यक्तित्व से रातंजनकर अति प्रभावित थे। उन्होंने भारतीय संगीत के शास्त्रीय व ऐतिहासिक पक्ष का और संगीत का प्रायोगिक अध्ययन भी किया। सन 1926 ई में विल्सन से स्नातक की उपाधि लेने तक आप समर्थ कलाकार, संगीत विद्वान एवं शिक्षा शास्त्री के रूप में माने जाने लगे। आपने अनेक विद्वत्तापूर्ण लेख और किताबें लिखी। आपकी लगभग 700 रचनाओं का संग्रह अभिनव गीत मंजरी तीन भागों में प्रकाशित हुई। तान संग्रह, संगीत शिक्षा अभिनव संगीत शिक्षा, गोवर्धन उद्धार, गेय नाटिका, हिन्दुस्तानी संगीत की स्वर लिपि, प. विष्णु नारायण भातखंडे, संगीत परिभाषा एवं एस्थेटिक आस्पेक्ट्स ऑफ इंडियन म्यूजिकल हैरिटेज अंग्रेजी, मराठी और हिन्दी में प्रकाश है। आप जीवन पर्यंत संगीत साधना में लगे रहे। 14 अक्टूबर 1956 ई को विजयादशमी के दिन इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ का उद्घाटन हुआ, जिसमें आपने प्रथम उपकुलपति के रूप में कार्यभार संभाला। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय और भातखंडे संगीत विद्यापीठ ने आपको संगीताचार्य की उपाधि से विभूषित किया। आपने विश्वविद्यालय में अनेक शिष्यों को तैयार किया।

शिलालेख
भुवन लाल मिश्र

प्राचीन धरोहरों का साक्ष्य है: शिलालेख

छत्तीसगढ़ के राजीव लोचन मंदिर का शिलालेख 8 वीं या 9 वीं शताब्दी में उत्कीर्ण माना जाता है। इस शिलालेख में पाली और देवनागरी लिपि में लिखा गया है। इस शिलालेख की चौथी पंक्ति में पांडव, छठवीं पंक्ति में प्रसिद्ध सम्राट नल, सातवें पंक्ति में पृथ्वीराज और नवमी पंक्ति में विरूपराज पढ़े जा सकते हैं। इस शिलालेख को लिखे लगभग 1200 वर्ष हो चुके हैं। दूसरा शिलालेख 3 जनवरी 1145 को लिखा गया। छत्तीसगढ़ के देवालयों में वैसे अनेक शिलालेख प्राप्त हुए हैं। इस शिलालेख का बहुत अधिक महत्व है, क्योंकि इसे पढ़ने में महाकौशल के 11वीं और 12 वीं सदी के इतिहास का पता चलता है। साथ ही यह भी पता चलता है कि उन दिनों रतनपुर के हैहयवंशी राजाओं के राज्य का विस्तार कहां तक था। इसी तरह सिरपुर का ताम्रपत्र राजीव लोचन मंदिर के व्यवस्थापक के पास है। राजा तीतरदेव ने अपने शासन काल में 7 वें वर्ष की कार्तिक सुदी 8 को यह ताम्र पत्र जारी किया था। राजिम के कुलेश्वर महादेव मंदिर में दो शिलालेख हैं। पहले शिलालेख में 20 लाइनों में कुछ लिपिबद्ध है। इसका अधिकांश भाग क्षतिग्रस्त होने के कारण पढ़ा नहीं जा सकता। केवल पांचवीं लाइन में श्री संगम शब्द पढ़ने में आता है जिसका अर्थ महानदी के संगम से ही है। दूसरा शिलालेख हिन्दी सोरठा में है जो पवित्र महानदी की प्रशंसा में है।

ऐतिहासिक
वीरेन्द्र बहादुर सिंह

छुईखदान रियासत का विलीनीकरण

5 अगस्त 1947 को भारत की आजादी का यहां के आंदोलनकारियों ने भी देशवासियों के साथ जश्न मनाया, लेकिन उत्तरदाई शासन के लिए उनका आंदोलन जारी रहा। 05 दिसम्बर सन 1947 को छुईखदान में एक विशाल आमसभा का आयोजन किया गया। इस सभा में बड़ी संख्या में किसान और क्षेत्रवासी शामिल हुए। जनमत के आक्रोश को देखते हुए इस रियासत के अंतिम नरेश महंत ऋतुपर्ण किशोर दास ने 13 दिसंबर 1947 को छुईखदान रियासत में पूर्ण उत्तरदाई शासन लागू करने के सम्बन्ध में अधिसूचना जारी कर दी थी, लेकिन इसी बीच भारत के गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की अध्यक्षता में उड़ीसा रियासत की राजधानी कटक में पूर्वांचल के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक बैठक आहूत की गई। इस बैठक में छुईखदान स्टेट कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोवर्धन राम भी शामिल हुए। बैठक में सर्वसहमति से देशी रियासतों के भारतीय गणतंत्र में विलीनीकरण का निर्णय लिया गया। इसके बाद 01 जनवरी 1948 को छुईखदान रियासत को मध्य प्रांत में शामिल कर लिया गया। अधिकारों के लिए सदैव सजग रहने वाले छुईखदान के आंदोलनकारियों ने स्वतंत्रता आंदोलन और रियासती आंदोलन में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाकर भारत के एक छोटे से कस्बानुमा नगर छुईखदान का नाम स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठों पर लिख दिया। छुईखदान की जनता ने ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध दो स्तरों पर संघर्ष किया।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

धरोहर
राजेश पाण्डेय

महानदी घाटी के आसपास क्षेत्र का समृद्ध इतिहास

महानदी घाटी के सर्वेक्षण से ज्यामितीय विधि से निर्मित विविध आकार प्रकार के सूक्ष्म पाषाण उपकरण तथा मृदभांडों के अवशेष मिले हैं। बिलासपुर के खरौद से काले तथा लाल रंग के ठीकरे के अंदर की ओर काली सतह पर सफेद रंग का चित्रण मिला है, जो ताम्रकालीन सभ्यता को चित्रित करते हैं। मल्हारगढ़ के सर्वेक्षण से सातवाहन शासक वेदश्री की पक्की मिट्टी के अभिलिखित मुहर प्राप्त हुई है, जिसमें मौर्यकालीन ब्रम्हालिपि में वेदश्री का नाम अंकित है। तांबे के आहत सिक्के, सातवाहन शासकों के तांबे तथा मिश्रित धातु के सिक्के भी मिले हैं, जिनके पृष्ठ भाग पर चलते हुए हाथी का अंकन है।

सातवाहन वंश के एक अन्य शासक आपिलक का शासक बालपुर से प्राप्त हुआ है। इस कालक्रम में मल्हार में संरक्षित गोपवेशधारी वासुदेव विष्णु के अभिलिखित प्रतिमा रामगढ़ से प्राप्त सीताबेंगरा, सीतामणी और जोगीमढ़ा में प्राप्त प्राकृत भाषा में उत्कीर्ण ब्रम्हलिपि के लेख अशोककालीन हैं। अकलतरा के पास कोटगढ़ में प्रवेश द्वार आज भी देखे जा सकते हैं। दक्षिण कोसल के कल्चुरियों के शासन काल में शिव मंदिरों के अतिरिक्त विष्णु, सूर्य, देवी, गणेश आदि पंच देवों की विविध स्वरूपों वाली बहुसंख्यक प्रतिमाओं के साथ साथ हिन्दू मत से संबंधित अन्यान्य प्रतिमाएं देखने को मिलती हैं। मल्हार के समीप चकरबेड़ा ग्राम से प्राप्त रोम साम्राज्य के सिक्के तथा इंफोरा पात्रों की उपस्थिति से संकेत मिलता है कि इस क्षेत्र का व्यापारिक संबंध भारत के सुप्रसिद्ध व्यावसायिक उन्नत नगरों के अतिरिक्त रोम तथा चीन के साथ भी इनके व्यापारिक तथा सांस्कृतिक सम्बन्ध स्थापित हुए। 6 वीं, 7 वीं तथा 10 वीं शती में निर्मित देऊर मंदिर के अतिरिक्त 8 वीं से 13 वीं शती के मध्य की कला शैली में निर्मित बूढ़ीखार ग्राम के समीप महावीर स्वामी मंदिर में आंचलिक कला, संवेदनशीलता, शारीरिक संरचना, शिल्प सौष्ठव, भावभंगिकाएं, वस्त्र विन्यास अलंकरण, सुकोमलता, रूप लावण्य तथा यथार्थ भाव की अभिव्यक्ति का रोचक समन्वय है। इस संदर्भ में मल्हार, खरौद, ताला, अड़भार, शिवरीनारायण, पुजारीपाली, रतनपुर, जांजगीर, पलारी, सिरपुर, राजिम , डीपाडीह, खैरागढ़, राजनांदगांव, भोरमदेव, पचराही तथा कतिपय अन्य कला केंद्रों में संरक्षित कलाकृतियां उल्लेखनीय हैं।

आस्था : मेघनाथ कन्नौजे

वैभवशाली परम्परा का संवाहक रहा श्रीपुर

सम्राट बालार्जुन के कार्यकाल में श्रीपुर (सिरपुर) धर्म और राजनीति का प्रधान केंद्र था। लाखों सैनिक और हजारों सैनिक, अधिकारी, कर्मचारी यहां निवास करते थे। दूर दूर तक श्रीपुर की सीमा फैली हुई थी। चारों ओर बड़े बड़े विशाल प्रवेश द्वार थे। आज खंडहर के अलावा ज्यादा कुछ दिखाई नहीं देता, जो इतिहास को बताने के लिए पर्याप्त हैं। प्रत्येक खंडहर में सांसारिक वैभव और ऐश्वर्य के हाहाकार करुण क्रंदन हैं। इतिहास के इस खंडहर का भाग्य पांचवीं शताब्दी के आसपास सूर्य की तेज किरणों के समान चमकता था, जिससे हस्तिनापुर और पाटलीपुत्र तक ईर्ष्या करते थे।

पाण्डुवंशी तितिर देव, महाशिव तिविर राज के पदवी से विभूषित थे, उन्होंने संपूर्ण कोसल पर विजय प्राप्त की थी। इसीलिए वे कोसलाधिपति कहलाते थे। पांडुवंशियों में सर्वाधिक प्रतापी बालार्जुन थे, जितना विशाल इनका साम्राज्य था, उतना विशाल हृदय था। कहा जाता है कि उन्होंने मुक्त हस्त से निर्धनों और विद्वानों को दान दिया था। इसलिए भगवान शिव ने इनका भंडार कभी खाली नहीं होने दिया। प्रातः काल श्रीपुर में जहां एक ओर भगवान शिव की अर्चना होती थी, वहीं दूसरी ओर भगवान महावीर और बुद्ध की स्तुति गाई जाती थी। भक्ति, ज्ञान, और कर्म तीनों की यहां पूजा होती थी। इनके पावन प्रवाह से समस्त दक्षिण कोसल आप्लावित हो गया था। लगभग सौ बौद्ध मठ और दस हजार भिक्षु यहां साधना करते थे। श्रीपुर महायान का प्रसिद्ध केंद्र था।

लोक साहित्य
डा. सत्यभामा आडिल

छत्तीसगढ़ी काव्य का प्रथम पड़ाव

छत्तीसगढ़ी काव्य की परम्परा प्राचीन है। छत्तीसगढ़ी की क्षमता को पूर्ण रूप से आत्मसात करने तथा ठेठ छत्तीसगढ़ी में काव्य सृजन करने वालों में सुंदरलाल शर्मा का अद्वितीय स्थान है। सुंदरलाल शर्मा ने ही सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ी को ग्राम्य भाषा के पद से उठा कर साहित्यिक भाषा के पद पर प्रतिस्थापित किया, और उसे मानवीय मनोभावों के संवहन के योग्य बनाया। शर्मा जी के बाद के कवियों में जगन्नाथ प्रसाद भानु, कपिलनाथ मिश्र और शुक्लाल पाण्डेय के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। जगन्नाथ जी हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी के ज्ञाता थे। हिन्दी काव्य शास्त्र में उनकी अच्छी पैठ थी। छत्तीसगढ़ी में उनकी उल्लेखनीय कृति श्री मातेश्वरी के गुटका है, इसमें पारंपरिक माता सेवा गीतों को साहित्यिक कलेवर में प्रस्तुत किया है। इस दृष्टि से कपिलनाथ मिश्र की खुसरा चिरई के बिहाव नामक कृति की रचना भी की है, जिसमें सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ी की प्रवेशिका प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। यह पुस्तिका अपने सीमित क्षेत्र में पक्षियों और वृक्षों के छत्तीसगढ़ी नामों का ज्ञान कोष है। सन 1886 ई.में उत्पन्न शुक्लाल प्रसाद पाण्डेय भी यद्यपि हिन्दी के थे, तथापि छत्तीसगढ़ी में उन्होंने भी गीया और छत्तीसगढ़ी ग्राम्य गीत की रचना की। शिक्षा के प्रति तत्कालीन जनता की अरुचि का वर्णन विद्याप्रेम नामक कविता में सुंदर बन पड़ा है -

हम नई होवन पंडित संडित, तहि पढ़े कर आग लुवाट।
ए किताब अऊ गजट सजट ल,
जीभ लमा के तई हर चांट।
जनम के हम तो नागर जोतता,
नई जानन सोरा सतरा।
भुरुवा भइसा ता ता ताता,
यही हमर पोथी पतरा।

गांव की कहानी: ऋषिराज पाण्डेय

फूल के झरने के कारण नाम हुआ फुलझर

राजा जगतसाय के वंशधरों के चतुर्थ क्रम में फूलसाय भटगांव गढ़ के राजा हुए जो अबोध बालक थे, उक्त काल खण्ड में मुसलमानों का आक्रमण हुआ। फलस्वरूप बालक राजा फूलसाय को लेकर उनकी राजमाता विमली दाई ने अपनी सुरक्षा के लिए कुछ आत्मीय रक्षकों को लेकर जंगल में जाकर छिप गई। आगे चल कर बालक फूलसाय जब युवा हुए तब उनके अनुचरों ने उनसे कहा कि भटगांव का राज्य दौलत सिंह से वापस ले लिया जाए , किन्तु राजा फूलसाय ने राजमाता विमली दाई द्वारा दिए गए वचनों को निभाया, क्योंकि फूलसाय अत्यंत धार्मिक व्यक्ति थे। उसने वर्तमान गढ़ फूलझर में अपने नाम पर फूल झाड़ी अर्थात फूलझर के नाम से नगर बसा कर एक किला बनाया। फूलसाय के आगमन से पूरे राज्य का महत्व बढ़ गया।

राजा फूलसाय निःसंतान थे , उसने 85वर्षों तक फूलझर पर राज किया। अपने शत्रु शेर खा के साथ लड़ते प्राण त्याग दिए। आगे की बागडोर वंशधर मानसिंह को फूलझर का राजा बनाया गया। इस राजा ने अपने कार्यकाल में तालाब , रानी महल, राज महल, किले का नया स्वरूप निर्माण में अपना योगदान दिया। संभवतः राजा मान सिंह ने ही राजा फूलसाय की भव्य पाषाण मूर्ति का निर्माण कराया , जिसे सिंह द्वार में स्थापित किया गया था।

आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा हुआ फिलीपींस पीएम मोदी ने कहा शुक्रिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ फिलीपींस के समर्थन के लिए राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर का आभार जताया है। मंगलवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस मिले। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर बात की, जिसमें पहलगाम आतंकी हमला भी शामिल रहा। इस बैठक में भारत और फिलीपींस के बीच रणनीतिक साझेदारी पर हस्तक्षार भी हुए।

भारत-फिलीपींस के बीच रणनीतिक साझेदारी

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और फिलीपीन के रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर करने पर कहा कि रक्षा संबंधों को मजबूत करना दोनों देशों के बीच गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय बैठक में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, 'हम पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करने के लिए और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमारे साथ खड़े रहने के लिए फिलीपींस सरकार और राष्ट्रपति का आभार व्यक्त करते हैं।' पीएम मोदी ने कहा, 'लंबे समय से भारत और फिलीपींस के संबंध संवाद और सहयोग की मजबूत नींव पर टिके हैं।

केंद्रीय सचिवालय के पहले आधुनिक भवन का आज उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज, बुधवार को राजधानी दिल्ली में कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन करेंगे। यह भवन केंद्र सरकार की बहुप्रतीक्षित 'साझा केंद्रीय सचिवालय परियोजना का पहला प्रमुख हिस्सा है। उद्घाटन समारोह सुबह 12:15 बजे निर्धारित है। कर्तव्य भवन-3 के उद्घाटन के साथ ही केंद्र सरकार के कई मंत्रालयों और विभागों को अब पुराने भवनों से स्थानांतरित किया जाएगा। इसे नवीन भारत के प्रशासनिक ढांचे का पहला मील का पत्थर माना जा रहा है।यह भवन करीब 1.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें ग्राउंड सहित छह मंजिलें और दो भूमिगत तल शामिल हैं।

उत्तराखंड के पंचायत चुनाव में आया अनोखा मामला

विरोधी को विजयी घोषित कराने के लिए विजेता ने अदालत में दायर किया वाद

मुख्यमंत्री धामी के विधानसभा क्षेत्र चंपावत का मामला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उत्तराखंड के पंचायत चुनाव में एक अनोखा मामला देखने को मिला जहां चुनाव जीतने वाले एक कैंडीडेट ने कहा कि विपक्षी उम्मीदवार को उससे ज्यादा वोट मिले हैं। कैंडीडेट ने यह भी कहा कि उसे नहीं विरोधी उम्मीदवार को विजेता घोषित किया जाना चाहिए। पंचायत चुनाव मतगणना के बाद चम्पावत में रिटर्निंग ऑफिसर के सामने आई इस अपील ने हर किसी को हैरान कर दिया। चुनाव अधिकारी द्वारा जीत का प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाली एक पंचायत चुनाव उम्मीदवार ने अधिकारियों को सूचित किया है कि उसे अपने प्रतिद्वंद्वी से तीन वोट कम मिले हैं और उसे विजेता घोषित किया जाना चाहिए। यह बात तरकुली ग्राम पंचायत के प्रधान पद के चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सामने आई। यह ग्राम पंचायत उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र चंपावत का हिस्सा है। जहां पंचायत चुनाव में विजेता घोषित की गईं काजल बिष्ट को 103 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार सुमित कुमार को 106 वोट मिले।

मुझसे तीन वोट ज़्यादा मिले : काजल बिष्ट ने कहा, 'मैंने चुनाव अधिकारी से कहा कि मैं चुनाव जीती नहीं बल्कि हारी हूं। मेरे प्रतिद्वंद्वी को मुझसे तीन वोट ज़्यादा मिले इसलिए असली विजेता को ही प्रमाण पत्र दिया जाए।' जब चुनाव अधिकारी के स्तर पर मामला नहीं सुलझा तो काजल ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) अनुराग आर्य की अदालत में वाद दायर किया। एसडीएम ने काजल बिष्ट की आपत्ति स्वीकार करते हुए चुनाव अधिकारी को 30 दिनों के भीतर पुनर्मतगणना कराने का आदेश दिया। अधिकारियों ने बताया कि पुनर्मतगणना की तारीख जल्द ही घोषित होने की संभावना है।

काजल ने उन्हें खुद बधाई दी थी- विप्रक्षी उम्मीदवार

वहीं, प्रधान पद के दूसरे प्रत्याशी सुमित कुमार ने कहा कि मुझे तीन वोट से जीत हासिल हुई। बिष्ट ने उन्हें खुद बधाई दी थी। चुनाव कर्मियों ने तब कहा कि बाद में प्रमाण पत्र ले जाएं। इसके बाद वह मतगणना स्थल से बाहर आ गए। सुमित ने बताया कि बाद में शाम को जब जीत का प्रमाण पत्र लेने गए तो पता चला कि वह प्रतिद्वंद्वी काजल बिष्ट को दिया जा चुका है।

1971 के समाचार पत्र की एक पोस्ट से सेना ने खोला अमेरिकी साजिश का कच्चा चिट्ठा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

■ अमेरिका ने पाकिस्तान को बेचे 2 अरब डॉलर के हथियार

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मंगलवार को भारत पर लगाए जाने वाले 25 फीसदी टैरिफ में अगले 24 घंटे में की जाने वाली भारी वृद्धि की चेतावनी के बीच भारतीय सेना का एक बड़ा महत्वपूर्ण खुलासा किया है। जिसमें बल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर करीब 54 साल पुरानी यानी 5 अगस्त 1971 की एक समाचारपत्र की पोस्ट को साझा कर कहा है कि इससे साफ हो जाता है कि कैसे संयुक्त राज्य अमेरिका दशकों से पाकिस्तान का समर्थक रहा है?

उस वक्त 5 अगस्त के दिन ही अमेरिका पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत के खिलाफ साजिश रच रहा था। सेना की ये पोस्ट अमेरिका द्वारा दशकों से पाकिस्तान को जारी हथियारों की सप्लाई पर केंद्रित है।

आरएसएस समाज के सभी वर्गों की प्रमुख हस्तियों से करेगा संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के निमित्त देश भर में जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में समाज के सभी वर्गों की प्रमुख हस्तियों से संवाद का कार्यक्रम भी होने वाला है। इसके तहत देश के चार प्रमुख महानगरों नई दिल्ली, बेंगलुरू, कोलकाता और मुंबई में होने वाले संवाद के कार्यक्रमों में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की उपस्थिति रहेगी।

इसी श्रृंखला के तहत नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आगामी 26, 27 और 28 अगस्त को आयोजित होने जा रही व्याख्यानमाला के बारे में संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने केशव कुंज में मंगलवार को एक प्रेस वार्ता के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी।

अभिषेक बनर्जी बने तृणमूल संसदीय दल के नए नेता

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। लोकसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता सुदीप बनर्जी लंबे समय से बीमार चल रहे हैं।

सांसद महुआ मोइत्रा और मुख्य सचेतक कल्याण बनर्जी के बीच सार्वजनिक रूप से ठन गई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को मौका मिल गया। लंबे समय से संसदीय लीडरशिप में परिवर्तन की बाट जोह रही ममता ने वरिष्ठतम नेताओं में शुमार पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदीप बनर्जी की जगह अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को लोकसभा में संसदीय दल के नेता के रूप में बडी जिम्मेदारी दे दी।

फसल बीमा, 16 से 30 अगस्त तक चलेगा विशेष अभियान : शिवराज

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों का खरीफ सीजन में ज्यादा से ज्यादा नामांकन करने और ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में स्वयं सहायता समूहों की सदस्य बहनों की तरक्की के लिए उन्हें अधिक लोन देने के संबंध में आज सभी बैंकों व राज्य सरकारों की वर्चुअल बैठक ली।

डीएसी ने दी 67 हजार करोड़ के रक्षा सौदों को मंजूरी

हरिभूमि ब्यूरो.नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ पश्चिमी सीमाओं पर बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच मंगलवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें तीनों सशस्त्र सेनाओं की युद्धक क्षमता को और अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए कुल 67 हजार करोड़ रुपए के रक्षा खरीद से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी एओएन) प्रदान की गई है।

CHHATTISGARH HOUSING BOARD
HEAD OFFICE, PARYAWAS BHAWAN, NORTH BLOCK, SECTOR-19, NAVA RAIPUR ATAL NAGAR

-: REQUEST FOR PROPOSAL :-

DATE: 06/08/2025 ADVERTISEMENT NO.-

Proposals are invited from reputed and eligible Chartered Accountant Firms for Internal Audit, Pre-Audit and RERA Audit of Chhattisgarh Housing Board. The detailed RFP document along with the terms and conditions of the RFP can be downloaded from https://eproc.cgstate.gov.in & www.cghb.gov.in.

Start date: 06/08/2025 for Downloading RFP. The last date of submission of proposals is 21-08-2025.

S-44802/1

Chief Accounts Officer
Chhattisgarh Housing Board

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LTD.
(Government of Chhattisgarh Undertaking)(A successor company of CSEB) CIN: U40108CT2003SGC015822
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (EITC)
Telephone: (0771) – 2574 123, Fax: (0771) – 2574 125 Website: www.cspdcl.co.in, e-mail:eitc@cspc.co.in

No. 07-01/EITC/CSDC/Tr-405/854 Raipur, Dated: 04.08.2025

NOTICE INVITING e-TENDER

1.Sealed offers are invited from Experienced firm contractors or service provider for the following services

SN	Tender No.	Particulars	Tender Fee	EMD	Due Date Time
1	Tr-405, Rfx. No.-8100045452	Engaging Two manpower expert in SCADA/DMS software suit (E-Terra) for SCADA/DMS System of Raipur and Durg-Bhilai-Charoda, for a period of one year	Rs. 1180 /- (Rs.1000+GST @18%) to be made online through e-bidding portal	Rs. 23540/-	28.08.2025 14:00 Hrs

1.For further details & downloading the Tender document, please visit at our web site www.cspdcl.co.in / tender notices / central offices.2.Please note that notice for corrigendum or extension of due date of tender opening shall not be published in newspaper. It will be displayed only on the website and e-bidding portal.

SAVE ELECTRICITY EXECUTIVE DIRECTOR (EITC)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
नगर निगम मुख्यालय, रंग मंदिर के पास, गांधी चौक, छोटापारा, रायपुर (छ.ग.)
Pho no. 0771-2535780,90, Fax: 077172227395, E-mail- dc_rmc@rediffmail.com

रूचि की अभिव्यक्ति

नगर पालिक निगम, रायपुर की सीमा क्षेत्रान्तर्गत खम्हारडिह चौक (खम्हारदिह थाना के सामने स्थित) को जगन्नाथ थीम (धार्मिक तत्व रहित, सांस्कृतिक प्रेरित) के अनुरूप एक नागरिक चौक (Civic Square) के रूप में विकसित करने कार्य संपूर्णतः प्रायोजक आधारित (Sponsorship & Based) रहेगा, जिसमें इच्छुक व्यक्ति / संस्था डिजाइन, निर्माण, रखरखाव तथा सौंदर्यीकरण किये जाने का कार्य हेतु संस्था के चयन का कार्य हेतु रूचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) दिनांक 13/08/2025 समय सायं 5:00 बजे तक नगर निगम मुख्यालय के नगर निवेश शाखा, कक्ष क्र. 311 में स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। इस हेतु विस्तृत विवरण, नियम शर्ते नगर निगम की वेबसाईट www.nagarnigamraipur.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। डाउनलोड किये गये EOI पत्रक हेतु राशि रूपये 20,000.00 का डिमांड ड्राफ्ट जो आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा, जमा करना होगा। अधिक जानकारी के लिए रूम नं. 311 द्वितीय तल नगर निवेश शाखा से संपर्क कर सकते है।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

अधीक्षक (विज्ञापन)
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग, जशपुर जिला - जशपुर (छ.ग.)

: संशोधन क्रमांक-1 :

निविदा सूचना क्रमांक : 01/ व.ले.लि. / 2025-26 दिनांक 30.07.2025 निविदा सिस्टम क्र. 172733 जी.न. 252602493 बांकीनाला व्यपवर्तन योजना का लाईनिंग कार्य में अंकित प्रथम आमंत्रण को द्वितीय आमंत्रण माना जावे।

निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेंगी ।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, जशपुर (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार
जल संसाधन विभाग अंबिकापुर (छ.ग.)

G-252602620/6

"छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग" धमतरी वनमंडल धमतरी

काष्ठागार धमतरी का ई-ऑक्सन का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि धमतरी वनमंडल धमतरी के अन्तर्गत धमतरी काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ, जलाऊ एवं बल्ली का ई-ऑक्सन द्वारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा । इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/वन काष्ठागार धमतरी से प्राप्त की जा सकती है ।

नीलाम दिनांक	- 11 अगस्त 2025	नीलाम समय	- प्रातः 9.00 बजे से

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

प्रजाति	नया वनोपज		अविक्रित वनोपज		योग वनोपज	
	लट्ठा घ.मी.	बल्ली / खूंटा नग में	लट्ठा घ.मी.	बल्ली / खूंटा नग में	लट्ठा घ.मी.	बल्ली / खूंटा नग में
1	2	3	4	5	6	7
सागौन	-	-	86.388	4897	86.388	4897
बीजा	-	-	2.505	-	2.505	-
शीशम	-	-	0.575	-	0.575	-
हल्दू / मुण्डी	-	-	14.187	-	14.187	-
साजा	-	-	13.917	9	13.917	9
धावड़ा	-	-	6.838	-	6.838	-
पापड़ा	-	-	1.860	-	1.860	-
नीलगिरी	-	-	0.361	-	0.361	-
अन्य	-	-	16.282	1426	16.282	1426
योग-	-	-	**142.913**	**6332**	**142.913**	**6332**

जलाऊ

प्रजाति	निस्तार उपभोक्ता डिपो कुकरेल		केन्द्रीय उपभोक्ता डिपो कुरूद	कुरूद डिपो में पुराना बांस विभिन्न साईज के टुकड़ो में (साईज 5.50 मीटर)
	नया	पुराना	पुराना	
मिश्रित जलाऊ	74 चट्टा	-	-	-
अन्य जलाऊ	-	-	87 चट्टा	1000 नग
योगः-	74 चट्टा	-	87 चट्टा	1000 नग

टीपः- (1) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई- कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं। (2) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है । सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। (3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई- कार्मस पोर्टल में अपने आईडी से लॉगइन करके देख सकते है। (4) ई-ऑक्सन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेंकड का समय प्राप्त होगा उसी लॉट मे अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्रात होगा।

G-252602612/3 फोन - 07722-238371,

वनमंडलाधिकारी
धमतरी वनमंडल धमतरी

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति डोंगरगांव, जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

क्रमांक/मंडी/निर्माण/2025-26/328 डोगरगांव, दिनांक 04.08.2025

:: मैन्यूअल निविदा आमंत्रण सूचना ::

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति डोंगरगांव, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) छ.ग. शासन लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी से पंजीकृत ठेकेदारों से मोहर बंद निविदाएं केवल पंजीकृत डाक से तीन लिफाफा पद्धति से निम्नदर्शित कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग भवन एवं विद्युत कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015 एवं 01.07.2015 से प्रभावशील एस. ओ. आर. एवं इस निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर निविदा प्रपत्र "अ" (प्रतिशत दर) में मंडी कार्यालय डोंगरगांव में आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि - 12.08.2025 को सायं 05.00 बजे तक।
2. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि - 13.08.2025 को सायं 05.00 बजे तक।
3. निविदा दर प्राप्ति की अंतिम तिथि - 20.08.2025 को सायं 05.00 बजे तक।
4. निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि - 21.08.2025 को दोप. 03.00 बजे तक

क्रं	स्थान का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू.)	ब्याने की राशि रू. (एफडीआर में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि	ठेकेदारों की श्रेणी	दर अनुसूची
1	2		3		6	5		7
1	मंडी प्रांगण कृषि उपज मंडी समिति, डोंगरगांव	कृषि उपज मंडी समिति, डोंगरगांव के कार्यालय भवन में मरम्मत कार्य	9.73	9000/-	1000/-	03 माह वर्षा ऋतु सहित	डी एवं उच्च	CG PWD Building work SOR w.e.f. 01.01.2015 and Electricali work SOR w.e.f. 01.07.2015 एवं निविदा जारी दिनांक तक संशोधित
2	उपमंडी प्रांगण छुरिया	उपमंडी छुरिया के कार्यालय भवन में मरम्मत कार्य	9.34	9000/-	1000/-	03 माह वर्षा ऋतु सहित	डी एवं उच्च	

1. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिए वैध पंजीयन/ जी.एस.टी. पंजीयन, पेन कार्ड वाणिज्यिक चुकता प्रमाणपत्र बैंक साल्वेंसी (एक साल से पुराना न हो अनुमानित लागत का 15 प्रति मूल्य का) की मूल प्रति अवलोकनार्थ एवं तथा आवेदन सहित समस्त दस्तावेजों की नोटरी से सत्यापित छायाप्रति प्रस्तुत कर निर्धारित समय में निर्धारित शुल्क नगद राशि जमा कर प्राप्त किये जा सकते है। निविदा प्रपत्र का मूल्य वापसी योग्य नहीं होगा।
2. अमानत राशि राष्ट्रीयकृत बैंक से जारी एफ.डी.आर./ टी.डी. आर या डाक विभाग द्वारा जारी एम. एस. सी. के रूप में सचिव कृषि उपज मंडी समिति, डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव के नाम से देय की स्वीकार होगी।
3. कार्यों से संबंधित समस्त जानकारियों एवं अन्य शर्ते दिनांक 13.08.2025 तक कार्यालयीन समय में देखी/ प्राप्त की जा सकती है, जो कि इस निविदा अनुबंध का अनिवार्य भाग है एवं वरिष्ठालय के पत्र क्र. 221 दिनांक 09.06.2025 के द्वारा संलग्न अतिरिक्त शर्ते क्र. 10 एवं 11 इस निविदा शर्तों इस निविदा शर्तों का भाग होगा।
4. उपरोक्त कार्य हेतु यदि निविदाकार द्वारा लागू दर /दर अनुसूची में 10 प्रतिशत कम दर से नीचे की दर कोट किया जाता है तो निविदा हेतु स्पेशल शर्ते लागू होगी । तदनुसार अंतर की राशि सचिव कृषि उपज मंडी समिति, डोंगरगांव जिला-राजनांदगांव के नाम एफ. डी. आर. के रूप में अनुबंध निष्पादन के पूर्व जामा करना होगा। शर्ते के प्रति निविदाओं के साथ प्रदाय की जावेगी।
5. लिफाफा अ में ई.एम.डी एवं शपथ पत्र लिफाफा ब में समस्त दस्तावेजों (वैघ पंजीयन श्रम कल्याण मंडल (ई.पी.एफ.) का पंजीयन प्रमाण पत्र बैंक साल्वेंशी (एक वर्ष से पुराना न हो एंव अनुमानित लागत का 15 प्रतिशत की मूल्य का) जी.एस.टी. पंजीयन पैनकार्ड की छायाप्रति लिफाफा स में निविदा प्रपत्र लिफाफा द में अ, ब एवं स को भरकर प्रस्तुत किया जावेगा। तथा लिफाफा द में कार्य क्रमांक तथा कार्य का नाम का स्पष्ट उल्लेख करें ।

(रामगोपाल सुनहरे)
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति डोंगरगांव
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

(नरेश लाल मंडावी)
भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति डोंगरगांव
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

S-44797/1

हरिभूमि CLASSIFIED
epaper : www.haribhoomi.com
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 79871-19756 6263818152

Appointment आवश्यकता

ड्रायवर

आवश्यकता है- घरेलु/ऑफिस कार्य हेतु कार चलाने के लिए ड्रायवर की आवश्यकता है शांति नगर के आसपास के रहवासी को प्राथमिकता वेतन 10000/- से 13500/- बाहर वाले को रहने की सुविधा DRIVING LICENSE 2021 से पहले का हो कार्य समय सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक **संपर्क श्री मेडिकल एजेंसी 28 पुराना मेडिकल काम्पलेक्स मों.- 9300227050.** (RO-6763)

आवश्यकता

आवश्यकता है- सोर्टर लोडर (पिकर पैकर) और वेन से डिलीवरी हेतु कूरियर ऑफिस में लड़कों की आवश्यकता है, 8वी से 12 वी पास,सैलरी+ बोनस । **सम्पर्क करे- +91 7354577811, 9109310898.(निशुल्क जॉब)** (आरो न.-7195)

आवश्यकता है- दवा कंपनी में कार्य करने हेतु दसवीं एवं बारहवीं पढ़े लिखे लड़कियों की आवश्यकता है। मिलने का समय 5 से 7 बजे । **संपर्कः- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने बजाज गोल्ड फायनेंस के पीछे दुर्ग,डॉ.एच.सी.अग्रवाल मो.-94255-55659, 96177-89223.** (आरो नं.-7193)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- आफिस कार्य दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में आफिस कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार कॉल / **मेसेज 7999847673 समय - 12 से 5 तक** (आरो न.-794)

क्लासीफाईड

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वीं 12वीं पास छात्रों के लिए जो ग्वालियर में रह कर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस प्रमोशन+ ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना मो. **9039470547, 88155 22974** (RO-6761)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है उम्र 18 से 25 जो बाहर रहकर कार्य करे (रहना फ्री) सैलरी 10,000 +कमीशन +बोनस **संपर्क करे:- 8085106943 मुंगेली नाका चौक बिलासपुर** (RO-191)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.** (RO-6762)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Reliance jio 5-G कंपनी घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Name, Address, Qualification,Call/ WhatsApp करें- 6200736250. (RO-1082)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

Finance फायनेंस

फाइनेंस - रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर मुद्रा लोन योजना अंतर्गत सभी प्रकार लोन आसान किस्तों पर प्राप्त करे घर बैठे 2% वार्षिक ब्याज 30% छूट महिलाओं और किसानों को विशेष छूट **हेल्प लाइन 8127684826, हेड ऑफिस 9889062539.** (RO-203)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

जैकेट के शेष

बादल फटने से ....

लोगों की संख्या के बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं मिली है लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि यह संख्या 50 से अधिक हो सकती है क्योंकि बाढ़ के पानी के तेज बहाव के कारण लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने का मौका ही नहीं मिला। धराली में आई बाढ़ में कई मकान और होटल तबाह हो गए। धराली गंगोत्री धाम से करीब 20 किलोमीटर पहले पड़ता है और यात्रा का प्रमुख पड़ाव है।

दवा निगम से ....

आज ईडी ने उसकी चालीस करोड़ की संपत्ति को अटैच किया है। दूसरी ओर,जनसंपर्क आयुक्त रवि मित्तल का कद बढ़ा है। उन्हें वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ संयुक्त सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थ किया गया है।

जिन अधिकारियों के प्रभार बदले गए हैं, उनमें रीना बाबा साहेब कंगाले सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग तथा आयुक्त भू-अभिलेख का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं अविनाश चम्पावत सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा पुनर्वास विभाग को, सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर पदस्थ करते हुये सचिव, जनशिकायत निवारण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौपा गया है। रितेश कुमार अग्रवाल संचालक, कोष एवं लेखा तथा अतिरिक्त प्रभार संचालक, पेंशन, पंजीयक, फर्म एवं संस्थाएं को प्रबंध संचालक, छग मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन, रायपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। प्रभात मलिक मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छग इंफोटेक प्रमोशन सोसायटी (चिप्स), रायपुर तथा अतिरिक्त प्रभार संयुक्त सचिव, सुशासन एवं अभिसरण विभाग, संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचालक, उद्योग एवं नोडल अधिकारी, प्रधानमंत्री गतिशक्ति परियोजना को केवल संयुक्त सचिव, सुशासन एवं अभिसरण विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है।

हिना और अश्वनी को .....

पदस्थ किया गया है। अश्वनी देवांगन उप सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को मिशन संचालक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के पद पर पदस्थ करते हुये संचालक, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

रवि मित्तल संयुक्त ....

के पद पर पदस्थ करते हुये आयुक्त, जनसंपर्क तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संवाद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जयश्री जैन, मिशन संचालक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन तथा अति. प्रभार संचालक, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त उप सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के पद पर पदस्थ किया गया है। दीपक कुमार अग्रवाल नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव, लोक आयोग का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है।

सीजीपीएमसी घोटाले में ....

संभावना काफी मजबूत हो गई है कि इस महाघोटाले में मनी लाड्रिंग का खेल भी हुआ है। ईडी की टीम ने 30 जुलाई की सुबह मोक्षित कार्पोरेशन के डायरेक्टर शशांक चोपड़ा, उनके रिश्तेदारों के साथ जेल में बंद कुछ विभागीय अधिकारियों के ठिकानों पर दबिश देकर जांच की थी। जांच दुर्ग, रायपुर के साथ बिलासपुर के 20 ठिकानों में हुई थी। ईडी द्वारा जारी अधिकृत बयान में बताया गया कि आवासीय, कार्यालय परिसर में तलाशी के दौरान बैंक खातों में जमा राशि, फिक्स डिपाजिट, डीमैट खातों में शेयर और दो लग्जरी वाहनों के रूप में 40 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज/डिजिटल उपकरण और संपत्तियां जब्त की गई हैं। इस रीएजेंट घोटाले की जांच राज्यस्तर पर ईओडब्लू द्वारा की जा रही थी। मामले में शशांक चोपड़ा के साथ सीजीएमएससी के पूर्व अधिकारी बसंत कुमार कौशिक, कमलकांत पाटनवार, क्षिरौद्र रौतिया, दीपक कुमार के साथ स्वास्थ्य संचालनालय से जुड़े डा. अनिल परसाई शामिल हैं।

यह था मामला....

ऐसे स्वास्थ्य केंद्रों में भेज दिया गया था, जहां उसका उपयोग ही नहीं था। इससे करोड़ों के रीएजेंट और केमिकल बिना उपयोग के खराब हो गए। गंभीर शिकायतों के बाद ईओडब्लू ने मामले की जांच के बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम का अपराध दर्ज किया। इससे जुड़े लोगों की गिरफ्तारी की थी।

कई बड़े अफसरों से ....

उपकरण की खरीदी बिना आला अधिकारियों की सहमति के कैसे संभव थी। ईओडब्लू द्वारा अपनी जांच के दौरान भी कुछ उच्च स्तर के अधिकारियों से भी पूछताछ की गई थी।

अब भी खाली हवा....

टोला घाट पर बनाया गया है। इस ब्रिज की खास बात यह है कि इसे लोहे की रस्सियों के सहारे बनाया गया है। ब्रिज में कॉलम का उपयोग नहीं किया गया है। लंबी अवधि की क्षमता, उच्च भार वहन क्षमता, लचीलापन और टिकाऊपन, सुंदरता के लिहाज से इसे तैयार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सस्पेंशन ब्रिज का मुख्य घटक मुख्य केबल है, जो पुल के डेक को सहारा देने के लिए टावरों से गुजरते हैं। ये केबल बहुत मजबूत हैं और पुल के वजन और उस पर पड़ने वाले भार को सहने में सक्षम रखते हैं।पुल के दोनों सिरों पर टावर हैं, इसमें मुख्य केबलों को सुरक्षित रूप से बांधा गया है। छोटे और मुख्य केबल पुल के डेक को जोड़ हुए हैं। ये अन्य पुलों की तुलना में अधिक लचीले होते हैं, जो उन्हें भूकंप और तेज हवाओं जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने में सक्षम बनाते हैं।

BILASPUR SMART CITY LIMITED
3rd FLOOR, ICCC Building, at Tarbahar Thana Bilaspur (C.G.)
Phone No. 07752-222642, Fax. 07752-413888, e-mail: tenders.bscl@gmail.com

E-Procurement-REQUEST FOR PROPOSAL

No.372/BSCL/2025-26 Bilaspur, Dated 04/08/2025

BSCL invites online proposal following works from eligible contractors:

NIT No.	System Tender No.	Name of work	Probable Amount of Contract (in Lakhs)	Bid Due Date
244	173167	Selection of Agency for construction of Academic Blocks at Education Hub in Zone-5 of Bilaspur Municipal Corporation Madhuban area, Bilaspur (C.G.). (Funded under DMF)	1482.80	27/08/2025 IST 05:30 PM

Interested parties may view and download RFP Document details online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in

Green City, Clean City, Smart City.

MANAGER
BILASPUR SMART CITY LIMITED

पेज एक के शेष

बच्चों के भविष्य...

शिक्षा देना हर राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि प्राइवेट स्कूल के मालिक बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं और खुद मर्सिडीज गाड़ियों में घूम रहे हैं। हाल यह है कि पान दुकान वाले भी बिना मान्यता के नर्सरी स्कूल चला रहे हैं। दरअसल, प्रदेश के कई निजी स्कूल बिना किसी मान्यता के नर्सरी से लेकर कक्षा 8 वीं तक की पढ़ाई करा रहे हैं। इस मामले को लेकर विकास तिवारी ने जनहित याचिका दायर की है। यह याचिका उन स्कूलों के खिलाफ दायर की गई थी, जिन्होंने आरटीई कानून के तहत गरीब तबके के बच्चों को प्रवेश नहीं दिया, जबकि वे इसके लिए बाध्य थे। आरोप यह है कि ये स्कूल बिना मान्यता के चल रहे हैं और सरकारी सब्सिडी और नियमों की अनदेखी करते हुए मनमानी फीस वसूल कर रहे हैं। याचिका पर चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने पूर्व में स्कूल शिक्षा सचिव को हलफनामा के साथ बताने को कहा है कि, जब 2013 के सर्कुलर के अनुसार नर्सरी कक्षाएं भी मान्यता के दायरे में आती हैं, तो फिर बिना मान्यता स्कूल कैसे चलाए जा रहे हैं। हाईकोर्ट ने यह भी पूछा कि जब पहले ही कहा गया था कि जब तक इन स्कूलों को मान्यता नहीं मिल जाती, तब तक वे किसी नए छात्र को प्रवेश नहीं दे सकेंगे तो फिर एडमिशन कैसे हुए।

क्या हाईकोर्ट के...

दिया तो पता चला कि शिक्षा सचिव छुट्टी में है। कोर्ट ने पूछा कि कब तक शिक्षा सचिव छुट्टी से आ जाएंगे? सरकारी वकील ने उन्हें बताया कि 15 दिन की छुट्टी में होने की जानकारी है, एक्जेक्ट तिथि उन्हें नहीं पता। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि उन्हें एग्जेक्ट डेट चाहिए, शिक्षा सचिव तो हमारे डर से 15 दिन की क्या छुट्टी आगे बढ़ाकर 30 दिन की छुट्टी में चले जाएंगे, वह परेशान हो गए हैं हमसे क्योंकि उनसे भी बहुत कुछ संभाले नहीं संभल रहा है।

पीएम मोदी ने...

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में उनके 'असाधारण नेतृत्व' के लिए सम्मानित किया गया और एक प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव के दौरान सशस्त्र बलों की भी उनके 'बेजोड़ साहस' और 'अटूट प्रतिबद्धता' के लिए प्रशंसा की गई।

पत्नी और बेटे के...

ने कहा कि अभियुक्त अपने बेटे और पत्नी के अंतिम संस्कार के समय भी मौजूद नहीं था, लेकिन वह इस संबंध में कोई स्पष्टीकरण देने में विफल रहा है। निचली अदालत ने मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्य का भी बारीकी से मूल्यांकन किया और पाया कि अभियोजन पक्ष ने अभियुक्त के विरुद्ध अपना मामला उचित संदेह से परे साबित कर दिया है। कोर्ट ने दो हत्याओं के मामले में आरोपी को धारा 302 के तहत दो मामलों में दोषी मानते हुए डबल उम्रकैद की सजा सुनाई है। प्रकरण के मुताबिक शिकायतकर्ता मीरा देवी गुप्ता ने पुलिस स्टेशन महासमुंद में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 12 नवंबर 2016 को वह अपनी ड्यूटी पर गई थीं और अपनी बहू अंजू गुप्ता, पोता प्रतीक राज 8 वर्ष तथा बेटा आरोपी संदीप गुप्ता को घर में छोड़ कर गई थीं। दोपहर लगभग ढाई बजे बेटे संदीप ने फोन किया और बताया कि वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ रायपुर आ गया है। घर की चाबी छोड़ना भूल गए हैं, इसलिए उसे भी रायपुर आना आने कहा। मां अपनी बेटी के घर रायपुर पहुंची और अपने बेटे संदीप को फोन लगाया लेकिन संपर्क नहीं हो सका। जब वह महासमुंद लौटी तो देखा कि दरवाजा बंद है। मकान मालिक की मदद से ताला तोड़ा कर अंदर गई तो पाया कि उसकी बहू अंजू गुप्ता और पोते प्रतीक राज का शव पड़ा था।

बयानों में महत्वपूर्ण...

को मृतक अंजू गुप्ता और प्रतीक की हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया था। उक्त पत्र को पेश नहीं किया गया। घटना में प्रयुक्त पेचकस और पेंसिल कटर आरोपी से जब्त नहीं किया गया है।

24 घंटे में भारत...

हमारे साथ काफी व्यापार करता है, लेकिन हम उसके साथ व्यापार नहीं करते। इसलिए हमने 25 प्रतिशत शुल्क पर समझौता किया, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा, क्योंकि वे रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। वे जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहे हैं। और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी। भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ 'अड़चन' यह है कि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं।

24 घंटे में ....

है और रूस और ईरान के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है, उसे 90 दिन की टैरिफ छूट मिल गई। चीन को छूट मत दीजिए और भारत जैसे मजबूत सहयोगी से रिश्ता मत बिगाड़िए।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष — धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला — कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक — संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

न्यायालय नायब तहसीलदार भाटापारा
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)

ईश्तहार

रा. प्र. क्रं........अ / 27 वर्ष 2024-25
ग्राम- सुमा प.ह.नं. 02

क्योंकि सुमा प.ह.नं. 02 तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के द्वारा आवेदक विनोद कुमार पिता स्व भुवनलाल शर्मा द्वारा निम्नांकित अनुसूची में निर्दिष्ट खाते की भूमि का आवेदक एवं अनावेदकगण में अंश के आधार पर 1/4 हिस्से में अ स के अधार पर खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन किया है, क्योंकि उक्त खाते का बंटवारा किया जाना प्रस्तावित हुआ है, एवं सुनवाई दिनांक 08/08/25 स्थान तहसील कार्यालय भाटापारा में 11:00 बजे नियत किया गया हैं, उक्त खाते में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वे निश्चित दिनांक को या तो स्वतः अथवा किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा हाजिर हो, एवं अपनी आक्षेपों, यदि कोई हो तो पेश करें।

उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर हाजिर नहीं होने पर एवं आक्षेपों को पेश नहीं कर पाने की स्थिति में किसी आक्षेप पर विचार नहीं किया जावेगा।

खाते का विवरण- सर्वेक्षण संख्यांक / भू-खंडाक, सुमा प.ह. नं. 02, खसरा नंबर- 413, 540/1, योग- 02, क्षेत्रफल - 0.0490, 2.8610, योग- 2.9100 भू-राजस्व-,

यह ईश्तहार आज दिनांक 21/07/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर सहित जारी किया।

मुहर

नायब तहसीलदार
भाटापारा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ओव्हरहेड उपकरणों का विस्तार हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-280 25-26, दिनांक : 24-07.2025.

(1) कार्य का नामः बिलासपुर : बिलासपुर डिविजन की मेन लाईन में झारसुगड़ा-रायगढ़ सेक्शन के बीच ओवरहेड उपकरणों का विस्तार। निविदा मूल्य : ₹ 2,71,93,830.97 /-, अमानत राशि : ₹ 2,86,000.00 /-। (2) कार्य का नामः (1) बिलासपुर डिविजन में ओएचई की विश्वसनियता में सुधार के लिये ओएचई प्रतिष्ठानों का प्रतिस्थापन। (2) बिलासपुर डिविजन में ओएचई की विश्वसनियता में सुधार के लिये TIMI/008, Rev.-1 के अनुसार रेज्ड रजिस्टर आर्म क्लैंप का प्रतिस्थापन। (3) बिलासपुर मंडल में ऑटो टेंशनिंग डिवाइसा का पुनर्वास। (4) भनवारटंक यार्ड में एफओबी के निर्माण के संबंध में ओएचई का प्रावधान / संशोधन। (5) सारबाहरा यार्ड में एफओबी के निर्माण के संबंध में ओएचई का प्रावधान / संशोधन। निविदा मूल्य : ₹ 2,68,39,589.35 /-, अमानत राशि : ₹ 2,84,200.00 /-। निविदा जमा करने की तिथि व समयः 18.08.2025 के 15:00 बजे तक। पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिये कृपया हमारे वेबसाइट- www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।

वरि.मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/FL/207 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./2519/ न.पा.नि./लो.नि.शाखा/2024-25 बीरगांव, दिनांक 04/08/2025

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
e-Procurement Tender Notice (2nd Call)
(System Tender 173155 (2nd Call))
(Bid Start Date 04.08.2025 Time 15:30, Bid Due date 20.08.2025 Time 17:30, Physical Submission Date 27.08.2025 Time 16:00, Bid open Date 27.08.2025 Time 17:00)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा Construction of Toilet Block Type-2 (6 Seater) Aspirational Toilet at ward No. 12 in Front of Ramayan Maidan Rawabhata Near ESIC Hospital (Tender Cost 16.92 lakh) Tender system no. 173155 के लिये छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र "F" में छत्तीसगढ़ के पी.डब्लू.डी. भवन एस.ओ. आर. 2015 एवं इलेक्ट्रीकल एस. ओ. आर. 2020 (अंतिम तिथि तक संशोधित) अनुसार लमसम दर पर कार्य संपादन हेतु दिनांक 20.08.2025 (आवेदन करने की अंतिम तिथि) तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है ।

इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड/प्राप्त कर ई टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है ।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर
मामले की श्रेणीः राजस्व

संदर्भः- जिला रायपुर तहसील-अभनपुर प.ह.न.- 00023 नाहनाचंडी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरणक्रमांक-RD202425441629700020

ईश्तहार

तहसील अभनपुर के प.ह.न. 00023 के अंतर्गत ग्राम नाहनाचंडी के वर्तमान भूमिस्वामी बिसाहीन पिता/पति-कार्तिक साहू पता-नाहनाचंडी, दुर्गा बाई पिता/पति-कार्तिक साहू पता-नाहनाचंडी, रघुवीर पिता/पति-कार्तिक साहू पता-नाहनाचंडी, कुमारी पिता/पति-कार्तिक साहू पता-नाहनाचंडी, पवन कुमार पिता/पति-कार्तिक साहू पता-नाहनाचंडी, दुलारी पिता/पति-कार्तिक साहू पता-नाहनाचंडी, हीराधर उर्फ दिनेश पिता/पति-कार्तिक साहू पता-नाहनाचंडी, माया पिता/पति कार्तिक साहू पता-नाहनाचंडी के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 246/1(0.2300), 1132 (0.1700) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता पवन कुमार साहू पिता/पति-कार्तिक राम साहू पता-म.नं. 6डी. सड़क नं. एन.पी.ए. सेक्टर08, भिलाई नगर जिला दुर्ग छ.ग. के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 13/08/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार अभनपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/07/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदारः SITA SHUKLA
तहसील - अभनपुर

:: आम सूचना ::

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम धमतरी प.ह.नं. 00033 रा.नि.मं. धमतरी तहसील व जिला धमतरी में स्थित खसरा नं. 1680/1 रकबा 0.0380 हे., 1680/9 रकबा 0.0150 हे. एवं 1680/13 रकबा 0.0160 हे. कुल खसरा तीन एवं रकबा 0.069 हे. स्थित है जो प्रहलाद सिन्हा वल्द तिरथराम सिन्हा के नाम से दर्ज है। यह संपत्ति मूल रूप से प्रहलाद सिन्हा को उसके पिता तिरथ राम सिन्हा एवं तिरथ राम सिन्हा को उसके पिता से खानदानी हक से प्राप्त संपत्ति है। मेरे पक्षकार श्रीमती अंजली मानस/श्रीमती वंदना सिन्हा एवं श्रीमती प्रियंका जायसवाल तथा मृनाल सिन्हा प्रहलाद सिन्हा के संतान है। मेरे पक्षकार एवं मृनाल की माँ श्रीमती रूपा सिन्हा की मृत्यु सन 2012 में हो चुकी है। मेरे पक्षकार के माँ की मृत्यु के पश्चात प्रहलाद सिन्हा ने दूसरी शादी किया है, जिससे प्रहलाद सिन्हा के तरफ से कोई भी संतान नहीं है वर्तमान में मृनाल अपने पिता के साथ ही निवास कर रहा है।

यह कि उपरोक्त संपत्ति धमतरी में स्थित खसरा नं. खानदानी संपत्ति है जिस पर हिन्दू अधिकार अधिनियम धारा 06 के अनुसार मेरे पक्षकार सहित मृनाल एवं मेरे पक्षकार के पिता का सभी का बराबर का हक एक स्वामित्व है।

यह कि मेरे पक्षकार के पिता प्रहलाद सिन्हा उपरोक्त संपत्ति अर्थात धमतरी प.ह. नं. 00033 में स्थित खसरा नं. 1680/1 रकबा 0.0380 हे., 1680/9 रकबा 0.0150 हे. एवं 1680/13 रकबा 0.0160 हे. कुल खसरा तीन एवं रकबा 0.069 हे. जो खानदानी संपत्ति होने से मेरे पक्षकारों का विधि अनुसार समान हिस्सा है एवं संपत्ति का Coparcener (सहभागी उत्तराधिकारी) है। उपरोक्त संपत्ति जिला धमतरी के क्षेत्र में अंतर्गत सिहावा नगरी राष्ट्रीय राजमार्ग एवं मैत्री विहार कालोनी के रोड के सामने स्थित है। जिसे मेरे पक्षकार के पिता प्रहलाद सिन्हा विक्रय करना चाहते है एवं विक्रय हेतु अग्रिम राशि की प्राप्त किये हैं।

अतः इस आम सूचना द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संपत्ति को किसी भी प्रकार अंतरण/ विक्रय/ दान के द्वारा प्राप्त नहीं करें एवं नहीं खरीदे। इस आम सूचना पत्र के पश्चात भी कोई व्यक्ति या संस्था खरीदता अथवा अन्य रूप से स्वामित्व प्राप्त करता है तो उसे किसी भी प्रकार हंक स्वामित्व प्राप्त नहीं होगा। अतः सूचना जाने।

रायपुर दिनांक 06/08/2025

जे.के. शर्मा/कान्हा शर्मा, अधिवक्ता
लीला सदन, शुक्ला कालोनी रवि नगर
रायपुर (छ.ग.) मो. नं. 8717845999

BODHNI DEVI NURSING INSTITUTE
NEAR LATE SHRI BALIRAM KASHYAP MEMORIAL MEDICAL COLLEGE, DIMRAPAL, JAGDALPUR (C.G.)

Under Temporary Affiliation College to Pt. Deendayal Upadhyay Memorial Health Sciences & Ayush University of Chhattisgarh, Uparwara, Nava Raipur **Application are invited for following posts under Statue - 16**

S. No.	Name of the post	No. of Post	Qualification and Experience As per INC Norms
01	Professor cum Principal	01	**Essential Qualification:-** M.Sc.(N) **Experience:-** M.Sc. (N), Ph.D. (N) having total 15 years experience with M.Sc. (N) out of which 10 years after M.Sc.(N) in collegiate programme. Ph.D.(N) is desirable
02	Professor cum Vice-Principal	01	**Essential Qualification:-** M.Sc.(N) **Experience:-** M.Sc.(N) Total 12 years experience with M.Sc. (N) out of which 10 years teaching experience after M.Sc.(N) Ph.D. (N) is desirable.
03	Professor	01	**Essential Qualification:-** M.Sc.(N) **Experience:-** M.Sc.(N) Total 12 years experience with M.Sc. (N) out of which 10 years teaching experience after M.Sc. (N) Ph.D. (N) is desirable.
04	Associate Professor/ Reader	02	**Essential Qualification:-** M.Sc.(N) **Experience:-** Total 8 years experience with M.Sc.(N) including 5 years teaching experience Ph.D. (N) is desirable.
05	Assistant Professor/ Lecturer	04	**Essential Qualification:-** M.Sc.(N) **Experience:-** M.Sc. (N) with total 3 years teaching experience Ph. D. (N) desirable.

Other terms & conditions :-
1. Experience : As per Council Norms
2. Pay Scale : As per State Govt. Pay Scale
3. Reservation : As per State Government Norms

Selection criteria:- Selection will decide on merit. Merit list will be prepared on the basis of Academic marks, Educational Qualification, Interview, Experience and Academic contribution of candidate in various field like-
* Number of paper publications in various national/international journals.
*Paper presentation in conferences.
* Total No. of conferences attended.

Last date of receipt of Application:- Within 15 Days from the date of publication of advertisement.

In-charge Registrar

कार्यालय नगर पालिका परिषद तिल्दा - नेवरा, जिला - रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. 07721-233326, Email npalika_tilda@yahoo.in

क्रमांक / 493/लो.नि.वि./न.पा./2025 - 26 तिल्दा - नेवरा, दिनांक 04.08.2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद तिल्दा - नेवरा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	लागत राशि	निविदा राशि (रू. लाख में)		अमानत राशि	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
			SOR	Non SOR		
01	आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य, गुरूनानक वार्ड क्र. 05 (सिस्टम टेंडर क्र. 173179)	11.55	10.87	0.68	8800.00	अंतिम तिथि 26.08.2025
02	आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य शितला वार्ड क्र. 10 (सिस्टम टेंडर क्र. 173194)	11.55	10.87	0.68	8800.00	फिजिकल जमा तिथि 01.09.2025
03	आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य, बजरंग वार्ड क्र. 18 (सिस्टम टेंडर क्र. 173197)	11.55	10.87	0.68	8800.00	
04	आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य, महामाया वार्ड क्र. 08 (सिस्टम टेंडर क्र. 173221)	11.55	10.87	0.68	8800.00	बिड खोले जाने की तिथि 02.09.2025

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in/ से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् तिल्दा - नेवरा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण के द्वारा गठित छ.ग. राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव निर्धारण प्राधिकरण के आदेश क्रमांक 017/DEIAA//EC/2016 Kanker DATE 26/12/2016 के द्वारा खैरखेड़ा आर्डिनरी स्टोन ग्राम खैरखेड़ा, तहसील- चारामा जिला- बस्तर (छ.ग.) की चुनापत्थर खदान (3.00 हेक्टर) पर खनन हेतु पर्यावरण स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उक्त पर्यावरण स्वीकृति आदेश की एक प्रति छ.ग. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रायपुर के समक्ष सुरक्षित है तथा उक्त आदेश को छ. ग. राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव निर्धारण प्राधिकरण की वेबसाईट www. enviro.nic.in पर देखा जा सकता है।

अतः सर्वेसाधारण को सूचित हो।

अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
खैरखेड़ा आर्डिनरी स्टोन

कार्यालय नगर पंचायत टुण्डरा
जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक /391/ न.पं./ लो.नि.शा./ 2025-26 टुण्डरा, दिनांक 04/08/2025

प्रथम ई-निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पंचायत टुण्डरा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनु.लागत (रु. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
01	173156	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Panchayat, Tundra Under SBM 2.0	173.27	28/08/2025 17:00:00

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

जल ही जीवन है, कृपया पानी व्यर्थ न बहावें। समय पर करों का भुगतान करें।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत टुण्डरा
जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: http://cgeprocurement.gov.in WRD
Portal:http://wrd.cgeprocurement.gov.in

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित सिस्टम निविदा क्रमांक 168061 निआसू क्रमांक 02/वलेलि/ 25-26 दिनांक 13.05.2025 बस्तर जिले के विकासखण्ड बस्तर के विश्रामपुरी जलाशय में बांध के ऊपर मिट्टी कार्य, नवीन स्लूस वेस्ट वियर कार्य एवं नहर लाईनिंग एवं स्ट्रक्चर का निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण) जिसका जी नंबर 252600848 दिनांक 14.05.2025 है, को योग्य निविदा की संख्या निरंक होने के कारण निरस्त किया जाता है ।

कार्यपालन अभियंता
टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग
जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)

G-252602599/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग कांकेर
जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)
e-mail- eewrknk@cgwrd.in

क्रमांक /2144/ व.ले.लि./2025-26 कांकेर, दिनांक 04/08/2025

:: निविदा निरस्तीकरण सूचना ::

इस कार्यालय की **निविदा सूचना क्रमांक 17 / व.ले.लि. सिस्टम क्रमांक 161055 दिनांक 13.11.2024 द्वारा कांकेर जिले के विकासखण्ड अंतागढ़ की अनुविभागीय कार्यालय अंतागढ़ का जीर्णोधार कार्य**, अनुमानित लागत रूपये 5917096.00 के लिए आमंत्रित निविदा मुख्य अभियंता (निविदा प्रकोष्ठ), कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग रायपुर के पत्र क्रमांक 4263332 / नि.प्र / 2024 / 201 (TC) रायपुर, दिनांक 15.01.2025 में दिए गए निर्देशों के परिपालन में उक्त आमंत्रित निविदा खोली गई एवं इस कार्यालय के LOA 00165 / 1769 / व.ले. लि, दिनांक 26.06.2025 में दिए गए निर्धारित अवधि तक निविदाकार अनुबंध करने हेतु कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए।

अतः अनुबंध की **कंडिका 2.10** के तहत **निविदा को निरस्त करते हुए अमानत राशि राजसात** की जाती है।

निविदा प्रकाशन क्रमांक **G-242503781** दिनांक 15.11.2024 है।

यह ओदश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग कांकेर
जिला- उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

G-25260259 8/4

शब्द पहेली - 5950

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 5949 का हल

सूडोकु नवताल- 5960 (मध्यम)

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल- 5959 का हल

भारत के लिए टैरिफ वॉर के बीच खुशखबरी, 11 माह के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंची मांग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टैरिफ वॉर के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है। चीन और अमेरिका के दबाव के बावजूद भारतीय मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर ने दमदार प्रदर्शन किया है। एचएसबीसी इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 11 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। यह उछाल नए निर्यात ऑर्डर और कुल बिक्री में तेज वृद्धि से समर्थन दिखा है। एचएसबीसी इंडिया ने जारी मासिक सर्वेक्षण में बताया कि मैन्युफैक्चरिंग के बाद अब सर्विस सेक्टर ने भी तेजी दिखाई है। एचएसबीसी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.5 रहा जो जून में 60.4 पर था। विस्तार की दर अगस्त 2024 के बाद से सर्वाधिक है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का मतलब इसमें गिरावट है। एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि सेवा गतिविधि सूचकांक के 60.5 पर होने से नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि के दम पर मजबूत वृद्धि की गति का संकेत मिलता है।

सर्विस सेक्टर की पीएमआई 11 महीने के शीर्ष पर

कीमतों में उछाल से भी ग्रोथ पर असर नहीं

भंडारी ने कहा कि कीमतों के मोर्चे पर कच्चे व तैयार माल दोनों की कीमतें जून की तुलना में थोड़ी तेजी से बढ़ीं, लेकिन आगे चलकर इसमें बढ़लाव हो सकता है। जैसा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक व थोक मूल्य सूचकांक के हालिया आंकड़ों से संकेत मिलता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई फरवरी से 4 फीसदी से नीचे बनी हुई है। जून में यह 2.1 फीसदी थी।

नए कारोबार में लगातार ग्रोथ

सर्वेक्षण में कहा गया कि नए व्यवसायों में निरंतर वृद्धि उत्पादन वृद्धि का मुख्य कारण रही है। साथ ही भारतीय सेवा प्रदाताओं ने अपनी सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में भी मजबूत सुधार का स्वागत किया है। इसमें कहा गया कि उन्हें एशिया, कनाडा, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका से नए काम मिलने की सूचना मिली है। कीमतों के मोर्चे पर, कच्चे माल व तैयार माल शुल्क जून की तुलना में तेजी से बढ़े। उत्पादन कीमतों में ठोस वृद्धि बढ़ी हुई लागत और मजबूत मांग को दर्शाती है।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा होगी

नीतिगत ब्याज दर पर आज आएगा एमपीसी का फैसला, बदलाव की संभावना कम

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि हाल ही में तीन बार में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती के बाद इस बार नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना कम है। मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत दर पर विचार-विमर्श का सिलसिला सोमवार से ही जारी है। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसले की घोषणा बुधवार सुबह 10 बजे की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार रिजर्व बैंक ब्याज दर को लेकर यथास्थिति बनाए रख सकता है।

- हाल ही में तीन बार में रेपो दर में कुल एक फीसदी की कटौती हो चुकी

खास बातें

- इस बार नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना काफी कम
- आरबीआई अधिक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का इंतज़ार कर सकता है

उद्योग जगत को 0.25 फीसदी कटौती की उम्मीद

अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आरबीआई अधिक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर सकता है। हालांकि, उद्योग जगत के एक तबके को उम्मीद है कि बुधवार को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत अंक की कटौती की जा सकती है। इस साल फरवरी से लेकर जून तक हुई तीन एमपीसी बैठकों में कुल एक प्रतिशत अंक की कटौती की जा चुकी है।

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी अस्थिर

ग्रांट थॉर्नटन भारत में साझेदार विवेक अय्यर ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी अस्थिर है और पिछली दर कटौतियों के असर को पूरी तरह देखने के लिए अभी और समय की दरकार है। उन्होंने कहा, "सीमा शुल्क से जुड़ी अनिश्चितता के पहलू को आरबीआई पिछली दर कटौती के समय ही ध्यान में रख चुका है। ऐसे में हमें नहीं लगता है कि इसका नीतिगत निर्णय पर तत्काल प्रभाव पड़ना चाहिए।"

दरों को स्थिर बनाए रखने की उम्मीद

आरईए इंडिया (हाउसिंग डॉट कॉम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रवीण शर्मा ने कहा कि इस साल पहले ही एक प्रतिशत अंक की कटौती हो चुकी है लिहाजा दरों को स्थिर ही बनाए रखने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा, "घर खरीदार अब अल्पकालिक ब्याज दरों से कहीं ज्यादा दीर्घकालिक आत्मविश्वास से प्रेरित हैं।

लचीले भुगतान से घरों की मांग बनी हुई

रियल एस्टेट डेवलपर भी लचीले भुगतान विकल्पों और सूझबूझ भरे प्रोत्साहनों के जरिये घरों की मांग बनाए हुए हैं।" एमपीसी में आरबीआई के तीन सदस्यों के रूप में गवर्नर मल्होत्रा, डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता और कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन शामिल हैं जबकि बाहरी सदस्यों में नागेश कुमार, सौरभ भट्टाचार्य और राम सिंह शामिल हैं।

खुदरा मुद्रास्फीति चार फीसदी के नीचे

केंद्र सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घटबढ़ के साथ चार प्रतिशत के दायरे में बनाए रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार चार प्रतिशत के नीचे बनी हुई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दरों में बदलाव से पहले आरबीआई को और अनुकूल आंकड़ों का इंतजार रहेगा।

बिजनेस साइट

एक्सिस बैंक ने सुरक्षा के लिए शुरू की 'लॉक एफडी' सुविधा

रायपुर। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने उद्योग में पहली बार एक सुविधा - 'लॉक एफडी' शुरू करने की घोषणा की, जिसे ग्राहकों की टर्म डिपॉज़िट को बढ़ती डिजिटल धोखाधड़ी से बचाने के लिए तैयार किया गया है। यह नए किस्म का फीचर, बैंक के मोबाइल ऐप 'ओपन' साथ-साथ उसकी सभी शाखाओं में उपलब्ध है। यह ग्राहकों को मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग जैसे डिजिटल माध्यमों से सावधि जमा (एफडी) को समय से पहले बंद होने से रोकने में मदद करता है, और साइबर खतरों से अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है। 'लॉक एफडी' ग्राहकों की टर्म डिपाज़िट को डिजिटल धोखाधड़ी से बचाने के लिए एक नया सुरक्षा फीचर है, जो ग्राहकों को डिजिटल माध्यमों से एफडी बंद करने पर रोक लगाने में मदद करता है। इस फीचर का विकल्प चुनने वाले ग्राहकों को अपनी एफडी को समय से पहले बंद करने के लिए शाखा में जाना होगा। जमा राशि लॉक होने के बाद डिजिटल माध्यमों से समय से पहले बंद करने का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा। पहचान की सख्ती से जांच के साथ शाखा में सत्यापन से अनधिकृत पहुंच का जोखिम कम होता है।

- टर्म डिपॉजिट को धोखाधड़ी से बचाने के लिए तैयार किया गया

पेटीएम से खत्म होगा चीन की कंपनी का नियंत्रण

नई दिल्ली। देश की जानी मानी फिनटेक कंपनी पेटीएम को लेकर ये खबर सामने आई है कि चीन का एंट ग्रुप अपने शेयर बेचने जा रहा है। वन97 कम्युनिकेशंस के बड़े शेयरधारकों में से एक है चीन का एंट ग्रुप। लेकिन, खबर के मुताबिक, पांच अगस्त को एक ब्लॉग डील के जरिए चीन का यह एंट ग्रुप अपनी पूरी हिस्सेदारी 5.84 प्रतिशत को 3803 करोड़ रुपए यानी 38 अरब रुपए में बेचने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि चीन के अलीबाबा ग्रुप की एक सहयोगी कंपनी है एंटफिन। इसे पहले एंट फाइनेंसिया के तौर पर भी जाना जाता था। पिछले दो सालों के अंदर कई बड़े इन्वेस्टर्स ने पेटीएम में अपने हिस्सेदारी बेची है, जिनमें जापान की सॉफ्ट बैंक ग्रुप और वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर हैथवे शामिल है। गोल्डमैन सैक्स इंडिया सिक्योरिटीज और सिटी ग्रुप मार्केट्स इंडिया इस डील को लीड करेंगे।

सोना 800 रुपए चढ़ा, चांदी में 2,000 रुपए की तेजी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्टॉकिस्टों की भारी लिवाली के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 800 रुपये बढ़कर 98,820 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। राष्ट्रीय राजधानी में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार को 700 रुपये बढ़कर 98,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। सोमवार को इसकी कीमत 97,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, ''सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अगले महीने होने वाली बैठक में ब्याज दरों में कटौती के चक्र को फिर से शुरू करने को लेकर बढ़ती आम सहमति के कारण मंगलवार को सोने की कीमतों में तेजी आई।'' गांधी ने कहा, ''फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की नरम रुख वाली टिप्पणियों और पिछले हफ्ते की निराशाजनक रोजगार बाजार रिपोर्ट के कारण कारोबारियों के बीच सितंबर में फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक में प्रमुख ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ी है। इससे सोने के कारोबारियों का उत्साह बढ़ा है।''

ओला इलेक्ट्रिक 15 अगस्त को उत्पादों का खाका करेगी पेश

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक 15 अगस्त को अपने वार्षिक कार्यक्रम में उसके उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों से जुड़ा खाका पेश करेगी। वार्षिक कार्यक्रम 'संकल्प' 15 अगस्त को तमिलनाडु के कृष्णागिरी स्थित ओला इलेक्ट्रिक की 'गीगाफैक्ट्री' में आयोजित होगा। कंपनी ने बयान में कहा, " कंपनी, संकल्प-2025 के दौरान अपने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में 'इंडिया इनसाइड विजन' पेश करने को तैयार है।" उन्होंने कहा कि संकल्प-2025 इलेक्ट्रिक वाहन और ऊर्जा क्रांति को अगले स्तर पर ले जाने की दिशा में एक साहसिक कदम है। बयान में कहा गया कि यह देश की पहली लिथियम-आयन सेल निर्माण सुविधा 'गीगाफैक्ट्री' में कंपनी का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है।

खबर संक्षेप

अदाणी बने एपीएसईजेड के गैर-कार्यकारी चेयरमैन

नई दिल्ली। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने उद्योगपति गौतम अदाणी को तत्काल प्रभाव से कार्यकारी चेयरमैन से गैर-कार्यकारी चेयरमैन बना दिया गया है। एपीएसईजेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश के आधार पर निदेशक मंडल ने गौतम अदाणी को कार्यकारी चेयरमैन से गैर-कार्यकारी चेयरमैन बनाने को मंजूरी दे दी है। यह बदलाव पांच अगस्त से प्रभावी हो गया और इसके परिणामस्वरूप वह कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कर्मी नहीं रहेंगे।

एयरटेल का लाभ 43 प्रतिशत बढ़कर 5,947.9 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 43 प्रतिशत बढ़कर 5,947.9 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 4,160 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। भारती एयरटेल ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी एकीकृत परिचालन आय 28.4 प्रतिशत बढ़कर 49,463 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 38,506.4 करोड़ रुपये थी। भारती एयरटेल का भारत में राजस्व सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 37,585 करोड़ रुपये हो गया।

Government Of Maharashtra, Public Works Department, Marathi Resolution No. CAT 2017/PRA.KRA 8/ Bldg-2/dt. 27.09.2018

SHORT TENDER NOTICE

Government of Maharashtra
Executive Engineer, Public Works Division, Satara,
Opp Renuka Petrol Pump, Powai Naka, Satara - 415 001
email satara.ee@mahapwd.gov.in
Phone / Fax : 02162/234329

SHORT TERM E-TENDER NOTICE NO. 29 FOR 2025-2026

online **B-1** e-tenders for the following work are invited by the Executive Engineer, Public Works Division, Satara- 415 001 (Telephone No. 233792) from the contractors Registered with Government of Maharashtra Public Work Department in appropriate class Or Reputed and experienced Contractors/Firms who fulfill the terms and condition of tender and having experience of similar type of work. Details of Tender Document is available on website "https://mahatenders.gov.in" and "www.mahapwd.gov.in". Tender Document shall be downloaded online. Other term and condition displayed in online e-tender forms. Right to reject any or all online bid of work without assigning any reasons is reserved by Competent Authority. Conditional Tenders will not be accepted. **Estimated rates does not contains GST. Contractors shall also quote their rates without GST (Excluding GST). GST will be paid to Contractors at prevailing rates on bill amount separately.**

e-tender work No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs. in Lakh)
1	Construction of Revenue Bhawan Building at Phaltan Tal. Phaltan Dist. Satara.	609.19

e-tender download Period :- **Dt. 06/08/2025** at 10.00 a.m. to **Dt. 13/08/2025** at 17.30 p.m.
Pre-bid Meeting :- On or before **Date. 11/08/2025** (**Venue** - Chief Engineer, Public Works - Region, Pune Central Building, Pune **up to 12.30 A.M.**
Date and timing of opening:- **Dt. 18/08/2025** at 11.05 a.m. to **Dt. 19/08/2025** at 17.30 p.m. (**If Possible**)
Details of Tender Document is available on website.
1. "www.mahatenders.gov.in" and
2. "www.mahapwd.gov.in".
(Changes if any in connection with respected e-tender notice will be informed on above website)
3. Notice Board in the office of the Executive Engineer, Public Works Division, Satara.

No.AB / Tender /5610/2025
Office of the Executive Engineer, P.W. Division, Satara.
Date. 28/07/2025.

Sd/-
SHRIPAD RAMESH JADHAV
Executive Engineer,
Public Works Division, Satara

DGIPR/2025-26/1966

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: लेजर हेयर रिमूवल, केमिकल पीलिंग, हाइड्रोफेशियल, रेडियोफ्रिक्वेंसी, कार्बन फेशियल, एलर्जी टेस्ट
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, वैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email-bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास
M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे
MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
81031 28515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं: लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी, जनरल मेडीसीन, ऑर्थोपेडिक्स, जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी, ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल), गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्प्लेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

सुविधाएं: पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन
एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन
एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001
फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
24 घंटे आपात चिकित्सा
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियालिटी हॉस्पिटल
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
रोग: • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले विकेटकीपर में धोनी टॉप पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वनडे क्रिकेट में विकेटकीपर बल्लेबाजों की भूमिका अब सिर्फ दस्तानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने बल्ले से भी कई बार इतिहास रचा है। जब कोई विकेटकीपर बल्लेबाज बड़ी पारी खेलता है तो वह न केवल मैच की दिशा बदलता है बल्कि कई रिकॉर्ड्स भी अपने नाम करता है। आइए उन विकेटकीपर बल्लेबाजों के आंकड़ों के बारे में जानते हैं जिन्होंने वनडे इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेली है।

भारतीय खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी

(183* रन बनाम श्रीलंका)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी इस सूची में पहले स्थान पर हैं। उन्होंने साल 2005 में श्रीलंका के खिलाफ 183* रनों की पारी खेली थी। इस खिलाड़ी ने सिर्फ 145 गेंदों का सामना किया था। उनके बल्ले से 15 चौके और 10 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 126.20 की रही थी। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 298/4 का स्कोर बनाया था। जवाब में भारत ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया था।

दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक

(178 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया)

दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक हैं। उन्होंने साल 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 178 रन की पारी खेली थी। डिकॉक ने सिर्फ 113 गेंदों का सामना करते हुए ये रन बनाए थे। उनके बल्ले से 16 चौके और 11 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 157.52 की रही थी। कंगारू टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 294/9 का स्कोर बनाया था। दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया था।

बांग्लादेश के लिटन दास

(176 रन बनाम जिम्बाब्वे)

तीसरे स्थान पर बांग्लादेश क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास हैं। उन्होंने साल 2020 में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के खिलाफ 143 गेंदों का सामना करते हुए 176 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 16 चौके और 8 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 123.07 की रही थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 322/3 का स्कोर बना दिया था। बांग्लादेश की टीम ने उस मैच में 123 रनों से अपने नाम किया था।

क्विंटन डिकॉक (174 रन बनाम बांग्लादेश)

इस सूची में चौथे स्थान पर भी दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ही हैं। उन्होंने साल 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में 174 रन की पारी खेली थी। उन्होंने 140 गेंदों का सामना करते हुए ये रन बनाए थे। उनके बल्ले से 15 चौके और 7 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 124.28 की रही थी। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 382/5 का स्कोर बनाया था। जवाब में बांग्लादेश 233 रन ही बना पाई थी।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय सब जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप कल से ग्रेटर नोएडा में

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने मंगलवार को कहा कि ग्रेटर नोएडा में सात से 13 अगस्त तक होने वाली सब-जूनियर (अंडर-15) राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 400 लड़के और 300 लड़कियों सहित 700 से अधिक मुक्केबाज भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 भार वर्ग में किया जाएगा। हरियाणा लड़कियों के वर्ग में जबकि चंडीगढ़ लड़कों के वर्ग में गत विजेता है। तकनीकी नियमों के तहत होगी स्पर्धा राष्ट्रीय सब जूनियर चैंपियनशिप से पहले इस साल के शुरू में पुरुष, महिला और जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी के तकनीकी नियमों के तहत प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें 1.5 मिनट के तीन राउंड होंगे तथा राउंड के बीच में एक मिनट का विश्राम होगा। प्रतियोगिता में 10 अंकों की स्कोरिंग प्रणाली अपनाई जाएगी।

मप्र, हरियाणा , झारखंड व ओडिशा जूनियर महिला चैम्पियनशिप में जीते

काकीनाडा। हॉकी मध्यप्रदेश, हॉकी हरियाणा, हॉकी झारखंड और ओडिशा हॉकी संघ ने यहां जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में मंगलवार को अपने अपने पूल मैच जीते। पहले डिविजन ए मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने हॉकी चंडीगढ को 5-0 से हराया। कृष्णा शर्मा ने दो जबकि काजल, आयुषी पटेल और अन्नु ने एक एक गोल किया। अगले मैच में हॉकी हरियाणा ने हॉकी बंगाल को 7-1 से मात दी।हॉकी झारखंड ने हॉकी कर्नाटक को 2-0 से मात दी। ओडिशा हॉकी संघ ने हॉकी आंध्र प्रदेश को 3-1 से हराया। डिविजन बी में उत्तराखंड ने पुडुच्चेरी को 11-0 से मात दी जबकि तमिलनाडु और दिल्ली ने 3-3 से ड्रॉ खेला।

भारतीय सेना एफटी ने त्रिभुवन सेना एफसी को हराया

जमशेदपुर। पी क्रिस्टोफर कामेइ के पहले हाफ में किये एकमात्र गोल की मदद से भारतीय सेना एफटी ने दस खिलाड़ियों तक सिमटी त्रिभुवन सेना एफसी को डूरंड कप फुटबॉल ग्रुप सी के मैच में 1-0 से हरा दिया। नेपाल की त्रिभुवन सेना एफसी के तीन मैचों में एक ही अंक रहा जबकि भारतीय सेना के दो मैचों में तीन अंक हैं। भारतीय सेना के लिये क्रिस्टोफर ने 21वें मिनट में गोल दागा।

सब-जूनियर राष्ट्रीय तैराकी में कर्नाटक चैंपियन

बेंगलुरु। कर्नाटक 41वीं सब जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में मंगलवार को यहां 104 अंक के साथ चैंपियन बना। मणिपुर 81 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। राज्य के तैराक कोइजाम अथोइबा सिंह को 28 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष तैराक चुना गया। गोव की पूर्वी रितेश नाईक 19 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला तैराक रहीं। अथोइबा ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 58.59 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में पूर्वी ने एक मिनट 4.40 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

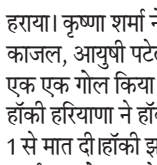

नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

शीर्ष वरीयता खिलाड़ी ज्वेरेव गत विजेता पोपिरिन को हराकर सेमीफाइनल में

एजेंसी ▶▶| टोरंटो

शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला रूस के कारेन खाचानोव या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव 75वीं बार एटीपी टूर के सेमीफ़ाइनल में पहुंचे हैं। वह अपने कुल 25वें और एटीपी 1000 मास्टर्स टूर्नामेंट में आठवें ख़िताब की तलाश में हैं।

कनाडा की मबोको सेमीफाइनल में, अब मुकाबला रयबाकिना से

मॉन्ट्रियल। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की।

6 साल बाद मबोका सेमीफाइनल में पहुंचीं

मबोको 2019 में बियांका एंड्रीस्कू के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं। वह टोरंटो में 2015 में बेलिंडा बेनकिच के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी भी हैं।

मुकाबला अब कजाकिस्तानी से

मबोको का सामना अब एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने मार्टा कोस्त्युक के हाथ में चोट लग जाने के कारण मैच के बीच में हट जाने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूक्रेन की खिलाड़ी ने जब मैच से हटने का फैसला किया तब कजाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त रयबाकिना 6-1, 2-1 से आगे चल रही थी।

एक टेस्ट सीरीज में

जडेजा, विराट सहित इन बल्लेबाजों ने इंग्लैंड में बनाए सर्वाधिक 50+ रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम से 3 बल्लेबाजों ने 500 से अधिक रन बनाए, जिसमें रविंद्र जडेजा भी शामिल रहे। उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ बल्लेबाजी में निरंतरता से रन बनाए। इस अनुभवी ऑलराउंडर ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज में 500 रन का आंकड़ा पार किया। इस बीच इंग्लैंड में खेलते हुए एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक 50+ रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

रविंद्र जडेजा (6 स्कोर, 2025)

जडेजा ने सभी 5 टेस्ट में हिस्सा लिया, जिसकी 10 पारियों में 86 की शानदार औसत से 516 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 5 अर्धशतक और 1 शतक लगाया। वह इस सीरीज में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज रहे। इसके साथ-साथ वह किसी द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में छठे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए 500 से अधिक रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए।

सुनील गावस्कर (5 स्कोर, 1979)

पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने 1979 में इंग्लैंड के दौरे पर जोरदार प्रदर्शन किया था। पारी की शुरुआत करते हुए उन्होंने 77.42 की औसत के साथ 542 रन बनाए थे। उन्होंने एक दोहरा शतक (221) लगाने के साथ-साथ 4 अर्धशतक लगाए थे। उन्होंने उस इंग्लैंड दौरे पर 55 चौके लगाए। हालांकि, वह कोई छक्का नहीं लगा सके थे। उनके अलावा कोई अन्य बल्लेबाज 400 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सका था।

विराट कोहली (5 स्कोर, 2018)

इंग्लैंड ने 2018 में अपने घर पर खेलते हुए भारत को 4-1 से हराया था। भले ही उस सीरीज में भारतीय टीम को शिकस्त मिली थी, लेकिन विराट कोहली ने बल्लेबाजी में अलग स्तर का खेल दिखाया था। उन्होंने 10 पारियों में 59.30 की औसत के साथ 593 रन बनाए थे। कोहली ने 149 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ उस सीरीज में 3 अर्धशतक और 2 शतक लगाए थे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट

एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वालों में मुथैया नंबर वन पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा विकेट चटकाना किसी भी गेंदबाज के लिए उत्कृष्ट फॉर्म, फिटनेस और निरंतरता का प्रतीक होता है। जब एक गेंदबाज पूरे साल सभी प्रारूप में विपक्षी बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन जाता है तब वह आंकड़ों में भी अपना दबदबा दर्ज करता है। ऐसे में आइए जानते हैं उन घातक गेंदबाजों के बारे में जिन्होंने एक साल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट चटकाकर क्रिकेट इतिहास में अपनी अलग पहचान बनाई।

मुथैया मुरलीधरन (136 विकेट, 2001)

इस सूची में पहले स्थान पर श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन हैं। उन्होंने साल 2001 में 45 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे और इस दौरान उन्होंने 1089.5 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने 245 मेडन ओवर के साथ 19.98 की औसत से उस साल 136 विकेट चटकाए थे।

(128 विकेट, 2006)

दूसरे स्थान पर भी मुरलीधरन ही हैं। उन्होंने साल 2006 में 40 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे और 854.2 ओवर में 147 मेडन ओवर थे। वह 128 विकेट लेने में सफल रहे थे।

शेन वॉर्न (120 विकेट, 1994)

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व महान गेंदबाज शेन वॉर्न इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने साल 1994 में 39 मुकाबले खेले थे और इस दौरान 902.2 ओवर गेंदबाजी की थी। वॉर्न ने 230 मेडन ओवर के साथ 120 विकेट चटकाए थे। उनकी इकॉनमी रेट 3.14 की रही थी। उन्होंने 9 बार 5 विकेट हॉल और 5 बार दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8/71 का रहा था।

ग्लेन मैक्ग्रा (119 विकेट, 1999)

कंगारू टीम के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने साल 1999 में 41 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे और इस दौरान मैक्ग्रा ने 802.2 ओवर गेंदबाजी की थी। 187 मेडन ओवर के साथ उन्होंने 20.23 की औसत से 119 विकेट लिए थे। इस खिलाड़ी ने 6 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए थे और 1 बार दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिया था।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स

अर्जुन एरिगेसी को गुजराती और गिरि से मिलेगी कड़ी चुनौती

चेन्नई। भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी को सोमवार 11 अगस्त से शुरू हो रहे चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे सत्र में नीदरलैंड के अनीश गिरि और अपने हमवतन विदित गुजराती से कड़ी चुनौती मिलेगी। इस टूर्नामेंट में विजेता को एक करोड़ रूपये मिलेंगे। पहली बार इसमें मास्टर्स और चैलेंजर्स वर्ग में क्लासिकल राउंड रॉबिन प्रारूप में नौ से अधिक दौर खेले जायेंगे। इससे पहले दो सत्र में सात दौर ही खेले जाते थे।

ये अन्य खिलाड़ी भी लेंगे भाग

इसमें 19 ग्रैंडमास्टर्स भाग लेंगे और फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे जो 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पाने के लिये अहम होंगे। टूर्नामेंट में निहाल सरीन और जर्मनी के विंसेंट केमेर जैसे खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं। चैलेंजर्स वर्ग में डी हरिका , आर वैशाली, हर्षवर्धन जीबी , अभिमन्यु पुराणिक , ग्रैंडमास्टर अधिबान भास्करन भी हिस्सा लेंगे।

वेस्टइंडीज-पाक के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 8 से, रिजवान संभालेंगे कप्तानी

एजेंसी ▶▶| त्रिनिदाद

पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने हाल ही में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ सम्पन्न हुई टी-20 सीरीज को 2-1 से जीतने में सफलता हासिल की थी। टी-20 सीरीज में पाकिस्तान ने पहला और तीसरा मैच जीता, जबकि दूसरा मुकाबला मेजबान टीम ने जीता था। अब दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 8 अगस्त से हो जाएगी। अभी वेस्टइंडीज की टीम का ऐलान नहीं हुआ है। इस सीरीज के लिए दोनों टीमें, शेड्यूल और अन्य अहम जानकारी पर एक नजर डालते हैं।

रिजवान करेंगे पाकिस्तान की कप्तानी

मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान की वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। हसन नवाज वनडे टीम में एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। इनके अलावा बाबर आजम और शाहीन अफरीदी भी वनडे टीम में खेलते दिखेंगे। ये खिलाड़ी टी-20 सीरीज में नहीं खेले थे।

ऐसा है वनडे सीरीज का शेड्यूल

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 8 अगस्त को होने वाले पहले मुकाबले से हो जाएगी। इसके बाद सीरीज का दूसरा मुकाबला 10 अगस्त को और तीसरा मुकाबला 12 अगस्त को खेला जाएगा। ये तीनों वनडे मैच त्रिनिडाड के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारतीय समयानुसार पहला वनडे रात 11:30 बजे से और आखिरी 2 वनडे मैच शाम 7 बजे से खेले जाएंगे।अभी वेस्टइंडीज की टीम का ऐलान नहीं हुआ है।

वेस्टइंडीज का पलड़ा रहा है भारी

अब तक दोनों देशों की भिड़ंत में वेस्टइंडीज ने ज्यादा मैच जीते हैं। अब तक दोनों टीमें वनडे प्रारूप में कुल 137 मैच में आपस में भिड़ी थी, जिसमें से वेस्टइंडीज ने 71 मैच जीते थे, जबकि पाकिस्तान ने 63 मुकाबले अपने नाम किए थे। इस बीच 3 मैच टाई भी रहे थे।

एएफसी अंडर-17 एशिया कप फुटबॉल क्वालीफायर 2026

क्वालीफायर की मेजबानी करेगा अहमदाबाद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत 22 से 30 नवंबर तब होने वाले एएफसी अंडर-17 एशिया कप फुटबॉल क्वालीफायर की मेजबानी करने वाले सात मेजबानों में शामिल है। अहमदाबाद के 'द एरेना' में सभी मैचों का आयोजन किया जाएगा। क्वालीफायर के ड्रॉ सात अगस्त को होंगे।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, ''एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 क्वालीफायर के मेजबान देशों में शामिल होना भारत के लिए बेहद गर्व की बात है और अहमदाबाद में आयोजन को लेकर मैं काफी खुश हूं।

टीमों को 6 पॉट में किया गया है विभाजित

चौबे ने बताया कि 6 क्वालीफायर में भाग लेने वाली 38 टीम को वरीयता और पॉट आवंटन सिद्धांत के आधार पर छह पॉट में विभाजित किया गया है जो पिछले तीन टूर्नामेंट (2025, 2023 और 2018) में टीम के प्रदर्शन के आधार पर है। भारत पॉट दो में है। ड्रॉ के उद्देश्य से उसे एक अतिरिक्त मेजबान पॉट में रखा जाएगा जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी मेजबान अलग-अलग समूहों में हों। चीन, वियतनाम, थाईलैंड, म्यांमार, किर्गिस्तान और जोर्डन अन्य छह मेजबान हैं जिन्हें भारत के समूह में नहीं रखा जा सकता।

38 देशों की टीमें ले रहीं भाग

क्वालीफायर में हिस्सा ले रहे 38 देशों को सात ग्रुप (छह टीम के तीन ग्रुप, पांच टीम के चार ग्रुप) में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप का विजेता एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 के लिए क्वालीफाई करेगा। फीफा अंडर-17 विश्व कप कतर 2025 में खेलने वाली नौ टीम पहले ही सऊदी अरब में होने वाले टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश कर चुकी हैं।

2026 क्वालीफायर ड्रॉ के लिए पॉट

पॉट 1 : ऑस्ट्रेलिया, यमन, ईरान, ओमान, थाईलैंड।
पॉट 2: अफगानिस्तान, मलेशिया, इराक, बांग्लादेश, लाओस, कुवैत।
पॉट 3: सिंगापुर, बहरीन, फिलिपींस, तुर्कमेनिस्तान, फलस्तीन।
पॉट 4: सीरिया, मंगोलिया, कंबोडिया, हांगकांग, चीनी ताइपे, ब्रुनेई दारुस्सलाम।
पॉट 5: नेपाल, उत्तरी मारियाना द्वीप, गुआम, मालदीव, तिमोर-लेस्ते, लेबनान।
पॉट 6 : मकाऊ, श्रीलंका, पाकिस्तान।
मेजबान पॉटः चीन, वियतनाम, थाईलैंड, भारत, म्यांमार, किर्गिस्तान और जोर्डन।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल कोहका, तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)

क्र. 157/रा.नि. 2025, **सूचना पत्र** कोहका, दिनांक 31/07/2025

प्रति,

1. आवेदक, 2. 1 वर्ष रिकवरी एनफोर्समेंट प्रा. लि. की ओर से - अन्य 2 हि.
3. श्री अब्दुल जब्बार पिता श्री अब्दुल सत्तार, निवासी - दुर्ग, 4. श्री गोपाल उपाध्याय पिता श्री-नंद किशोर उपाध्याय, निवासी - वैशाली नगर, गोल मार्केट, सुपेला, भिलाई, 5. शांति देवी उपाध्याय, 6. सोसायटी.

विषयः- सीमांकन/स्थल जांच के संबंध में सूचना बाबत्।

ग्राम- कोहका, प.ह.नं. 45, रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला- दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 8197/1, 8197/22, रकबा 1567 वर्गफीट है का सीमांकन/स्थल जांच हेतु न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर/ अधीक्षक भू-अभिलेख/सिविल न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर/ अधीक्षक भू-अभिलेख शाखा दुर्ग के ज्ञापन क्रमांक 1117, दिनांक 07/07/2025 के परिपालन में दिनांक 21/08/2025 को समय 11.00 से 5.00 बजे के बीच में सीमांकन/स्थल जांच किया जाना है।

अतः आप सभी हितबद्ध पक्षकार अपने दस्तावेज सहित नियत तिथि एवं समय में उपस्थित होवे, बाद की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

राजस्व निरीक्षक
कोहका

दुनिया की वो रहस्यमयी सड़क, जो दिन में सिर्फ दो घंटे दिखती है, फिर कहां हो जाती है गायब

पेरिस। सोचिए अगर आपके सामने एक सीधी-सरल सड़क हो और कुछ ही मिनटों में वो अचानक गायब हो जाए। है न हैरान कर देने वाली बात? लेकिन, फ्रांस में ऐसी एक सड़क मौजूद है, जो रोजाना केवल दो घंटे के लिए ही दिखाई देती है और फिर समुद्र में समा जाती है। यह रहस्यमयी सड़क नोइरमौटीयर आइलैंड को मुख्य भूमि से जोड़ती है। दुनिया के लिए यह अजूबा हो सकता है, लेकिन वहां के स्थानीय लोगों के लिए यह रोजमर्रा की बात है। यह टूरिस्ट्स के बीच काफी मशहूर है। इस सड़क को पैसेज डू गोइस कहा जाता है। यह फ्रांस के अटलांटिक तट पर स्थित है और नोइरमौटीयर आइलैंड को मेनलैंड से जोड़ती है। स्थानीय भाषा में गोइस का मतलब होता है 'जूते गीले करते हुए सड़क पार करना।' लोग इस पर चलते भी हैं और गाड़ियां भी चलाते हैं, लेकिन सिर्फ दो घंटे के लिए।

कैसे बनी यह अनोखी सड़क

इस 4.5 किलोमीटर लंबी सड़क का पहली बार जिक्र साल 1701 में फ्रांस के नक्शे पर हुआ था। पहले के समय में इस द्वीप तक पहुंचने के लिए नावों का इस्तेमाल होता था, लेकिन समय के साथ समुद्र में गाद जमा होती गई और यह रास्ता बनने लगा।

दुर्घटनाओं की सड़क

पैसेज डू गोइस दिन में सिर्फ दो घंटे के लिए ही दिखती है। जैसे ही समुद्र में ज्वार आता है, यह सड़क पूरी तरह पानी में डूब जाती है। पानी का स्तर इतना बढ़ जाता है कि यह रास्ता करीब 13 फीट तक समुद्र के नीचे चला जाता है। यही वजह है कि इसे दुर्घटनाओं की सड़क भी कहा जाता है।

रोमांच का अड्डा बन गई है ये सड़क

इस सड़क की अनोखी खासियत ने इसे टूरिस्ट स्पॉट बना दिया है। हर साल यहां हजारों लोग इसे देखने के लिए आते हैं, खासकर वो जो एडवेंचर पसंद करते हैं। कई लोग अपनी गाड़ी लेकर इस सड़क पर ड्राइव करते हैं।

रोमांच के साथ खतरे की भी चेतावनी

हालांकि, इस सड़क पर चलना जितना रोमांचक है, उतना ही खतरनाक भी। स्थानीय प्रशासन जगह-जगह चेतावनी बोर्ड लगाकर लोगों को सतर्क करता है कि समय का विशेष ध्यान रखें। क्योंकि, अगर कोई तय समय से ज्यादा रुक गया, तो वो समुद्र के बीचोंबीच फंस सकता है।

रोचक खबरें

बास नदी घाटी में पाए जाते हैं 6 फीट लंबे केंचुए, आवाज सुनकर ही लगेगा डर

कैनबरा। आपने बरसात के मौसम में अक्सर मिट्टी वाली जमीन पर केंचुओं को चलते हुए देखा होगा। आकार में ये बहुत छोटे होते हैं। कई बार तो ऐसा लगता है कि ये सांप के नन्हें बच्चे हों। ऐसे में अगर आपसे यह पूछा जाए कि दुनिया में सबसे बड़े केंचुए की लंबाई कितनी होगी, तो निश्चित रुप से आप चंद इंच में उसका अंदाजा लगाएंगे। लेकिन, आज हम आपको दुनिया के सबसे बड़े केंचुओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 6.6 फीट तक लंबे होते हैं। पहली बार में इन्हें देखकर ऐसा लगेगा कि ये कोई सांप है। लेकिन, इनकी आवाज डराती है। ये केंचुए ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण-पूर्वी राज्य विक्टोरिया की बास नदी घाटी में पाए जाते हैं। इन केंचुओं को जायंट गिप्स्लैंड अर्थवर्म के नाम से जाना जाता है, जो दुनिया के सबसे मायावी और आकर्षक जीवों में से एक है। आमतौर पर अन्य केंचुओं की तरह ये जमीन पर नजर नहीं आते हैं। इनका बसेरा बास नदी घाटी का 150 वर्ग मील का एरिया ही है।

मूल रूप से 1800 के दशक में हुई थी खोज : हालांकि, इनके अस्तित्व पर भी खतरा मंडरा रहा है। दरअसल, ये केंचुए जहां रहते हैं, पहले वहां पर जंगल हुआ करते थे. लेकिन अब वो क्षेत्र पूरी तरह से कृषि भूमि में बदल गया है। ऐसे में जंगलों को पूरी तरह से हटा दिए जाने के बावजूद जायंट गिप्स्लैंड अर्थवर्म के जीवित रहने की क्षमता ही इसका एक और आकर्षक गुण है। इस मायावी केंचुए की खोज मूल रूप से 1800 के दशक में हुई थी, जब एक रेल लाइन का सर्वेक्षण कर रहे कर्मचारियों ने गलती से एक नमूना खोद निकाला था। यह सोचकर कि यह किसी प्रकार का सांप है, वे इसे मेलबर्न विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर के पास ले गए, जिन्होंने पुष्टि की कि यह वास्तव में एक विशाल केंचुआ था।

राक्षस जैसे दांत, मोती जैसी आंखें; 3000 मीटर गहरे समंदर में रहता है ये खौफनाक जीव!

लंदन। इंटरनेट पर एक ऐसे डरावने समुद्री जीव का वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर किसी की भी रूह कांप जाए। इस जीव के दांत किसी राक्षस जैसे तीखे और नुकीले हैं, लेकिन इसकी आंखें मोतियों जैसी चमकदार हैं। वैज्ञानिकों इसे 'टेलीस्कोप फिश' नाम दिया है, क्योंकि यह अपनी मोतियों जैसी बड़ी-बड़ी आंखों से शिकार को दूर से ही पहचान लेता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस जीव की आंखों में बायो-लुमिनेंस की खास क्षमता होती है। यह जीव अपनी आंखों से रोशनी पैदा कर सकता है कि वह समुद्र के घने अंधेरे में भी दूर तक आसानी से देख सकता है। यह जीव 500 से 3000 मीटर की गहराई में रहता है।

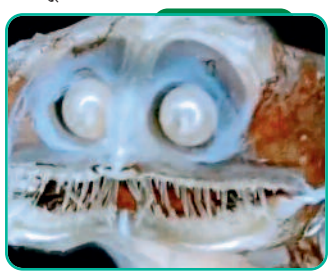

खौफनाक समुद्री जीव : टेलीस्कोप फिश अपनी ट्यूब जैसी आंखों में रोशनी जमा कर सकती है, जिससे इसे शिकार खोजने में मदद मिलती है। इसका शरीर लंबा और पतला होता है, जिसका रंग सफेद और भूरा होता है। वायरल हो रहे इस वीडियो में टेलीस्कोप फिश की गुब्बारे जैसी आंखें और तेज दांत साफ तौर पर दिख रहे हैं, जो इसे बहुत डरावना बना रहे हैं। वैज्ञानिकों ने टेलीस्कोप फिश की खोज को बेहद रोमांचक बताया है। उनका मानना है कि इस तरह के जीवों की खोज समुद्र की गहराइयों में छिपे और भी कई रहस्य का पता चल सकता है।

कोबरा से भी कई गुना जहरीला है ये छोटा जीव

लंदन। यह छोटा जीव इंडो-पैसिफिक की चट्टानों पर रहता है। इस जीव के जहर से इंसानों का मरना बेहद दुर्लभ है। बताया जाता है कि कोन स्नेल घोंघा की वजह से कई लोगों मौत हो चुकी है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि घोंघा के काटे लोगों को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया गया, तो 65 प्रतिशत लोगों की मौत हो गई।

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
डायलिसीस
• सीआरएफ एवं एआरएफ के मरीजों की अत्याधुनिक फ्रेसिनियस की डायलिसीस मशीन द्वारा
• हिमोडायलिसीस
• पेरीटोनियल डायलिसीस
• सीएपीडी
• बच्चों की किडनी की बामारियों का ईलाज
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

राइनोप्लास्टी
नाक को सही (रिशेपिंग) करना
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड़, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

सवाल

बादल फटने की जानकारी देने में साइंस क्यों फेल?

सुनामी-तूफान तक का मिल जाता है अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में मंगलवार सुबह खीर गंगा नदी के पास बादल फटने की घटना ने भारी तबाही मचाई। लेकिन, सवाल उठता है कि भूकंप, सुनामी और तूफान की चेतावनी देने में सक्षम मौसम विज्ञान बादल फटने की घटनाओं की सटीक भविष्यवाणी क्यों नहीं कर पाता?

1 घंटे हो जाती है 100 मिली से अधिक की बारिश

आवश्यकता उच्च-रिज़ॉल्यूशन रडार और सैटेलाइट डेटा चाहिए, जो भारत में सीमित

भविष्यवाणी और अधिक उन्नत तकनीक और निवेश की जरूरत

बादल फटने की भविष्यवाणी में विज्ञान की सीमाएं

बादल फटना या क्लाउडबर्स्ट एक ऐसी प्राकृतिक घटना है, जिसमें कम समय 1 घंटे में 100 मिमी से अधिक में सीमित क्षेत्र 20-30 वर्ग किमी में मूसलाधार बारिश होती है। यह आमतौर पर पहाड़ी क्षेत्रों में होता है, जब नमी से भरे मानसूनी बादल पहाड़ों से टकराकर रुक जाते हैं और गर्म-ठंडी हवाओं के मिलन से पानी की बूंदें एक साथ गिरने लगती हैं। मौसम विभाग भूकंप (सिस्मिक सेंसर), सुनामी (समुद्री सेंसर) और तूफान (सैटेलाइट और रडार) की भविष्यवाणी में सक्षम है, लेकिन बादल फटने की सटीक भविष्यवाणी कई कारणों से मुश्किल है। बादल फटने की घटनाएं छोटे क्षेत्र और कम समय में होती हैं, जिसके लिए अति उच्च-रिज़ॉल्यूशन रडार और सैटेलाइट डेटा चाहिए, जो भारत में सीमित हैं। हिमालय जैसे क्षेत्रों में जटिल स्थलाकृति और स्थानीय जलवायु परिवर्तन भविष्यवाणी को और जटिल करते हैं। मौजूदा रडार सिस्टम भारी बारिश की चेतावनी दे सकते हैं, लेकिन विशिष्ट स्थान और समय की सटीक भविष्यवाणी के लिए घने रडार नेटवर्क और डोपलर रडार की कमी है, जो महंगे हैं।

जलवायु परिवर्तन का दुष्परिणाम

ऐसे में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने धराली में भारी बारिश की चेतावनी दी थी, लेकिन बादल फटने की विशिष्ट जानकारी नहीं दे सका। विशेषज्ञों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन ने बादल फटने की घटनाओं को डेढ़ गुना बढ़ा दिया है। गर्म हवाएं और नमी से भरे बादल हिमालय में अधिक बार रुक रहे हैं, जिससे भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं बढ़ी हैं।

मौसम विज्ञान की सीमाएं उजागर

ऐसे में धराली में बादल फटने की घटना ने एक बार फिर मौसम विज्ञान की सीमाओं को उजागर किया है। छोटे क्षेत्र में होने वाली तीव्र बारिश की सटीक भविष्यवाणी के लिए उन्नत तकनीक और निवेश की जरूरत है। नीति निर्माताओं को हिमालयी क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर ध्यान देना होगा, ताकि भविष्य में ऐसी तबाही को कम किया जा सके। धराली की त्रासदी न केवल स्थानीय निवासियों, बल्कि पूरे देश के लिए एक चेतावनी है कि प्रकृति के कहर से बचने के लिए विज्ञान और नीतियों में सुधार जरूरी है।

गुफा में मिला 34 करोड़ साल पुरानी शार्क का जीवाश्म! वैज्ञानिक भी रह गए दंग

वॉशिंगटन। अमेरिका में वैज्ञानिकों ने ऐसा जीवाश्म खोजा है जो 34 करोड़ साल से भी ज्यादा पुराना है। आपको बता दें कि यह कोई अभी का जानवर नहीं, बल्कि करोड़ों साल पुरानी शार्क की प्रजाति है। यह जीवाश्म अमेरिका के केंटकी राज्य में एक मैमथ नाम की गुफा में पाया गया है। वैज्ञानिक कह रहे हैं कि यह समय की गहराई से निकला किसी अजूबे से कम नहीं है। इस जीवाश्म का नाम मैकाडेंस ओल्सोनी है और वैज्ञानिकों ने बताया कि इस प्रजाति के परिवार के कई जीव पुराने वक्त में इस इलाके की समुद्र वाली दुनिया में तैरते थे। वैज्ञानिक बताते हैं कि इस शार्क की बनावट बहुत घातक थी, लेकिन शरीर का आकार बहुत छोटा था। इस शार्क के दांत बहुत घुमावदार थे, जो कीड़े और नर्म शरीर वाले जानवरों और साथ ही दूसरे जीवों को कुचलकर खाने के लिए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि उस समय के दौर में जब जीवाश्म पाया जाने वाला यह इलाका पहले समुद्र के नीचे था और यहां पर कोरल्स, क्रिनॉयड्स और अजीबोगरीब परियों जैसे समुद्री जीवों से भरे हुए रीफ्स पाए जाते रहे होंगे।

70 से अधिक प्रजातियां

नेशनल पार्क सर्विस, स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन और मैमथ केव की पेलियॉन्टोलॉजी टीम के वैज्ञानिकों ने हाल ही में शार्क की एक और प्रजाति रोटुलाडेन्स को फिर से क्लासीफाइड किया है और आपको जानकर हैरानी होगी की यह भी इसी इलाके से मिली थी। 70 से अधिक मछली की प्रजातियों को अब तक मैमथ केव में खोजा जा चुका है और अभी भी इन पर रिसर्च जारी है। इसलिए, कई प्रजातियों को अभी तक कोई नाम नहीं दिया गया है।

बस इसी कारण नहीं हो रही शादी... 50 से अधिक लड़के-लड़कियां अब भी कुंवारे

नैनीताल। भारत ने जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। वहीं, उत्तराखंड के नैनीताल का एक ऐसा भी गांव है। जहां पर लड़के-लड़कियों की शादियां तक नहीं हो पा रही हैं। वजह जानकर आप भी हैरान हो जाएंगी। आप भी सोचने को मजबूर हो जाएंगे कि जो देश चांद और मंगल की ओर कदम बढ़ा रहा है, लेकिन, आज भी विकास की अभाव में जी रहा हो।

गांव वालों ने इसको लेकर क्या कहा : ग्रामीणों का कहना है कि शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, पूरे गांव का सामाजिक मान-सम्मान होता है। लेकिन, जब बारात ही गांव तक नहीं पहुंच सकती, तो उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। हमने कई बार प्रशासन से सड़क की मांग की, लेकिन आज तक सिर्फ वादे ही मिले हैं। ग्रामीणों का कहना है जब तक सड़क नहीं बनेगी, न तो कोई बेटी यहां से विदा होगी, और न ही कोई बारात गांव में आएगी। इतना ही नहीं, यहां बीमार व्यक्ति को आज भी डोली में बैठाकर नैनीताल लाना पड़ता है। सड़क सही नहीं होने के कारण गांव तक वाहन भी नहीं पहुंच पाती।

कौन-सा गांव है?

नैनीताल जिले का गैरीखेत गांव है। जो सड़क की कमी अब सिर्फ विकास की नहीं, बल्कि सामाजिक संकट की वजह बन गई है। यहां के युवाओं की शादी की राह सिर्फ दिल से नहीं, अब सड़क से भी होकर गुजरती है। आपको बता दें कि यहां 50 से अधिक युवक-युवतियां वर्षों से सिर्फ इसलिए कुंवारे हैं, क्योंकि बारात गांव तक पहुंच नहीं पाती। बरसात हो या धूप, बारात का आना-जाना बहुत मुश्किल हो जाता है। कई बार तो रिश्ते तय होने से पहले ही टूट जाते हैं। गांव के कई लड़के लड़कियों की लव मैरिज तक टूट गई।

दावा चीन के वैज्ञानिकों का दावा- गहरे अंधेरे में पनप रही जिंदगी

धरती के नीचे भी है एक जीवन!

बीजिंग। मंगल ग्रह पर जीवन की तलाश की जा रही है। एलियंस को लेकर भी तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। ये बिल्कुल तय माना जा रहा है कि धरती से परे स्पेस में निश्चित तौर पर जीवन है या फिर जीवन की संभावना है। दुनिया की कई स्पेस एजेंसियां इस खोज में जुटी हैं, मगर चीन ने इन सब अनुमान और संभावनाओं से परे ऐसी खोज की है जो चौंकाने वाली है।

कनाडा के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर चीन के वैज्ञानिकों ने धरती के नीचे गहरे अंधेरे में जीवन का पता लगाया है। यह वो स्थान है जहां सूरज की रोशनी आज तक पहुंची ही नहीं। रिसर्च में ये दावा किया गया है कि धरती की गहराई में पनप रहा ये जीवन उन भूकंप से ऊर्जा लेता है जो हमारे आपके सामने आए दिन आते हैं। पारंपरिक विज्ञान से परे ये खोज चर्चा का विषय बन गई है। दरअसल, अब तक ये माना जाता था कि धरती की सतह से कई किलोमीटर नीचे जीवन का अस्तित्व नहीं हो सकता।

कैसे जीवित हैं ये सूक्ष्मजीव

रिसर्च में चीनी विज्ञान अकादमी के गुआंगझोउ इंस्टीट्यूट ऑफ जियोकेमिस्ट्री (जीआईजी) के प्रोफेसर झू जियानक्सी और हे होंगपिंग तथा अल्बर्टा विवि के प्रोफेसर कर्ट कोनहॉसर ने इसका जवाब जानने की कोशिश की है। इस रिसर्च को साइंस एडवांसेज जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि धरती पर जो भूकंपीय गतिविधि होती हैं, वह इन जीवों के लिए जनरेटर का काम करती हैं, इन्हीं से इनका जीवों का जीवन चक्र चलता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com